रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

₹73600 10 ग्राम

₹94000 01 किलो

सेंसेक्स 76,499.63 +169.62 | डॉलर 86.536 -0.110

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

माघ कृष्ण पक्ष 02, संवत 2081 | रांची, बुधवार, 15 जनवरी 2025, वर्ष-25, अंक- 341, पृष्ठ-12 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-10 दिसंबर 2024 के लिए प्लेयर ऑफ...

रांची का तापमान

	कांके	रांची
अधिक.	23.0⁰	24.1⁰
न्यून.	08.4⁰	12.4⁰

निधि खरे को एमएनआरई का मिला अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे को मंगलवार को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। खरे को नियमित नियुक्ति या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तक तत्काल प्रभाव से एमएनआरई का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सरकार की ओर से मंगलवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने तत्काल प्रभाव से इस नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। निधि खरे नियमित पदधारी की नियुक्ति या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, इस पद पर कार्यरत रहेंगी।

गंगासागर में दिल का दौरा पड़ने से 3 की मौत

कोलकाता। मकर संक्रांति स्नान के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालु गंगासागर पहुंचे, जहां आस्था और भक्ति की लहरें उमड़ पड़ीं। मंगलवार शाम तक 40 लाख से अधिक श्रद्धालु गंगासागर संगम में पुण्य स्नान कर चुके हैं। इसी बीच, मेले के दौरान तीन श्रद्धालुओं की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। प्रशासन के अनुसार, 1 से 12 जनवरी के बीच 40 लाख से अधिक श्रद्धालु गंगासागर पहुंच चुके हैं और आस्था की डुबकी लगाई।

कारगिल में दो गाड़ियां खाई में गिरी, 5 की मौत

लद्दाख । लद्दाख के कारगिल जिले के शिलिक्चे क्षेत्र में दो गाड़ियां आपस में भिड़कर खाई में गिर गईं, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल भेजा गया। मरने वालों में 3 स्थानीय और 2 अन्य राज्यों के हैं। मृतकों में 3 की पहचान मोहम्मद हसन (स्थानीय निवासी स्टकपा), लियाकत अली (चोस्कोर) और मोहम्मद इब्राहीम (बदगाम, कारगिल) के रूप में हुई है।

तिरंगा थामे अमृत स्नान करने पहुंचा झारखंड का जत्था

महाकुंभ नगर (आईएएनएस)

महाकुंभ के मकर संक्रांति अमृत स्नान पर्व पर मंगलवार को प्रयागराज संगम तट पर उमड़ी भीड़ में सामाजिक एकता के साथ ही राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाली आवाजें भी सुनाई देती रहीं। एक ओर अमृत स्नान के लिए निकलने वाले अखाड़ों के साथ चल रहे श्रद्धालु जगह-जगह पर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' का नारा लगाते दिखे, तो दूसरी ओर स्नान करने के लिए आए श्रद्धालुओं का जत्था हाथों में तिरंगा थामे राष्ट्रीय एकता का संदेश देता दिखाई दिया।

झारखंड से मकर संक्रांति स्नान पर्व पर अमृत स्नान करने महाकुंभ प्रयागराज पहुंचे मनोज कुमार श्रीवास्तव अपने जत्थे के साथ हाथों में तिरंगा थामे और 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' के नारे लगाते संगम की ओर बढ़ते दिखे। उनके जत्थे में मौजूद सभी सदस्य उनके साथ 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' का उद्घोष कर रहे थे। मनोज के साथ स्नान करने महाकुंभ मेले में पहुंचा 55 लोगों का जत्था काफी उत्साहित था। मनोज ने कहा कि महाकुंभ पर्व हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। इस अवसर पर वे हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर और राष्ट्र प्रेम के नारे लगाकर राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रसारित कर रहे हैं। मनोज ने इस मौके पर महाकुंभ मेले में स्नान के दौरान साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं की तारीफ की। उनके साथ आए श्रद्धालुओं ने भी कुंभ स्नान के लिए की गई व्यवस्थाओं की तारीफ की।

धार्मिक के साथ राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाली आवाजें भी दे रहीं सुनाई

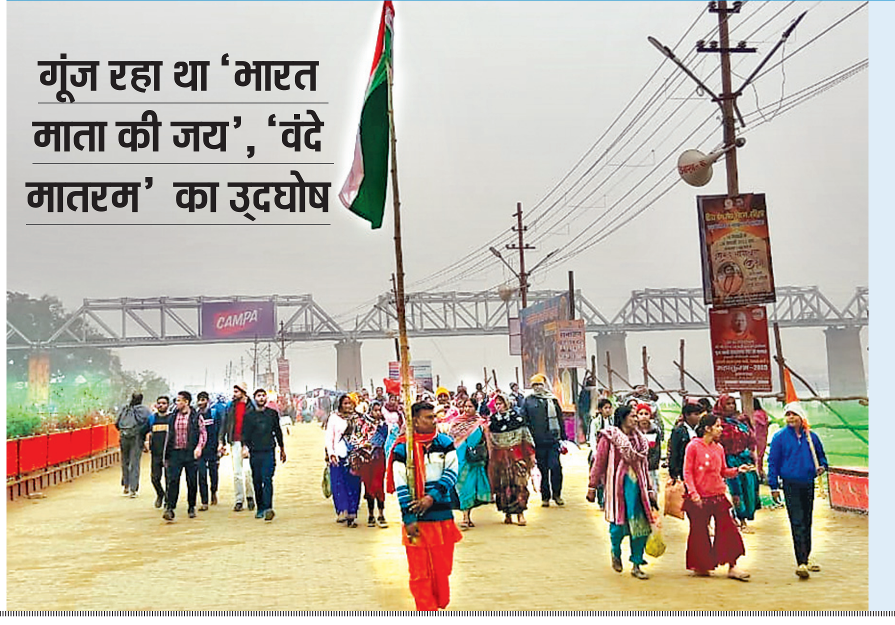

गूंज रहा था 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' का उद्घोष

अमृत स्नान को संगम के घाटों पर उमड़ा **श्रद्धालुओं** का **जनसैलाब**

महाकुंभ के प्रथम अमृत स्नान का शुभारंभ मकर संक्रांति के पावन अवसर पर हुआ। संगम के त्रिवेणी तट पर लाखों श्रद्धालुओं और साधु-संतों का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस ऐतिहासिक अवसर पर स्नान कर श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था को नया आयाम दिया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने घाट पर ही अपने ईष्ट देव की पूजा-अर्चना की। इस पूजन में तिल, खिचड़ी और अन्य पूजन सामग्रियों का उपयोग किया गया। श्रद्धालुओं ने तिल और खिचड़ी का दान कर धर्म लाभ प्राप्त किया। दान-पुण्य के इस क्रम ने पर्व को और पवित्र बना दिया। मकर संक्रांति के इस पावन दिन संगम के घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा था। स्नान के दौरान श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य देकर पुण्य और मोक्ष की कामना की। मकर संक्रांति भगवान सूर्य को ही समर्पित पर्व है। मकर संक्रांति पर सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं और दिन लंबे और रात छोटी होने लगती है। स्नान के दौरान ही कई श्रद्धालुओं ने गंगा आरती की। वहीं, श्रद्धालुओं ने घाट पर ही मकर संक्रांति का पूजन-अर्चन किया और तिल-खिचड़ी का दान कर पुण्य कमाया।

समादेष्टा ने किया बर्खास्त डीआईजी ने किया बहाल

सच्चाई क्या है गृहरक्षक संख्या 13409 की पुनर्बहाली की

मनोज मिश्रा

रांची। गृह रक्षा वहिनी में एक गृहरक्षक को समादेष्टा 22 अगस्त 2023 को बर्खास्त कर देते हैं। वहीं, पुलिस उपमहानिरीक्षक उस गृहरक्षक की बर्खास्तगी को 9 जनवरी 2025 को निरस्त करते हुए उसे सेवा में पुनः बहाल कर देते हैं। वह गृहरक्षक है सत्यनारायण बिरुवा (संख्या 13409) और उसके खिलाफ आरोप लगाया है उसके छोटे भाई चंद्रमोहन बिरुवा ने। चंद्रमोहन बिरुवा राज्य में गृहरक्षक है। उसका कहना है कि उसके बड़े भाई ने अपनी वास्तविक जन्मतिथि को छुपाकर पश्चिमी सिंहभूम जिले में गृहरक्षक के रूप में नव-नामांकन कराया है। इसमें एक और ट्विस्ट है कि झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन ने सत्यनारायण बिरुवा की बर्खास्तगी खत्म कर पुनः बहाली के खिलाफ आंदोलन करने की ठान ली है। कहना कि झारखंड सरकार एवं होमगार्ड डीजी संज्ञान लेकर कार्रवाई करें। इससे होमगार्ड विभाग की छवि धूमिल हो रही है। अब प्रश्न यह उठता है कि सही क्या है? सभी के अपने तर्क हैं। लेकिन, सच्चाई स्थापित करने के लिए विभाग को तो संज्ञान लेते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करना ही होगा। आइए, जानने की कोशिश करते हैं कि बर्खास्तगी और पुनर्बहाली की कहानी क्या है।

गृहरक्षक चंद्रमोहन बिरुवा ने अपने बड़े भाई पश्चिमी सिंहभूम जिला के गृहरक्षक सत्यनारायण बिरुवा (संख्या 13409) के विरुद्ध उपायुक्त एवं अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, चाईबासा को शिकायत पत्र समर्पित करते हुए यह आरोप लगाया था कि सत्यनारायण बिरुवा ने अपनी वास्तविक जन्मतिथि को छुपाकर पश्चिमी सिंहभूम जिले में गृह रक्षक के रूप में अपना नव-नामांकन कराया है। चंद्रमोहन बिरुवा ने अपने आरोप में यह भी कहा था कि मेरी जन्मतिथि 02/10/1983 है,

शेष पेज 11 पर

होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन कर रहा है विरोध

डीआईजी द्वारा पारित आदेश का झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रताप बिरुवा एवं पश्चिमी सिंहभूम जिला अध्यक्ष चरण चातर ने विरोध प्रकट करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति के विरुद्ध दो अलग-अलग जन्मतिथि का आरोप प्रमाणित हो गया तथा जिसने अपनी वास्तविक जन्मतिथि को छुपाकर होमगार्ड में अपना नव-नामांकन करा लिया, वैसे फर्जी गृह रक्षक को सेवा में पुन: वापस लाना गलत है। प्रताप बिरुवा ने यह भी कहा कि जब पूर्व समादेष्टा ने अलग-अलग जन्मतिथि को छुपाकर विभाग को दिग्भ्रमित व गुमराह करते हुए धोखे से गृहरक्षक के रूप में नामांकित होने के आरोप में सत्यनारायण बिरुवा को बर्खास्त कर दिया था, तब पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय लिंडा द्वारा मुख्यालय के पूर्व समादेष्टा वाईएस रमेश के आदेश को निरस्त करना कहीं से भी उचित प्रतीत नहीं होता है। इस तरह के कार्य से आम जनमानस में होमगार्ड विभाग की छवि धूमिल होगी तथा फर्जीवाड़ा करने वालों का मनोबल ऊंचा होगा । झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने कहा कि इस मामले पर झारखंड सरकार एवं होमगार्ड डीजी को संज्ञान लेते हुए पुलिस उप-महानिरीक्षक अजय लिंडा द्वारा पारित आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर देना चाहिए। मुखर्जी ने कहा कि अगर इस तरह से फर्जी लोगों को विभाग में वापस लाया जाएगा, तो होमगार्ड विभाग की छवि आम जनमानस में खराब होगी।

उच्च न्यायालय में करेंगे याचिका दायर : चरण चातर

पश्चिमी सिंहभूम जिला अध्यक्ष चरण चातर ने कहा कि अगर विभाग इस मामले पर उचित कार्रवाई नहीं करती है, तब विवश होकर इस मामले पर झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर किया जाएगा।

- छोटे भाई ने बड़े के खिलाफ की थी शिकायत
- कहा था, अपनी वास्तविक जन्मतिथि छिपाई है

भारत सरकार के खिलाफ गलतबयानी पर गोड्डा सांसद ने कहा, मांगनी पड़ेगी माफी

मेटा के सीईओ जुकरबर्ग को तलब करेगी संसदीय समिति : निशिकांत

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

- दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, यह स्वीकार्य नहीं

रांची। गोड्डा से भाजपा सांसद और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मामलों की स्थायी संसदीय समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने भारत सरकार को लेकर मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की गलतबयानी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि उनकी अध्यक्षता वाली संसदीय समिति मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को तलब करेगी। इसके लिए मेटा को भारतीय संसद और यहां की जनता से माफी मांगनी पड़ेगी।

भाजपा सांसद ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश के बारे में गलत जानकारी प्रसारित करने से देश की छवि धूमिल होती है। यह स्वीकार्य नहीं है। इसके पहले, भारत के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फेसबुक और मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग की ओर से भारत की सरकार को लेकर दिए गए बयान को खारिज करते हुए इसे तथ्यात्मक रूप से गलत करार दिया था। जुकरबर्ग ने 'द जो रोगन एक्सपीरियंस' नामक पॉडकास्ट के दौरान कहा था कि कोविड-19 के बाद दुनिया भर में उथल-पुथल का दौर रहा और इसके बाद अधिकांश मौजूदा सरकारें चुनाव में हार गईं। इनमें भारत भी शामिल है, जहां की सरकार 2024 के चुनावों में हार गई। मंत्री वैष्णव ने जुकरबर्ग के बयान पर कड़ा विरोध जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा था, जुकरबर्ग का दावा कि भारत में कोविड के बाद की सरकार चुनाव हार गई, तथ्यात्मक रूप से गलत है।

रांची में कोल इंडिया के सेवानिवृत्त अधिकारी से 2.27 करोड़ की ठगी

रांची (आईएएनएस)

साइबर क्रिमिनल के एक गैंग ने रांची में रहने वाले कोयला कंपनी के एक सेवानिवृत्त अफसर को 11 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर उनसे 2.27 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। जेल भेजने और सख्त एक्शन का खौफ दिखाकर उनसे यह रकम आठ अलग-अलग बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कराई गई। इस मामले की एफआईआर सीआईडी साइबर थाना में दर्ज कराई गई है। इसके अलावा साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज कराई गई है।

- साइबर अपराधियों ने 11 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा

सीआईडी की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आ रही है कि इस ठगी को अंजाम देने वाला गिरोह महाराष्ट्र का है। गिरोह ने जिन बैंक अकाउंट में रकम ली है, वे महाराष्ट्र के हैं। ठगी का शिकार हुए कोल इंडिया के सेवानिवृत्त अफसर रांची के बरियातू इलाके में रहते हैं। उन्होंने एफआईआर में बताया है कि 10 दिसंबर, 2024 को उनके मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम अभिराज शुक्ला बताया और अपना परिचय ट्राई (टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया) के अफसर के रूप में दिया। उनसे कहा गया कि उनके नंबर से कई लोगों को भ्रामक विज्ञापन और मैसेज ट्रांसफर किए गए हैं।

शेष पेज 11 पर

कुड़ू में गोली मारकर एक की हत्या, एक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड के लोहरदगा जिले के कुड़ू प्रखंड मुख्यालय स्थित बस स्टैंड पर मंगलवार को दिनदहाड़े गैंगवार में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मारे गए युवक की पहचान सुभाष जायसवाल उर्फ छोटू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतक का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। रांची में करीब पंद्रह दिन पहले पंडरा में 13 लाख रुपए के लूटकांड में पुलिस को उसकी तलाश थी। पुलिस ने इस हत्याकांड में एक युवक को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि सुभाष जायसवाल मंगलवार को अपने एक साथी के साथ अपाचे बाइक पर कुड़ू बस स्टैंड पहुंचा था। दोनों ने बस एजेंट संतु पासवान की हत्या करने के इरादे से गोली चलाई। संतु पासवान बचने के लिए भाग गया। फायरिंग की आवाज से बस स्टैंड में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। इस बीच, एक दूसरे आपराधिक गिरोह के बदमाश ने सुभाष जायसवाल पर जवाबी फायरिंग की। गोली सुभाष के सिर पर लगी। वह मौके पर गिर पड़ा, जबकि उसका साथी भाग खड़ा हुआ। अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में उसकी मौत हो गई।

नीरू शांति भगत ने आजसू पार्टी के अध्यक्ष को भेजा अपना इस्तीफा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। विधानसभा चुनाव 2024 में लोहरदगा से एनडीए से आजसू पार्टी की प्रत्याशी रहीं आंदोलनकारी पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने मंगलवार को आजसू पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो को अपना इस्तीफा भेजा है। सूत्रों के अनुसार नीरू शांति भगत अब झामुमो का दामन थाम सकती हैं। सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात के बाद उन्होंने आजसू पार्टी छोड़ा है। उन्होंने इस्तीफे में लिखा है- मैं झारखंड आंदोलनकारी, लोहरदगा के पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत बिना किसी राग-द्वेष, भेदभाव के आजसू पार्टी के सभी पद तथा प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रही हूं। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो को भेजे इस्तीफा में यह भी लिखा है कि आजसू पार्टी ने मुझे एक झारखंड आंदोलनकारी की पत्नी के रूप में जो मान, सम्मान और प्यार दिया, उसके लिए तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं। पर, एक छोटी सलाह भी देना चाहूंगी कि पार्टी के पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं को अपनी बोली-चाली, बात-व्यवहार एवं लेखनी में भद्रता और सौम्यता लाने का प्रशिक्षण जरूर दें। यह आजसू पार्टी के लिए हितकारी होगा। साथ ही, झारखंड आंदोलन के इतिहास का प्रशिक्षण पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अवश्य देने की कृपा करें। इसके साथ मिठास के पर्व मकर संक्रांति की आपको ढेरों बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने आजसू परिवार के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

नई दिल्ली में 'मिशन मौसम' लांच

भारत को बनाना है जलवायु स्मार्ट देश : प्रधानमंत्री मोदी

- आईएमडी विजन-2047 दस्तावेज किया जारी

नई दिल्ली (हि.स.)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत मंडपम में भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के 150वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में 'मिशन मौसम' का शुभारंभ किया किया। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर आईएमडी विजन-2047 दस्तावेज और आईएमडी के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत एक जलवायु-स्मार्ट राष्ट्र बने, इसके लिए हमने 'मिशन मौसम' लांच किया है। 'मिशन मौसम' टिकाऊ भविष्य और भविष्य की तत्परता को लेकर भारत की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों से भूकंप के लिए चेतावनी प्रणाली विकसित करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, भूकंप के लिए चेतावनी प्रणाली विकसित करने की जरूरत है और वैज्ञानिकों तथा शोधकर्ताओं को इस दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौसम विज्ञान में प्रगति से देश को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आईएमडी की स्थापना 15 जनवरी, 1875 को मकर संक्रांति के त्योहार के करीब हुई थी। **शेष पेज 11 पर**

इंडिया

मकर संक्रांति संस्कृतियों का संगम और विश्व के लिए आकर्षण

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत विविधरंगी सांस्कृतिक पहचान वाला देश है जिसके एकसमान रीति रिवाज और संस्कृति देश को एकसूत्र में जोड़ती है जबकि राजनीति उसे तोड़ने का प्रयास करती है । उत्तर भारत हो या दक्षिण पूरब या पश्चिम देश के हर कोने की हर संस्कृति के अपने त्योहार होते हैं जिनका सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक होता है। जनवरी के महीने में लोहड़ी, मकर संक्रांति,सकरात, पोंगल,बिशु ,बिसुत,टुसू और माघ बिहू जैसे कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें से प्रत्येक का अपना इतिहास और महत्व है।लोहड़ी एक भारतीय त्यौहार है जिसका पंजाब प्रांत में बहुत पारंपरिक महत्व है। यह मकर संक्रांति से एक दिन पहले मनाया जाता है, जहां लोग अलाव के चारों ओर प्रार्थना करते हैं और जश्न मनाते हैं। यह त्यौहार मुख्य रूप से भारत के उत्तरी भागों में बहुत ऊर्जा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। लोहड़ी को फ़सलों का त्यौहार भी कहा जाता है, जिसमें किसान लोकगीत संस्कृति का जश्न मनाते हैं और बुवाई के मौसम के अंत का प्रतीक होते हैं।पंजाब की कहानियों में दुल्ला भट्टी की कहानी का उल्लेख मिलता है, जो एक महान नायक थे और जिन्होंने मुगल साम्राज्य के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया था। उनकी बहादुरी के कारनामों ने उन्हें पंजाब में इतना मशहूर कर दिया कि लगभग हर लोहड़ी गीत में उनका नाम ज़रूर आता है।मकर संक्रांति जिसे माघी के नाम से भी जाना जाता है, एक सनातनी त्यौहार है, जिसे पूरे भारत में अलग-अलग सांस्कृतिक रूपों में बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्यौहार, जो लंबे दिनों की शुरुआत का प्रतीक है, आमतौर पर जनवरी के दूसरे सप्ताह (14 जनवरी) में मनाया जाता है।किंवदंती है कि संक्रांति एक देवी थी जिसने शंकरासुर नामक एक शैतान का वध किया था ।यह भी माना जाता है कि भीष्म पितामह ने उत्तरायण के दिन ही अपनी अंतिम सांस ली थी ।मकर संक्रांति सर्दियों के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत का प्रतीक है। इसे देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मकर संक्रांति के बाद पोंगल आता है। पोंगल भारत में मनाया जाने वाला चार दिवसीय फसल उत्सव है जो फसल कटाई की परंपरा से जुड़ा है। यह त्यौहार आमतौर पर जनवरी के महीने में आता है जब चावल, हल्दी और गन्ने जैसी फसलें काटी जाती हैं। यह त्यौहार तमिलनाडु में व्यापक रूप से मनाया जाता है। इस साल पोंगल 14 जनवरी से 17 जनवरी तक मनाया जाएगा।पोंगल का इतिहास लगभग 2000 साल पुराना है। इसकी शुरुआत द्रविड़ फसल उत्सव के रूप में हुई थी जिसे थाई अन और थाई निरादल के रूप में मनाया जाता था । एक किंवदंती के अनुसार, भगवान शिव ने एक बार अपने बैल, बसवा से कहा कि वह धरती पर जाए और लोगों से कहे कि वे हर दिन तेल मालिश करें और स्नान करें और महीने में एक बार भोजन करें। बसवा ने गलती से घोषणा की कि शिव ने लोगों को प्रतिदिन भोजन करने और महीने में एक बार तेल स्नान करने के लिए कहा है। क्रोधित शिव ने बावसा को हमेशा के लिए धरती पर रहने के लिए निर्वासित कर दिया। उसे लोगों को अधिक भोजन पैदा करने में मदद करने के लिए खेतों की जुताई करनी होगी। इस प्रकार, यह दिन मवेशियों से जुड़ा हुआ है।माघ बिहू वह समय होता है जब असम में वार्षिक फसल की कटाई होती है। असमिया नव वर्ष की शुरुआत और फसल के मौसम के अंत को चिह्नित करने के लिए लोग रोंगाली बिहू मनाते हैं।झारखंड में आदिवासियों के पारंपरिक 'विशु शिकार' के दौरान अनेक जंगली जानवरों का शिकार करने की परंपरा है । आदिवासियों समुदाय की यह परंपरा सैंकड़ों वर्ष पुरानी है जिसके तहत बैसाखी के दिन ही आदिवासी पुजारियों और मुखियाओं द्वारा पूजा के बाद 'विशु' के पारंपरिक शिकार का दिन तय होता है। वीरता के प्रतीक के रूप में 'वीर दिशुवा' (आदिवासी योद्धा) हाथों में पारंपरिक हथियार उठा ढोल-नगाड़े बजाते आसपास के जंगलों से लेकर दलमा में शिकार खेलने जाते हैं । वन विभाग की अपील की बाद इसमें कमी आई है और यह सांकेतिक रूप से ही मनाया जाता है ।केरल में मकर संक्रांति को मकरविलक्कू के नाम से मनाया जाता है। यह सबरीमाला मंदिर में आयोजित होने वाला एक वार्षिक त्योहार है। इस दिन सूर्य देव की पूजा की जाती है और मकर ज्योति के दर्शन किए जाते हैं। कर्नाटक में इसे 'एलु बिरोधु' के नाम से मनाया जाता है। बिहार और झारखंड में इसे सकरात के नाम से जाना जाता है। मकर संक्रांति के इस मौके को खिचड़ी भी कहा जाता है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में इस दिन खिचड़ी चढ़ाने, दान करने, बनाने और सहभोज करने का बहुत महत्व है। खिचड़ी भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण व्यंजन और प्रतीकात्मक भोजन है, जिसका महत्व धार्मिक, सांस्कृतिक और पोषणीय दृष्टिकोण से है विश्व की पांचवी से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दौड़ में आज का भारत लगा है और इसके अलावा कुंभ जैसी हमारी सांस्कृतिक विरासत विश्व के लिए शांति की खोज का मार्ग है जिसे सम्मान देने और राजनीति से दूर रखने की आवश्यकता है।

केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री राज्यपाल से मिले

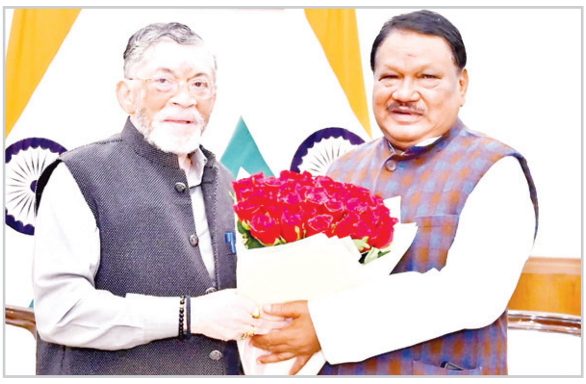

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मंत्री ने राज्यपाल को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नूतन वर्ष एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। वार्ता के क्रम में जनजातीय समाज के उत्थान व विकास हेतु केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं राज्य में उनके प्रभावी कार्यान्वयन के संदर्भ में चर्चा हुई।

रांची से कुंभ के लिए 16 जनवरी से एक मार्च तक 10 ट्रेनों का होगा परिचालन

अधिक से अधिक संख्या में करें कुंभ यात्रा : सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेले के लिए 16 जनवरी से एक मार्च तक रांची रेल मंडल से 10 ट्रेनों का परिचालन होगा। विभिन्न क्षेत्रों से आकर यह ट्रेनें रांची रेलवे स्टेशन से गुजरेंगी, जहां बड़ी संख्या में रांची के लोग कुंभ की यात्रा कर सकेंगे।

रांची से या रांची होकर अधिक से अधिक ट्रेनों का परिचालन कुंभ के लिए हो, इस निमित्त रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात कर उनसे चर्चा की थी। उनसे आग्रह किया था कि कुंभ ट्रेनों का परिचालन रांची के रूट से किया जाए। इससे रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, कोडरमा, चतरा, लातेहार, पुरुलिया, जमशेदपुर, सरायकेला खरसावां सहित कई जिलों के लोग कुंभ की यात्रा कर सकेंगे। विभिन्न तिथियां को कुंभ के लिए चलने वाली यह विशेष ट्रेन यहां के यात्रियों के तीर्थाटन को सुगम बनाएंगी। रक्षा राज्य मंत्री ने इन ट्रेनों के परिचालन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार प्रकट किया है।

सेठ ने कहा कि यह पहला अवसर है जब रांची को कुंभ मेला के लिए इतनी बड़ी संख्या में ट्रेनों की सौगात मिली है। हर ट्रेन का परिचालन रांची स्टेशन होकर ही होगा और पर्याप्त संख्या में यहां से इन्हें सीटें भी उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रियों को किसी तरह की कोई समस्या नहीं हो, इसे लेकर रेलवे हर प्रकार की व्यवस्था कर रहा है। इन सभी ट्रेनों में सामान्य क्लास, स्लीपर क्लास और एसी क्लास की बोगियां भी उपलब्ध होगी। रांची से सफर करने वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त आरक्षित सीटों की व्यवस्था होगी। रक्षा राज्य मंत्री ने लोगों से आग्रह किया है कि 12 वर्षों के बाद लगने वाले इस महाकुंभ में अधिक से अधिक सनातनियों को जाना चाहिए और सनातन के इस महापर्व में भाग लेना चाहिए।

इन ट्रेनों का होगा परिचालन

- रांची से टूंडला (08067/08968) के लिए कुंभ मेला स्पेशल 19 जनवरी।
- भुवनेश्वर से टूंडला (08425) कुंभ मेला स्पेशल 22 जनवरी, 05, 19 और 25 फरवरी।
- टूंडला से भुनेश्वर (08426) कुंभ मेला स्पेशल 24 जनवरी, 07, 21 और 28 फरवरी।
- टिटिलागढ़ से टूंडला (08314) कुंभ मेला स्पेशल 16 और 23 जनवरी, 06, 20 फरवरी व 25 फरवरी।
- टूंडला से तितलागढ़ (08313) कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 25 जनवरी, 08 और 22 फरवरी व 01 मार्च।
- तिरुपति से बनारस (07107) कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 08, 15 और 22 फरवरी।
- बनारस से विजयवाड़ा (07108) कुंभ मेला स्पेशल 20 जनवरी, 10, 17 और 24 फरवरी।
- नरसापुर से बनारस (07109) कुंभ मेला स्पेशल 26 जनवरी, 2 फरवरी।
- बनारस से नरसापुर (07110) कुंभ मेला स्पेशल 27 जनवरी और 3 फरवरी को चलेगी।

इन ट्रेनों का कुल परिचालन 38 बार होगा।

परामर्शदात्री समिति के सदस्य ने रांची और हटिया स्टेशन का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्रीय उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के नवनियुक्त सदस्य सतीश सिन्हा ने मंगलवार को हटिया व रांची स्टेशन का जायजा लिया। उन्होंने हटिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक समेत अन्य प्लेटफार्मों की यात्री सुविधाओं एवं सफाई आदि की जानकारी ली। उन्होंने कमियों को दूर करने का निर्देश रेल अधिकारियों को दिया। साथ ही उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ मेले को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी ली।

इस पर उन्होंने अधकारियों से कहा कि लगातार चेकिंग करें कोई बिना ड्रेस कोड या आइडी नंबर लगाए काम न करें। यदि ऐसा करते पकड़ा जाए तो जुर्माना लगाएं। हटिया व रांची स्टेशनों के निरीक्षण के दौरान सतीश सिन्हा ने यात्री सुविधाओं में सुधार को लेकर कई सुझाव व निर्देश दिए। दोनों स्टेशनों पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। मौके पर हटिया स्टेशन मैनेजर ध्रुव कुमार, सीआइ विकास कुमार, अनुराग कुमार, भाजपा हटिया मंडल अध्यक्ष राम मनोज साहू, दुर्गेश कुमार, तरुण कुमार दास आदि उपस्थित थे।

यात्रियों की सुरक्षा पर दें विशेष ध्यान

रांची रेल मंडल से खुलने वाली कुंभ स्पेशल ट्रेनों के संबंध में जानकारी ली। सिन्हा ने कुंभ मेला से संबंधित स्टाल व बैनर लगाकर यात्रियों को पूरी जानकारी देने का निर्देश दिया। ताकि कुंभ जाने वाले यात्रियों को ट्रेनों के आने-जाने सहित अन्य जानकारियां ठीक से मिल सके। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। वहीं प्लेटफार्म पर मौजूद खाने-पीने के स्टॉल पर कार्य करने वाले बिना ड्रेस कोड व आइडी लगाए काम कर रहे हैं।

मुंबई में आर्म्ड फोर्सेज वेटरन्स डे में शामिल हुए रक्षा राज्य मंत्री, कहा

पूर्व सैनिकों के कल्याण को प्रतिबद्ध है मोदी सरकार

- *आपका बलिदान, आदर्श, अनुशासन, ईमानदारी, समर्पण अनुकरणीय है*
- *इनके कल्याण के लिए 1,24,000 करोड़ से अधिक खर्च किए*
- *मुंबई में पूर्व सैनिकों से मिल, राष्ट्र सेवा में उनके समर्पण के लिए आभार प्रकट किया*

नवीन मेल संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। 9वें आर्म्ड फोर्सेज वेटरन्स डे पर मुंबई में स्थित नौसेना डॉकयार्ड मेमोरियल में वीर बलिदानियों को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर, नमन किया। रक्षा राज्य मंत्री ने ऐसे सभी पूर्व सैनिकों से संवाद किया। उनके कुशल से पूछा और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित भी किया।

संजय सेठ ने कहा कि राष्ट्र की सेवा में आपका सर्वोच्च बलिदान, आदर्श, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति ईमानदारी और वफादारी हर देशवासी के लिए अनुकरणीय है। सभी पूर्व सैनिक हमारे गौरव हैं। इनके कल्याण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। पिछले 10 वर्षों में भूतपूर्व सैनिक व उनके परिवार के कल्याण के लिए मोदी सरकार ने 1,24,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की है। उन्होंने कहा कि हम सम्मान उन्हें दे रहे हैं, जिन्होंने अपना जीवन देश के नाम किया। संवाद उनसे कर रहे, जो सदैव देश के लिए समर्पित रहे।

आज मुंबई में ऐसे वेटरन्स से संवाद कर, सुखद अनुभूति हो रही है। आपसे मिलकर मन गौरव से प्रफुल्लित है। राष्ट्र की रक्षा को जीवन समर्पित करने वाले वीरों से मिलना मेरे जीवन का अविस्मरणीय पल है। सैन्यसेवा से सेवानिवृत होने के बाद भी आगे इनका जीवन सुगम हो, भविष्य के लिए इन्हें चिंता नहीं हो, इसे लेकर हमारी सरकार संवेदनशील है। यह गौरव की बात है कि आज देश के विभिन्न हिस्सों में वेटरन्स डे मनाया जा रहा है। यह देश की सेवा में समर्पित हमारे कर्त्तव्यपरायण वीरों का सम्मान है।

रांची रेलमंडल की आठ ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच

रांची। यात्रियों की सुविधा के लिए रांची रेलमंडल से चलने वाली आठ ट्रेनों में अस्थाई रूप से कोच संयोजन में वृद्धि होगी। इसमें रांची-आरा एक्सप्रेस में 15 जनवरी से 31 मार्च, आरा-रांची में 16 जनवरी से एक अप्रैल, रांची-गोड्डा एक्सप्रेस में 15 जनवरी से 31 मार्च तक, गोड्डा-रांची एक्सप्रेस में 16 जनवरी से एक अप्रैल तक, रांची-बनारस एक्सप्रेस में 15 जनवरी से 31 मार्च तक, बनारस-रांची एक्सप्रेस में 16 जनवरी से एक अप्रैल तक, राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस में 15 जनवरी से 31 मार्च, जयनगर-राउरकेला में 16 जनवरी से एक अप्रैल तक द्वितीय श्रेणी स्लीपर का एक अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा।

लापता दो सगी बहनों के घर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री, बंधाया ढांढस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शहर के हिंदपीढ़ी से गायब दो सगी बहनों के परिजनों से मिलने मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी उनके आवास पहुंचे। अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले को लेकर गंभीर हैं। सरकार पूरी कोशिश कर रही है। सरकार पूरे परिवार के साथ खड़ी है। जल्द दोनों लड़कियों को वापस लाया जाएगा। इरफान अंसारी के साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, अजय नाथ शाहदेव और शहजादा अनवर आदि भी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि युवतियों के चाचा ने पुलिस को बताया था कि दोनों बहनें 11 जनवरी की दोपहर 12.30 बजे घर से कांटाटोली के समीप मंगल टावर स्थित आधार केंद्र जाने के लिए निकली थीं। इसके बाद दोपहर के करीब 1.20 बजे एक भतीजी ने फोन कर पिता से कहा कि ऑटो चालक ने उनसे मोबाइल और पर्स छीन लिया है। जबरन कहीं दूसरी जगह पर ले जा रहा है। इतना बोलने के बाद फोन कट गया। दोबारा फोन करने पर फोन बंद मिला। इसके बाद कोई संपर्क नहीं हो पाया है। बाद में पुलिस को दोनों का आखिरी लोकेशन ओरमांझी में मिला था। मामले में हिंदपीढ़ी थाना लगातार जांच-पड़ताल कर रही है।

झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ एसएन पाठक हुए सेवानिवृत्त

जज बनना नौकरी नहीं, लोगों को न्याय देने का मिशन : जस्टिस पाठक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ एसएन पाठक सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। हाईकोर्ट की पूर्णपीठ ने उन्हें विदाई दी। जस्टिस पाठक ने कहा कि जज बनना कोई नौकरी नहीं, बल्कि यह लोगों को न्याय देने का मिशन है। न्याय सिर्फ दिखाने के लिए नहीं, बल्कि होते दिखना चाहिए। मैंने हमेशा न्याय देने की बेहतर कोशिश की है, ताकि समाज को इसका फायदा मिल सके। विदाई समारोह में बोलते हुए जस्टिस पाठक भावुक भी हो गए। उन्होंने कहा कि वह आईपीएस बनना चाहते थे। लेकिन, नियति उन्हें कानून के क्षेत्र में लेकर आई। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अधिवक्ताओं और राज्य के अधिकारियों से हमेशा सहयोग मिला।

जस्टिस पाठक ने कहा कि वह मूलतः बक्सर के रहने वाले हैं। लॉ की पढ़ाई के बाद पटना हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करते थे। वर्ष 2000 में झारखंड बनने के बाद वह झारखंड हाईकोर्ट प्रैक्टिस करने के लिए आए। वर्ष 2010 में उन्हें वरीय अधिवक्ता बनाया गया। तब उन्होंने यह नहीं सोचा था कि वह हाईकोर्ट के जज बनेंगे। जस्टिस पाठक की पत्नी सरकारी शिक्षिका हैं। उनका बेटा, बेटी और बहू कानून के क्षेत्र में ही काम कर रहे हैं। इस दौरान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव ने कहा कि जस्टिस पाठक के कई फैसले समाज के लिए बेहतर साबित हुए हैं। इस अवसर पर महाधिवक्ता राजीव रंजन, एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार, स्टेट बार काउंसिल के चेयरमैन राजेंद्र कृष्ण, पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार, नवीन कुमार, धीरज कुमार सहित सभी वकील और हाई कोर्ट के कर्मी मौजूद थे।

रोजगार सृजन से क्षेत्रीय भाषाओं का होगा संरक्षण : डॉ शिम्पी चतुर्वेदी

रांची। गोस्सनर कॉलेज के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित सात दिनी संकाय संवर्द्धन के आखिरी दिन मंगलवार को पहले सत्र में उषा मार्टिन विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ शिम्पी चतुर्वेदी ने भाषा और सांस्कृतिक विरासत पर चर्चा की। कहा कि भाषा की विविधता को स्वीकार कर, इसका संरक्षण करना चाहिए। क्षेत्रीय भाषाओं को रोजगार से जोड़कर इसकी सुरक्षा की जा सकती है। दूसरे सत्र में कॉलेज के शासी निकाय के सचिव डॉ सीएसपी लुगुन ने कहा, शिक्षकों को अपना शैक्षणिक कौशल बढ़ाकर अनुशासन और संयम पर भी ध्यान देना चाहिए। कॉलेज की प्रोफेसर इंचार्ज इलानी पूर्ति बोलीं, हर विद्यार्थी की मौलिक प्रतिभा को पहचानकर इसे विकसित करने की जरूरत है। कहा कि विद्यार्थियों को मन और हृदय को नियंत्रित करना और आत्मसंयम का गुण सिखाएं, ताकि वे आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार कर सकें। समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और स्मृति चिह्न भेंट किए गए।

महेंद्र सिंह का 20वां शहादत दिवस कल

दीपंकर भट्टाचार्य होंगे मुख्य अतिथि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाकपा माले महेंद्र प्रसाद सिंह का 20वां शहादत दिवस 16 जनवरी को मनाएगा। पूरे राज्य में जन-सभा एवं गोष्ठी की जाएगी। भाकपा माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने कहा कि मुख्य कार्यक्रम बगोदर में जनसभा के साथ होगी। इसके मुख्य अतिथि भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य होंगे। 20वें शहादत दिवस के अवसर पर भाकपा माले जोहार झारखंड संकल्प अभियान के तहत युवाओं के लिए रोजगार, सार्वजनिक-सरकारी क्षेत्रों के निजीकरण पर रोक, ठेका मजदूरों व स्कीम वर्करों के लिए उचित वेतन एवं कार्य-सुरक्षा, पेसा एवं पांचवीं अनुसूची लागू करने, एवं मोदी सरकार से झारखंड के बकाये के भुगतान के लिए संघर्ष को तेज करने के मुहिम को तेज किया जाएगा। महेंद्र सिंह के 20वें शहादत दिवस के अवसर पर राज्य में 17 जनवरी से 22 जनवरी के बीच धनबाद, जामताड़ा, रांची, हजारीबाग एवं गढ़वा में कंवेंशन किए जाएंगें। महेंद्र सिंह के शहादत दिवस की तैयारी में विभिन्न जिलों में पार्टी की कई टीमें 18 दिसंबर से पदयात्रा कर रही है। शहादत दिवस के अवसर पर महेंद्र सिंह के गांव खंभरा में भी उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण होगा। इन कार्यक्रमों में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के अतिरिक्त, पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक एवं केंद्रीय व राज्य कमिटियों के सदस्य भी शिरकत करेंगे।

150 वर्ष का हुआ मौसम विज्ञान विभाग, आयोजित हुए कई कार्यक्रम

20-25 वर्षों से जलवायु में तेजी से हो रहा है बदलाव : मौसम निदेशक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मौसम विज्ञान विभाग के सफलतापूर्वक 150 वर्ष पूरे होने की खुशी में भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देशभर में मंगलवार को कार्यक्रमों का आयोजन किया। यह कार्यक्रम अगले दिन भी जारी रहेगा। वहीं मौसम केंद्र रांची के तत्वावधान में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंगलवार को रांची में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चे शामिल हुए। बच्चों के बीच पेंटिंग, ड्रॉइंग, रंगारंग कार्यक्रम और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। मौसम विभाग केंद्र रांची में देर शाम तक चलने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौसम निदेशक अभिषेक आनंद ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 20-25 वर्षों से जलवायु तेजी से बदल रही है। ऐसी स्थिति में कोई कार्य बेहतर ढंग से नहीं हो पा रहे हैं। मौसम खराब होने का प्रभाव तेजी से पड़ता है। खराब मौसम में कोई कार्य नहीं हो सकता है। वहीं जहां का मौसम अच्छा होगा और जलवायु अनुकूल होगी, वहां लोगों का आना-जाना बढ़ेगा और वहां की आबादी भी बढ़ने लगेगी, क्योंकि लोग वहां के मौसम को पसंद करते हैं।

जब तक माप नहीं करते, मौसम की जानकारी नहीं देते

1953 में बीआईटी मेसरा में मेनुअल एडजेस्टमेंट की शुरूआत हुई। जब तक हम माप नहीं करते, तब तक मौसम की जानकारी नहीं देते। जब माप कर लेते हैं, तब उसकी जानकारी देते हैं। गर्मी में हवा का लो प्रेशर, वहीं ठंड में हवा का हाई प्रेशर होते हैं और कई प्रकार के जलवायु परिवर्तन होते हैं। इसके लिए मौसम विभाग में विभिन्न यंत्र लगाए गए हैं, जिनसे मौसम की जानकारी हम प्रदान करते रहते हैं।

वर्षा कब होगी, रडार से पता करके बताते हैं

वर्षा कब होने वाली है, कितनी होगी, यह सब रडार से पता कर हम बताते हैं। झारखंड के 24 जिलों में ऑटोमेटिक मशीनें लगी हैं।खराब मौसम की जानकारी न मिलें तो विमान दुर्घटना का खतराएयरपोर्ट के पास मौसम विभाग का कार्यालय हमेशा होना चाहिए, क्योंकि विमान को पल-पल की जानकारी देनी पड़ती है। राज्य में 200 किमी तक की मौसम की जानकारी इस तकनीक के माध्यम से दी जाती है। सुपर कंप्यूटर में सभी डाटा डाले जाते हैं। यदि मौसम खराब होने की जानकारी विमान चालक को नहीं दी जाती, तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

झारखंड में बिजली अधिक गिरती है

मौसम खराब होने पर बच्चों के स्कूलों में छुट्टी कर दी जाती है। 13 जनवरी तक स्कूलों में छुट्टी की गई थी और शिक्षा विभाग ने मौसम केंद्र से जानकारी ली थी। उन्हें बताया गया था कि स्कूलों के जूनियर क्लास के बच्चों की छुट्टी कर देना उचित उपाय होगा। मौसम विज्ञान निदेशक ने बच्चों को यह भी बताया कि झारखंड में बिजली ज्यादा गिरती है। विशेष रूप से बादल और बारिश के मौसम में पेड़ के नीचे खड़े होकर नहीं रुकना चाहिए, क्योंकि ऐसी जगह बिजली गिरने का खतरा ज्यादा होता है।

विजयी बच्चे हुए पुरस्कृत

मौसम विभाग की विभिन्न प्रतियोगिताओं में केंद्रीय विद्यालय, सुरेंद्रनाथ सेंट्रल स्कूल और अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पेंटिंग, ड्रॉइंग, गीत-संगीत और अन्य प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर मौसम केंद्र रांची के सभी वैज्ञानिक, कर्मचारी, स्कूल के छात्र और शिक्षकगण मौजूद थे।

डीएवी ग्रुप के स्कूल में आज से मिलेंगे नामांकन फॉर्म

नवीन मेल संवाददाता

रांची। डीएवी कपिल देव सहित शहर के कई डीएवी स्कूलों में 11वीं में नामांकन के लिए बुधवार को आवेदन फॉर्म मिलने लगेंगे। डीएवी बरियातू एसआर डीएवी स्कूल में भी आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। डीएवी हेहल में भी आवेदन फॉर्म मिलना एक-दो दिन में शुरू होगा। डीएवी ग्रुप के सभी स्कूलों में आवेदन शुल्क 1500 रुपए है। मालूम हो कि डीपीएस, सरला बिरला आदि स्कूलों में नामांकन फॉर्म पहले से मिल रहे हैं। बोर्ड परीक्षा के परिणाम आने से पहले स्कूलों में 11वीं में प्रोविजिनल नामांकन लिया जाएगा। परिणाम आने के बाद नामांकन कंफर्म किया जाएगा। इसके अलावा 30 से 40 प्रतिशत सीट पर रिजल्ट आने के बाद सीधा नामांकन लिया जाएगा।

पूर्व मंत्री राजा पीटर सड़क हादसे में बाल-बाल बचे

रांची-टाटा मार्ग पर कंटेनर ने मारी टक्कर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची-टाटा मार्ग पर कांची नदी के पुल के समीप झारखंड के पूर्व मंत्री राजा पीटर की कार को कंटेनर ने सामने से टक्कर मार दी। राजा पीटर बाल-बाल बच गए हैं। उनको हल्की चोट आयी है। सड़क हादसे में कार का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। कंटेनर का ड्राइवर टक्कर मारने के बाद भागने लगा। इसकी सूचना राजा पीटर ने तमाड़ पुलिस को दी। इसके बाद ड्राइवर को तमाड़ के पास पकड़ लिया गया।

सड़क हादसे के संबंध में पूर्व मंत्री राजा पीटर ने बताया कि वे तमाड़ से बुंडू एसबीआई बैंक जा रहे थे। इसी बीच रांची-टाटा मार्ग पर कांची पुल के समीप सिंगल लेन में सामने से आ रही कंटेनर ने उनकी कार को टक्कर मार दी।

इससे कार क्षतिग्रस्त हो गयी है। उन्होंने कहा कि अनहोनी थी, जो टल गयी। वे सुरक्षित हैं।

कंटेनर का ड्राइवर टक्कर मारने के बाद घटनास्थल से भागने लगा। पूर्व मंत्री राजा पीटर ने तत्काल तमाड़ पुलिस को इसकी सूचना दी। तमाड़ पुलिस सूचना मिलते ही एक्शन में आयी और भागते कंटेनर ड्राइवर को तमाड़ के पास पकड़ लिया। तमाड़ के थाना प्रभारी रोशन कुमार झा सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। कंटेनर के ड्राइवर और खलासी को पुलिस ने पकड़ लिया है। तमाड़ थाने में उनसे पूछताछ की जा रही है।

मकर संक्रांति पर याद आए तालाब, डैम और नदी

बदहाल है रांची के तालाब, डैम और नदियां

मनोज मिश्रा

रांची। मकर संक्रांति पर प्राचीन काल से नदियों, तालाबों व डैमों में स्नान करने की प्रथा रही है। लेकिन 25 वर्ष के युवा झारखंड की राजधानी रांची के डैमों, तालाबों और नदियों में शायद ही कोई होगा जो स्नान करने की जोखिम उठाएगा। आइए जानते हैं राजधानी रांची के नदी, तालाब और डैम की क्या स्थिति है। हरमू नदी के स्वरुप और इसके हालात के बारे में बताते हुए स्थानीय निवासी रामचंद्र वाल्मीकि ने कहा कि हरमू नदी और नदियों की तरह अठखेलियां करती हुई बहती थी। इस नदी के पानी को पीने और खाना बनाने में उपयोग किया जाता था। आज हालात यह है कि नदी के बगल में ही लोग घर बना कर बसे हुए हैं। नदी की चौड़ाई घट कर एक नाले का रूप ले लिया है। कई जगहों पर नाली का पानी नदी में आकर गिरता है। पानी तो जहरीली हो गई है यहां के बदबू से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। नहाने की बात तो दूर यहां के पानी से कोई हाथ तक नहीं धो सकता। बड़ा तालाब के पास दशकों से रह रहे दीपक कुमार जो आथोर्पेडिक उपकरण बनाते हैं। उन्होंने बताया कि मकर संक्राति जैसे त्योहारों में नदी, तालाब में स्नान का पुण्य वेदों में बताया गया है। परंतु बड़ा तालाब का पानी गंदा है, चारों तरफ से नालियों का पानी आकर तालाब में मिलता है। कभी खाने-पीने, दाल गलाने के लिए उपयोग किया जाने वाला पानी आज किसी लायक नहीं है। कांके डैम किनारे स्थित सरोवर नगर निवासी महाबीर साहू बताते हैं कि हमसब डैम के पानी से मकर संक्राति एवं अन्य अवसरों पर स्नान करते हैं। वहीं मछुआरा दीपू मुंडा ने बताया कि इस पानी से नहाने पर खुजली होती है। चडरी तालाब के गंदे पानी पर तंज कसते हुए नाम नहीं छापने पर महिलाओं ने कहा कि बगल में तालाब होने के बावजूद मकर संक्रांति में स्नान करने के लिए नामकुम नदी गए। वहीं चंद्रिका देवी ने मधुकम तालाब का पानी गंदा होने पर कहा कि आज भी हमलोग इसी पानी से नहाते हैं यहां के पानी से कपड़ा अच्छा साफ होता है।

मकर संक्रांति पर चैंबर के सदस्यों ने लिया तिलकुट, चूडा और घेवर का आंनद

नवीन मेल संवाददाता। रांची

चैंबर भवन में मकर संक्रांति त्यौहार को बडे ही उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में 40 से अधिक सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान सभी सदस्यों ने स्वादिष्ट तिलकुट, चूडा और घेवर का आंनद लिया और एक-दूसरे को संक्रांति की बधाई दी। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी और महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने संयुक्त रूप से सभी चैंबर सदस्यों को मकर संक्रांति और लोहडी पर्व की बधाई देते हुए नई उर्जा के साथ चैंबर के कार्यों में गति लाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सह सचिव विकास विजयवर्गीय और नवजोत अलंग ने संयुक्त रूप से मकर संक्रांति का महत्व बताया और कहा कि यह दिन समाज को प्रकाश और आशा की ओर ले जानेवाला पर्व है। कार्यक्रम के दौरान ही चैंबर के फिल्म कला संस्कृति उप समिति चेयरमैन आनंद जालान के नेतृत्व में संगीत कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई जिसका उपस्थित सदस्यों ने आनंद उठाया। कार्यक्रम में चैंबर के उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित साहू, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, साहित्य पवन, आस्था किरण, सुनिल सरावगी, संजय अखौरी, मुकेश अग्रवाल, रांची नगर निगम के पूर्व उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय, निवर्तमान अध्यक्ष किशोर मंत्री, उप समिति चेयरमेन आनंद जालान, निरंजन शर्मा, किशन अग्रवाल, परमिंदर सिंह बग्गा, मुकेश पांडे, विजय शंकर, रमेश साहू, विकास झाझरिया, सदस्य देवेश खान, बिलाल अख्तर, राजीव रंजन मिश्रा, सुमित अग्रवाल, पिया बर्मन समेत कई सदस्य शामिल थे।

मकर संक्रांति पर श्री राधा कृष्ण मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे झारखंड के सबसे बड़े श्री राधा- कृष्ण मंदिर, श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम मे भारी भीड़ उमड़ रही है। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि 5 जनवरी को मंदिर के उद्घाटन के बाद 10 दिनों मे 1 लाख से भी अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर में आकर श्री राधा कृष्ण के दर्शन किए। मकर- संक्रांति के अवसर पर विशेष पूजा- पाठ का आयोजन किया गया। मंगलवार को 15 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। भव्य मंदिर के शीश महल में विराजमान भगवान श्री राधा -कृष्ण, श्रीमद् भागवत गीता ग्रंथ, भगवान का वस्त्र, मोर मुकुट, मुरली की पूजा अर्चना किया जा रहा है। मंदिर में श्री कृष्ण की जन्म से लेकर महाभारत तक की झांकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र है। रांची का श्री राधा कृष्ण मंदिर धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है झारखंड के विभिन्न जिलों एवं दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर का दर्शन करने पहुंच रहे हैं। मंदिर के पुजारी अरविंद पांडे पूरे श्रद्धा भाव के साथ श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना कराकर प्रसाद वितरण कर रहे हैं। ट्रस्ट के सभी पदाधिकारीगण, सदस्यगण सुचारू रूप से व्यवस्था मे लगे हुए हैं।

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में धनुर्मास व्रत का समापन, संक्रांति का पर्व मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में गोदांबा देवी द्वारा अनुष्ठित तीस दिनों का व्रत -धनुर्मास का सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते के साथ ही समाप्त हुआ। धनुर्मास का समापन और मकर संक्रान्ति पर्व को ले प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में साढ़े चार बजे से भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर का दूध, दही, शहद, हरिद्राचूर्ण, चंदन, डाभयुक्तजल और गंगाजल से महाभिषेक हुआ। सम्पूर्ण विधि से अभिषेक के बाद दिव्य वस्त्रों से आक्षादित कर अनेकों आभरण से अलंकार समर्पण किया और षुष्पाभरण सेवा हुआ। फिर भगवान रंगनाथ संग गोदाम्बा जी का विवाह कराया। विवाह विधि संक्षिप्तरूप से विश्वकसेन आराधन, पुण्याहवाचन, रक्षासूत्र प्रोक्षणम किया और भगवान तथा भगवती को रक्षा सूत्र बंधन कराया। आचार्य रक्षाबंधन तथा यजमान रक्षाबंधन हुआ। इसके बाद पुरुषसूक्त , श्रीसुक्तम , भूसूक्तम का वाचन एवं जयमाला - भगवती द्वारा भगवान को और भगवान भगवती को सात - सात बार क्रमबद्ध धारण कराया। फिर मंगलसूत्र का प्रतिष्ठा करके श्रीदेवी, भूमि देवी और गोदांबा देवी को धारण कराया। वरणामाईरम विधि से वेदविदित मंत्रों द्वारा अक्षतार्पण कर कल्याण महोत्सव के साथ धनुर्मास व्रत का समापन हुआ। मकर संक्रांति महापर्व को लेकर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ हुई। श्रद्धालु भक्तगण पुण्यकाल समय से दिन भर भगवान श्री ालक्ष्मी वेंकटेश्वर की पूजा- अर्चना कराकर सुख शांति और समृद्धि की कामना किया। महाभिषेक के यजमान निहार - पायल तुलस्यान, दिनभर का भोग : आनंद प्रकाश - राधिका अग्रवाल जबकि एकसमय का भोग प्रदीप मोदी ओर से हुआ। अर्चक सत्यनारायण गौतम और नारायण दास ने दिनभर के अनुष्ठान को विधिवत संपन्न कराया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनूप अग्रवाल, प्रदीप नरसरिया, रंजन सिंह, शंभू नाथ पोद्दार, प्रभास मित्तल, ओमप्रकाश गड़ोदिया, गौरी शंकर साबू ,घनश्याम दास शर्मा आदि की भूमिका रही।

आज / कल

पुरोहितों का ईश्वर से जुड़े रहना आवश्यक : आर्चबिशप

रांची। रांची महाधर्मप्रांत के उल्हातु पल्ली में उपयाजक प्रमोद कुजूर का पुरोहिताभिषेक समारोह हुआ। संत जोसेफ विद्यालय के प्रांगण में हुए इस समारोह में आर्चबिशप विसेंट आईंद ने उपयाजक प्रमोद कुजूर का पुरोहिताभिषेक किया। इस अवसर पर अपने उपदेश में आर्चबिशप ने कहा कि प्रत्येक पुरोहित को समर्पित जीवन जीने और बिना थके सेवा करने के लिए ईश्वर से जुड़े रहने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रमोद कुजूर को पुरोहित, शिक्षक तथा चरवाहा के रूप में उनके दायित्व का अर्थ समझाया। उन्होंने कहा कि पुरोहित के रूप में अपने दायित्व को समझें और उसका निर्वाह करें। मौके पर मौजूद अन्य विश्वासियों को भी अपने विश्वास में मजबूत बने रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

पारंपरिक जतरा गीत पर घंटों तक झूमे श्रद्धालु

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बोड़ेया भरम टोली सरना समिति की ओर से मंगलवार को बूढ़ा महादेव पहाड़ पर मकर संक्रांति उत्सव सह जतरा मेला का आयोजन किया गया। समिति के विश्वकर्मा पाहन के नेतृत्व में ढोल-नगाड़ा वादन के साथ डाडी में पूजा की गई। इसके बाद जतरा आरंभ हुआ। इसमें बड़ी संख्या में आसपास की बस्ती, टोला और मुहल्लों से सरना समेत सनातनी समाज के लोग शामिल हुए। पारंपरिक गीत और संगीत के साथ कलाकारों ने मनोहारी प्रस्तुति दी। उपस्थित लोगों को घंटों तक झुमाया। इससे पूर्व आयोजन समिति की ओर से जतरा में शामिल अतिथियों का झारखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव की देखरेख में समारोह में स्वागत किया गया। अमित कच्छप ने कहा कि बूढ़ा महादेव दरबार जागृत है। मान्यता है कि यहां मांगी गई मन्नतें जल्द पूरी होती है। मन्नत पूरी होने पर परिवार के सदस्य संतान का मुंडन यहीं कराते हैं। प्रशांत टोप्पो ने कहा कि जनजातीय समाज की संस्कृति व वर्षों से चली आ रही परंपरागत प्रथा को संजोए रखने की जिम्मेवारी समाज के युवाओं पर है। यही हम सभी का पहला दायित्व है। आने वाले समय में सौंदर्यीकरण के साथ बूढ़ा महादेव स्थल धार्मिक व दर्शनीय स्थल में शामिल हो जाएगा। जतरा के आयोजन में दालू पाहन, शिवनाथ टोप्पो, जीतू महली, राहुल उरांव, अरुण उरांव, मोहन कच्छप, सूर्या टोप्पो, राजा महली, जय सोनी, अमित टोप्पो, तुलसी महली, बबलू टोप्पो, राजन उरांव, मंगल टोप्पो, सुशीला देवी समेत अन्य की भागीदारी रही।

बढ़ है रोड रेज, रोड रेज में जान जाने की भी रहती है संभावना

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रोड रेज वाहन चलाने वाले लोगों द्वारा प्रदर्शित किया जाने वाला आक्रामक या गुस्सैल व्यवहार है, जो वाहन चलाते समय दिखता है। रोड रेज की वजह से कई बार लोगों की जान चली जाती है। साइकोलोजिस्ट 'भूमिका' ने बताया कि इन व्यवहारों में अन्य चालकों, पैदल यात्रियों या साइकिल चालकों को डराने या हताशा दूर करने के प्रयास में असभ्य और मौखिक अपमान, चिल्लाना, शारीरिक धमकियां या खतरनाक ड्राइविंग विधियां शामिल हैं। रोड रेज के कारण विवाद, संपत्ति का नुकसान, हमले और टकराव हो सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप गंभीर शारीरिक चोटें या यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है। रणनीतियों में मोटर चालकों को काटना, अनुचित हॉर्न बजाना, हेडलाइट्स चमकाना, अश्लील इशारों का उपयोग करना, दूसरे ड्राइवर को उल्टा करना, मुड़ना, पीछे से गाड़ी चलाना, ब्रेक चेक करना, किसी के सड़क दुर्घटना के बाद सहायता ने नाम पर उनके सामान की चोरी कर लेना, और शारीरिक टकराव शामिल हैं, लेकिन यह सब यहीं तक सीमित नहीं हैं। ऐसी ही और कई गतिविधियां रोड रेज में शामिल है। एएए फाउंडेशन फॉर ट्रैफिक सेफ्टी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर पुलिस रिकॉर्ड की जांच करने वाले एक अध्ययन के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में 1990-1996 के बीच प्रति वर्ष औसतन 1,250 से अधिक रोड रेज की घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें से कई घटनाएं गंभीर चोटों या मौतों के साथ समाप्त हुई। अध्ययन के छह वर्षों के दौरान ये दरें सालाना बढ़ीं। कई अध्ययनों में पाया गया है कि रोड रेज वाले व्यक्ति मुख्य रूप से युवा औसतन 33 वर्ष और 96.6% पुरुष हैं। भारत में भी इस तरह की घटनाएं होती है। यहां तक की झारखंड में इस मामले में कई घटनाएं घट चुकी है। रोड रेज की कानूनी परिभाषा में वाहन चलाते समय या यातायात से संबंधित घटनाओं से उत्पन्न होने वाले व्यवहारों का समूह शामिल है। यूएस नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन रोड रेज को इस प्रकार परिभाषित करता है कि 'किसी चालक या यात्री द्वारा मोटर वाहन या हथियार से जानबूझकर किया गया हमला जो सड़क पर होता है या सड़क पर किसी घटना के कारण होता है। यह परिभाषा इस बात में अंतर करती है कि आक्रामक ड्राइविंग एक यातायात उल्लंघन है और रोड रेज एक आपराधिक अपराध है।

कैसे बचे रोड रेज से साइकोलोजिस्ट 'भूमिका' ने बताया तरीका

रोड रेज से बचने के लिए साइकोलोजिस्ट भूमिका ने कहा- नशे के बाद वाहन नहीं चलाना चाहिए। कभी भी कहीं भी जाना हो तो पर्याप्त समय लेकर ही चलना चाहिए, यदि आपको जल्दी गुस्सा आता है तो रोजाना कुछ देर एक्सरसाइज करना चाहिए। उन्होंने कहा व्यक्ति जब भी घर से बहार निकले तो उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए की क्रोध मात्र क्षणिक भर का है उस क्षण को काबू में करना है जिसके बाद क्रोध खुद ब खुद खत्म हो जायेगा। साथ ही साइकोलोजिस्ट ने कहा कि प्रशासन को यातायात नियमों को और तंदुरुस्त करने चाहिए। रोड रेज जैसे गंभीर विषय पर आम लोगों के बीच जागरुकता पहुंचाना चाहिए। वहीं अक्सर इस तरह की घटनाओं को लोग नशे में ही अंजाम देते है इसलिए प्रशासन को ड्रिंक एंड ड्राइव जैसी गतिविधि पर ध्यान देना चाहिए और जुर्माना लगाना चाहिए।

भूमिका

उच्च शिक्षण संस्थानों को समान अवसर एससी-एसटी सेल स्थापित करना होगा

रांची। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उच्च शिक्षा संस्थानों को समान अवसर और एससी-एसटी सेल स्थापित करने के लिए कहा है। इसकी पूरी जानकारी 20 जनवरी तक मांगी गई है। इसका उद्देश्य वंचित समूहों की शिकायतों का समाधान करना है। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि उनके साथ उचित व्यवहार हो और अधिकारों की रक्षा की जाए। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), महिलाओं, अल्पसंख्यकों और अलग-अलग श्रेणियों के निःशक्त व्यक्तियों, जैसे हाशिए पर रहने वाले समूहों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना इसका मुख्य कार्य होगा। इसके अलावा यह असमानताओं को काम कर वंचित समूहों का समर्थन भी करेगा। इसके तहत हितधारकों को उनके संवैधानिक अधिकारों के बारे में संवेदनशील बनाया जाएगा। शैक्षणिक और गैर-शिक्षण पदों के साथ-साथ छात्र प्रवेश में एससी-एसटी का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना, इन वर्गों के छात्रों और कर्मचारियों के लिए शिकायत निवारण कक्ष के रूप में कार्य करना, उनकी शैक्षणिक और प्रशासनिक समस्याओं को हल करने में मदद करना, संस्थान में रोजगार के अवसर बनाए रखना आदि जिम्मेदारी होगी।

समिति ने आश्रम के बच्चों संग मनाई मकर संक्रांति

नवीन मेल संवाददाता। रांची

वैश्य चौधरी कल्याण समिति रातु रोड के तत्वावधान में मकर संक्रांति पर रांची निवारणपुर स्थित आदिम जाति सेवा मंडल, राजेंद्र (अनाथ) आश्रम एवं क्षितिज मूक बधिर स्कूल में चूड़ा, दही, तिलकुट, लाई एवं स्वेटर, टोपी, पैंट, शर्ट आदि आश्रम के सभी बच्चों के बीच वितरण कर खुशियां मनाई गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष पुतुल चौधरी, महासचिव विनोद जायसवाल, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश चौधरी, सचिव इंदरजीत कुमार, सहसचिव अनिल कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष परमानंद चौधरी,ओम प्रकाश चौधरी,संरक्षक अजय कुमार चौधरी,ललित चौधरी, मीडिया प्रभारी शिव किशोर शर्मा,एवं सदस्य रणधीर चौधरी, अनिल कुमार साहू,सूर्य पिंकू, सोनू कुमार गुप्ता,अजय साव संजीत चौधरी,संजय चौधरी कमलजीत चौधरी,अखौरी सुधीर कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साइबर लॉ में पीजी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम करा रहा इग्नू

नवीन मेल संवाददाता। रांची

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) साइबर लॉ में पीजी सर्टिफिकेट कोर्स करने का मौका दे रहा है। ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड में यह कोर्स उन पेशेवरों और स्नातकों के लिए है, जिनका लक्ष्य साइबर कानून, साइबर अपराध और साइबरस्पेस को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढांचे की व्यापक समझ विकसित करना है। इसकी शिक्षा अंग्रेजी में दी जाएगी। किसी भी विषय से स्नातकों के लिए इसमें दाखिला लेने का मौका है। इग्नू के जनवरी 2025 सत्र में पेशेवर नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। कोर्स न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष का होगा। पाठ्यक्रम शुल्क 8,400 रुपये के अलावा रजिस्ट्रेशन शुल्क 300 रुपये निर्धारित है। पाठ्यक्रम कानून, कंप्यूटर विज्ञान, बहुराष्ट्रीय कंपनियों और चार्टर्ड अकाउंटेंसी में पेशेवरों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। साइबर कानून अनुसंधान, आईटी-संबंधित भूमिकाओं या संगठनों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कानूनी सलाहकार के पदों पर करियर चाहने वाले दाखिला ले सकते हैं।

पहाड़ी मंदिर में बाबा का भव्य शृंगार

रांची। मकर संक्रांति के अवसर पर पहाड़ी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। यहां सुबह चार बजे दैनिक सरकारी पूजा के बाद मंदिर के पट खुलते ही भक्तों ने बाबा पर जलाभिषेक किया। बाबा का भव्य शृंगार किया गया। मंदिर के अंदर उमड़े भक्तों ने बाबा के शृंगार को निहार कर मुग्ध हुए। ज्ञात हो कि मंदिर के भक्तों के सहयोग से भोले बाबा के साथ माता पार्वती एवं भगवान गणेश के प्रतीक स्वरूप के साथ भव्य शृंगार हुआ। मंदिर के मुख्य पुजारी मनोज मिश्र की ओर से संध्या शृंगार के बाद आरती उतारी गई। मंगलवार को मकर संक्रांति होने के कारण सुबह से संध्या काल तक भक्तगण बाबा के दर्शन के लिए आते रहे।

एक नजर

खलारी के बहेरटांड़ जंगल में दिखी नीलगाय किसान भयभीत

खलारी। खलारी प्रखंड क्षेत्र के मैकलुस्कीगंज बहेर टांड़ जंगल में नीलगायों का एक दल पहुंचने की सूचना मिली है। जिससे स्थानीय किसान अपनी फसल की सुरक्षा को लेकर भयभीत हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार शाम जब चरवाहे जंगल में गए तो उन्होंने नीलगायों के दल को देखा। चरवाहों को देख नीलगाय भाग खड़े हुए। नीलगायों की मौजूदगी से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों ने वन विभाग से सुरक्षा की गुहार लगाई है। इस संबंध में वन क्षेत्र पदाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि जंगल में नीलगायों का दल सक्रिय है, जो किसानों की सब्जियों और अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि नीलगायों को जंगल से भगाने और किसानों के फसल की सुरक्षा के लिए समुचित उपाय किए जा रहे हैं।

बज्र क्रिकेट अकादमी (ए) 96 रन से जीता

रांची। सरला देवी बिड़ला अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट सुकुरहुट्ट में बाजरा क्रिकेट अकादमी (ए)बनाम गोस्वामी सीए (बी) के बीच खेला गया। बजरा क्रिकेट अकादमी (ए) ने 25 ओवर में नौ विकेट पर 205 रन बनाया। वैभव झा ने 42, आकाश दीप ने 37 व अर्णव ने 29 रन बनाया। अक्षु ने चार विकेट लेकर 18 रन, अर्जुन सिंह ने दो विकेट लेकर 31 रन दिया। वहीं गोस्वामी सीए (बी)-ने 17.3 ओवर में 10 विकेट पर 109 रन बनाया। आरिज अमन ने 18 व अक्ष ने 16 रन बनाया। अनमोल ने 6 विकेट लेकर 11 रन व सुशांत ने 2 विकेट लेकर 4 रन दिया। बज्र क्रिकेट अकादमी (ए) 96 रन से जीती।

तमिलनाडु ड्रैगन्स टीम ने सिमडेगा का किया दौरा

रांची। तमिलनाडु ड्रैगन्स टीम ने अपने अगले मैच के लिए रांची जाते समय सिमडेगा का दौरा किया । वहीं हॉकी के बारे में चर्चा की। जहाँ जमीनी स्तर पर विकास कार्यक्रम ने 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार किए हैं। टीम का सिमडेगा में गर्मजोशी से स्वागत किया गया और तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाड़ियों ने युवा खिलाड़ियों को टी-शर्ट दी और उनसे बातचीत की और हॉकी के बारे में अपना ज्ञान साझा किया।

पंचायत समिति सदस्य ने किया कंबल वितरण

मांडर। प्रखण्ड के मलती पंचायत में समिति सदस्या फरीदा नाज और प्रतिनिधि शफीक अंसारी ने जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बुजुर्गो के बीच कांबल का वितरण कर उनके दुःख को करना चाहता हं। ये एक छोटा प्रयास है। किंतु सक्षम लोग थोड़ा थोड़ा भी इस तरह प्रयास करे तो जरूरत मंदों को काफी फायदा होगा। कंबल पाकर बुजुर्ग काफी खुश हुए और दुवाएं दिये।

बेड़ो बाजार में पीएलएफआई ने चिपकाया पोस्टर

पुलिस ने कहा, शरारती तत्वों का काम

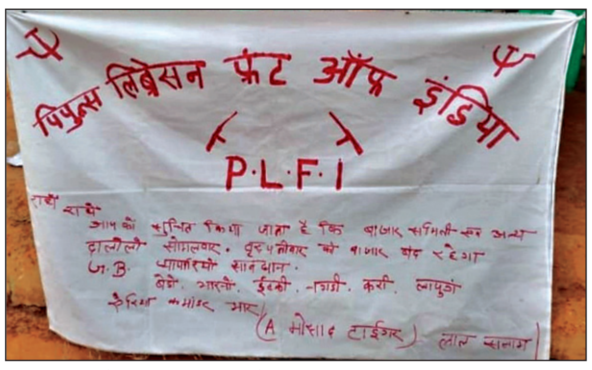

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो बाजार टांड़ स्थित प्रसिद्ध थोक सब्जी मंडी को अस्थिर करने के इरादे से कुछ शरारती तत्वों ने पीएलएफआई के नाम पर बाजार टांड़ सहित अन्य जगहों पर पोस्टर लगाकर बाजार बंद करने की धमकी दी है। इससे सोमवार को बाजार आने वाले सब्जी मंडी के थोक व्यापारियों में दहशत छा गया। थोक मंडी के सब्जी व्यापारियों ने किसानों से सब्जी लेना बंद कर दिया और पूरे बाजार में किसानों द्वारा लाई गई सब्जी एवं सब्जी लदी वाहनों का तांता लग गया। किसानों की सब्जियां डंप हो गई। पोस्टर बैनर को पुलिस प्रशासन ने जब्त कर लिया। व्यापारियों द्वारा सब्जी खरीदने से मना करने के बाद सूचना मिलने पर अंचलाधिकारी प्रताप मिंज, डीएसपी अशोक कुमार राम, बेड़ो के थाना प्रभारी नकुल शाह, लापुंग थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव, बेड़ो के कई एएसआई एवं जेएसआई सहित बड़ी संख्या में सशस्त्र बल पहुंचे। थाना प्रभारी नकुल शाह एवं अंचलाधिकारी प्रताप मिंज ने व्यापारियों को समझाया बुझाया लेकिन व्यापारियों ने किसानों से सब्जियों की खरीददारी नहीं की। पोस्टर बैनर देखते ही व्यापारियों में दहशत छा गया। उन्होंने किसानों द्वारा विभिन्न वाहनों में लाई गई सब्जियों को खरीदने से मना कर दिया। इससे बाजार में हड़कंप मच गया। सब्जी लदी वाहनों की कतार सी लग गई। जामटोली रोड पर जाम लग गया। बाद में पुलिस एवं अंचल प्रशासन ने मामले की तहकीकात की। थाना प्रभारी नकुल शाह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला शरारती तत्वों का लग रहा है। बाजार को डिस्टर्ब करने के इरादे से संभवतः इस तरह का पीएलएफआई के जैसा लगने वाला पोस्टर बैनर षड्यंत्र के तहत लगाया गया। हालांकि पूर्व के इतिहास में किसी भी व्यापारी या बाजार समिति के सदस्यों को पीएलएफआई ने कभी टारगेट नहीं किया और न कभी बाजार बंद कराया।

मकर संक्रांति पर मेले का हुआ भव्य आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। ठाकुरगांव

मंगलवार को बुढ़मू प्रखंड क्षेत्र के एतिहासिक एकैसी महादेव धाम व पर्यटन स्थल तिरु फॉल व हबरुवा पहाड़ में मकर संक्रांति मेला का भव्य आयोजन किया गया। मेला में बतौर मुख्य अतिथि विधायक सुरेश बैठा व समाजसेवी देवेन्द्र प्रकाश शामिल हुए। एकैसी महादेव मंदीर में मेला समिति के द्वारा भव्य अखंड हरि कीर्तन का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। वहीं सुबह से ही श्रद्धालुओं व मेलार्थियों की भीड़ उमड़ी रही। मेला को संबोधित करते हुए विद्यायक बैठा ने कहा कि वे जल्द ही तिरु फॉल व एकैसी महादेव धाम को झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेंगे। मौके पर मुख्य रूप से पूर्व जीप उपाध्यक्ष पार्वती देवी, गोपाल तिवारी, उमेश वैद्य, मेला समिति के सचिव अनुराग साहू, अध्यक्ष बिरिया भगत समेत अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। वहीं विधि व्यवस्था का कमान ठाकुर गांव थाना प्रभारी व बुढ़मू थाना प्रभारी संभाले हुए थे।

न्यूज बॉक्स

नोनियां चौहान समाज ने की कुलदेवी मां वत्सला भवानी की पूजा

खलारी। नोनियां चौहान समाज ने मोहननगर में मां वत्सला भवानी की पूजा विधिविधान से किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एनके एरिया महाप्रबंधक दिनेशकुमार गुप्ता व केडीएच पीओ अनिल सिंह मौजूद थे। भाजपा नेता सह समाज सेवी व नोनिया चौहान के संरक्षक कृष्णा चौहान ने कहा कि हिंदू धर्म में कुलदेवता और कुलदेवी का स्थान सदैव से रहा है। प्रत्येक हिन्दू परिवार किसी न किसी ऋषि के वंशज हैं, जिनसे उनके गोत्र का पता चलता है। बाद में कमार्नुसार इनका विभाजन वर्णों में हो गया। हर जाति वर्ग किसी न किसी ऋषि की संतान हैं और उन मूल ऋषि से उत्पन्न संतान के लिए वे ऋषि या ऋषि पत्नी कुलदेव और कुलदेवी के रूप में पूज्य हैं। पूर्वजों के खानदान के वरिष्ठों ने अपने लिए उपयुक्त कुलदेवता अथवा कुलदेवी का चुनाव कर उन्हें पूजित करना शुरू किया था ताकि एक आध्यात्मिक और पारलौकिक शक्ति कुलों की रक्षा करती रहे। मां वत्सला भवानी की प्रतिमा के साथ बगल में महर्षि वत्स, नंदनी गाय एवं बछड़ा का मूर्ति स्थापित कर छठा वर्षगांठ बड़े ही धूमधाम का साथ मनाया गया।

विधायक के जन्मदिन पर बांटे गये कंबल

खलारी। बुकबुका पंचायत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक सुरेश बैठा के जन्मदिन पर कंबल का वितरण किया। अध्यक्षता बुकबुका पंचायत अध्यक्ष अजयसिंह बबलू ने की। कांग्रेस के जिला महामंत्री राजेशसिंह मिंटु सहित अन्य कार्यकताओं ने संयुक्त रूप से केक काटा। विधायक के लंबी उम्र की कामना की गई। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। लोगों के बीच मिठाई बांटा गया। इस अवसर पर मुन्ना देवी, शिवप्रसाद चौहान, रवि सिंह, दीपक सिंह, प्रिंस सिंह, राहुल निषाद आदि उपस्थित थे।

मेकॉन 8 विकेट से खिताब अपने नाम किया

रांची। ईडीएस सुपर डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट मेकॉन बनाम बीएयू ब्लास्टर के बीच मेकॉन स्टेडियम में खेला गया। बीएयू ब्लास्टर ने 29 ओवर में 10 विकेट पर 123 रन बनाया। कृष ने 38, नितीश ने 21 रन बनाया। वहीं राजू ने पांच विकेट लेकर 29रन व आकाश ने दो विकेट लेकर 20 रन दिया। मेकॉन की टीम ने 17 ओवर में दो विकेट पर 127 रन बनाया। युवराज ने 55, भीष्म ने 34, शांतनु ने 22 रन बनाया। वहीं योगेश और शाद ने 1-1 विकेट लिए। मेकॉन 8 विकेट से खिताब अपने नाम किया।

अरगोड़ा सीए 86 रनों से जीता

रांची। सात्विक मेमोरियल ए डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट गोलचक्कर ग्राउंड में अरगोड़ा सीए बनाम साई नामकुम के बीच खेला गया। अरगोड़ा सीए ने 32.5 ओवर में 10 विकेट पर 248 रन बनाया। वहीं कौशिक ने 60, अभिजीत ने 35 व आलोक ने 35 रन बनाया। रितिक ने चार विकेट लेकर 41 रन व उमा ने तीन विकेट लेकर 39 रन दिया। साई नामकुम टीम ने 28.3 ओवर में 10 विकेट पर 162 रन बनाया। गोलू ने 56 व अभिनाश ने 29 रन बनाया। तनवीर ने पांच विकेट लेकर 42 रन दिया। आदर्श और अमन को 2-2 विकेट मिला। अरगोड़ा सीए 86 रनों से जीता।

सुरेश कुमार बैठा का 50वां जन्मदिवस मनाया

ठाकुरगांव । मंगलवार को विधायक सुरेश कुमार बैठा का 50वां जन्मदिवस वरिष्ठ कांग्रेस नेता सह समाजसेवी लक्ष्मी नारायण तिवारी के परिसर तिवारी कैम्पस में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक के द्वारा 50 पौंड का केक काटकर किया गया। इस दौरान महागठबंधन के कार्यकर्ताओं ने बुके देकर सुरेश बैठा को जन्मदिन का बधाई दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुरेश बैठा ने कहा कि कांके विधानसभा क्षेत्र की जनता व कार्यकर्ताओं ने विधायक बनाकर मुझे 50वां जन्मदिन का अनमोल उपहार दिया है और आने वाले समय में मैं इस क्षेत्र के विकास के लिए कई कार्य करूंगा साथ ही कहा कि खलारी और बुढ़मू प्रखंड को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में लाने का प्रयास करूंगा।

भक्ति ज़ागरण में गीतों पर झूमें श्रद्धालु

खलारी। पहाड़ी मंदिर खलारी के वर्षगांठ पर भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सुरेन्द्रनाथ पांडेय सहित अन्य अतिथियों ने फीता काटकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इससे पूर्व मां दुर्गा के चित्र की पूजा की गई। कलाकारों को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। बाहर से आए तथा स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। मंदिर के वर्षगांठ पर उमड़ी भीड़ ने भक्ति गीतों का खूब आनंद लिया। काफी संख्या में महिला श्रद्धालु गीतों पर झूमती नजर आई। इससे कलाकार भी काफी उत्साहित थे। स्थानीय कलाकार दारा के निर्देशन में गायक दलजीत सिंह, रेखा, खुश्बू, आसीदास व स्थानीय गायक बबन छैला बिहारी ने अपने गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। साज बजाने वालों में बंटी, विशाल, सुनील, संजय आदि शामिल थे।

मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मुरी स्वर्णरिखा नदी के पावन तट पर मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर तकरीबन हजारों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ इकट्ठी होने लगी। डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा पाठ और दान पुण्य का कार्यक्रम कर नदी तट पर बैठकर तिल के लड्डू का प्रसाद के रूप में सेवन किया। श्रद्धालु सिल्ली मुरी समेत पश्चिम बंगाल के कोटशिला, झालिदा, तुलिन इत्यादि जगहों से आए थे। बताते चले कि यह त्योहार नई फसल के मौसम की शुरूआत तथा समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। लोग देश भर में रंग-बिरंगे पतंगे उड़ाते हैं। यह भी माना जाता है कि मकर संक्रांति से शीत ऋतु का अंत और बसंत ऋतु की शुरूआत होती है। इस समय सूर्य की किरणें स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक लाभदायक होता है। मकर संक्रांति में बच्चों से लेकर बड़ों तक में उत्साह नजर आता है। लोग अपने घरों में पूजा पाटकर के दही और तिलकुट का सेवा करते हैं और एक दूसरे के घरों में जाकर इसका लुत्फ उठाते हैं। इसके बाद बड़ों से लेकर बच्चों तक अपने छतों या मैदान में पतंग उड़ाकर मजे लेते हैं और एक-दूसरे का पतंग काट भी देते हैं। इसी क्रम में स्वर्णरिखा नदी के पूर्वी तट तुलिन में मेला का भी आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने मेला का आनंद भी उठाया। मेले में काफी चहल-पहल थी।वहीं मेले में बंगाल पुलिस विधि व्यवस्था को लेकर मुस्तैद दिखी।

खलारी पहाड़ी मंदिर पुनर्निर्माण का 23वां वर्षगांठ

अखंड हरि कीर्तन के साथ भंडारा का हुआ वितरण

सुरेन्दनाथ पांडेय ने कहा कि खलारी का पहाड़ी मंदिर खलारी ही नहीं रांची जिले का धरोहर है

नवीन मेल संवाददाता। खलारी

पहाड़ी मंदिर खलारी के पुनर्निर्माण के 23वीं वर्षगांठ आयोजन पर इस वर्ष भी बृहत खिचड़ी भंडारा का आयोजन किया गया। मंगलवार को आयोजित इस भंडारा में हजारो श्रद्धालु उमड़ पड़े। 24 घंटे अखंड हरिकीर्तन समापन के बाद सुबह करीब ग्यारह बजे खिचड़ी भंडारा आरंभ किया गया। इससे पूर्व मंदिर के पुजारी बृजराज दुबे व सोनू दुबे ने भगवान का भोग लगाया। अतिथियों ने मंदिर में पूजा किया। मुख्य अतिथि समाजसेवी सुरेन्द्रनाथ पांडेय के अलावा एनके एरिया के महाप्रबंधक दिनेशकुमार गुप्ता, डीएसपी आरएन चौधरी, इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विजय सिंह, केएनपी सिंह, बीएन पांडेय, राजनसिंह राजा, कमलेश सिंह ने श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी परोस कर भंडारा का शुभारंभ किया। सुरेन्दनाथ पांडेय ने कहा कि खलारी का पहाड़ी मंदिर खलारी ही नहीं रांची जिले का धरोहर है। खलारी के पहाड़ी मंदिर के भव्य पुनर्निर्माण के लिए पहाड़ी मंदिर विकास समिति सहित खलारी की जनता को धन्यवाद दिया। देर शाम तक चले भंडारा में चालीस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने खिचड़ी खाया। मंदिर प्रांगण में सारा दिन मेले सा नजारा रहा। श्रद्धालु पहले मंदिर में पूजा करते फिर खिचड़ी खाने आते। खलारी तथा आसपास के लोग देर शाम तक मंदिर आते रहे। पहाड़ी मंदिर विकास समिति के लोगों ने व्यापक प्रबंध कर रखा था। कार्यक्रम को सफल बनाने में पहाड़ी मंदिर विकास समिति के सिद्धेश्वर प्रसाद, ओमप्रकाश राय, अमरेश वर्मा, सुशील अग्रवाल, समर सेन, संतोष यादव, रमेश गिरि आदि का सराहनीय योगदान रहा।

नालसा संचालित योजना जनजातीय अधिकारों पर कर रहा फोकस

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झालसा के निर्देश पर 90 दिवसीय जागरूकता एवं आउटरिच कार्यक्रम का आयोजन बुड़मु प्रखंड के चैनगड़ा पंचायत के ग्रामीण के बीच किया गया। नालसा द्वारा संचालित योजना-2015 के तहत जनजातीय अधिकारों पर फोकस की गई। कार्यक्रम में एलएडीसी अधिवक्ता कविता खाती, पीएलबी संजू कुमारी, अनिल ठाकुर, सादिक अली, दीपक मुंडा, बंधु उरांव एवं राजा वर्मा उपस्थित हुए। एलएडीसी अधिवक्ता कविता खाती ने आदिवासियों के अधिकार, मानवता, कर्तव्य, तृप्ति, समाजिक सुरक्षा आदि विषयों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मजदूरों को निबंधन कराना आवश्यक है। ज्ञात हो कि 22 फरवरी को आयोजित होनेवाली विशेष लोक अदालत की जानकारी पीएलवी के द्वारा दी गयी। उन्होंने कहा 17 फरवरी से 21 फरवरी तक प्री-लोक-अदालत की बैठके कर विवाह एवं चेक अनादरण से संबंधित वादों को न्यायालय में सुना जा रहा है। 22 फरवरी को उपस्थित होकर वादों को निश्तारण करा सकते है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 08 मार्च को : यह भी ज्ञात हो कि 08 मार्च को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में पीएलवी के द्वारा जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि न्यायालय में कोई भी वाद लंबित हैं, तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अपने वादों का निबटरा करा सकते हैं, जिससे आपको समय व धन की बचत होगी। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी आपराधिक सुलहनीय मामले,वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं वैवाहिक से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है।

छोटानागपुर पठार के त्योहारों में एक प्रमुख धार्मिक आस्था का परब है टुसू

टुसू पर्व आपसी भाईचारा व मेल- जोल का त्योहार है : भगीरथ

नवीन मेल संवाददाता। मुरी/सिल्ली

टुसु छोटानागपुर पठार के परब त्योहारों में एक महत्वपूर्ण एवं धार्मिक आस्था का महापर्व है। सभी समुदायों के किसान, मजदूर, गरीब और मध्यम वर्ग के लोग अपने परिवार के लोगों के साथ टुसु परब मनाना ज्यादा पसंद करते हैं। इस परब की अपनी एक धार्मिक महिमा है, टुसु डिनी सेवा का परब है। यह त्योहार अगहन संक्रांति को टुसु थापना के साथ शुरू हो जाता है।यह त्योहार कृषि मुल्क और गैर वैदिक त्योहार है। महिलाओं द्वारा महीना भर मंडली और संध्या बाती देकर टुसु महिमा गीत गाती है। यह त्योहार धान की खेती से जुड़ा त्योहार है।करम आखड़ा मुरी के भगीरथ महतो बताते हैं कुड़मी समुदाय की जो बारह मासे तेरह परब है उसमें टुसु सबसे बड़ा त्योहार है। टुसु परब में गायी जाने वाले गीत कुड़माली भाषा में ही ज्यादा है। टुसु पर्व के गीत में गांव, वन, जंगल, नदी, नाला, पहाड़, पर्वत, खेती बाड़ी और शादी ब्याह से संबंधित होता है। लोग इसे टुसु के बलिदान के रुप में भी मनाते हैं। टुसु पर्व आपसी भाईचारा और मेल जोल का त्योहार है। यह त्योहार जाति पांति, ऊच नीच छुआ छुत, राग द्वेष को मिटाता है तथा प्रेम और भाईचारा लाता है। नाहन स्नान कर टुसू से अपने परिवार की मंगल कामना करके दान पुण्य कर गुड़ चिउड़ा दही और पीठा खाकर लोग घर वापस आते हैं। टुसु परब झारखंड, बंगाल के पुरुलिया ,बांकुड़ा, पश्चिम मेदिनीपुर ,झाड़ग्राम उड़ीसा के सुंदर गढ़, मयुरभंज और क्योंझर आदि जगहों में मुल रुप से मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त यह त्योहार असम में भी मनाया जाता है। प्रमुख मेलाओं में बांधा घाट मेला तुलीन, सतीघाट मेला बारेंदा सोनाहातु, मुरी टुंगरी मेला,हरिहर मेला कोंचो सिल्ली, चपद बानसिनि मेला, राजरप्पा मेला जैसे सैकड़ों मेला सुवर्णरेखा नदी, दामोदर नदी, कंसावती नदी और इसकी सहायक नदियां के किनारे लगते हैं सुवर्णरेखा नदी को यहां के लोग बड़ो (बड़अ)नदी की उपाधि देते हैं। टुसु मेला महीना भर चलता है।

गाजे बाजे के साथ टुसू को नदी या किसी जलाशय में विसर्जित किया जाता है

टुसु परब से पहले चाउर धआ गुंड़ी कुटा और बांउड़ि होता है। बांउड़ि के दिन पीठा बनता है पीठाओं में गुड़ पीठा,आगबा गुड़ेक पीठा, गरहउआ पीठा,उंधि पीठा,आलति पीठा,आरू पीठा,मसला पीठा आदि बनता है। मुढ़ी चिउड़ा और नारियल का लड्डू भी बनता है। इस दिन मुढ़ी चिउड़ा, दही, दुध और गुड़ खाने का भी चलन है। गरीब और असहाय लोगों को दान भी दिया जाता है। सभी समुदाय के घरों में इस परब में पीठा और मांस भात बनता है। पुस संक्रांति के दिन सुबह गीत गाकर गांव में टुसू को घुमाया जाता है। उसके बाद गाजे बाजे के साथ टुसू को मेला परिसर में ले जाकर नदी या किसी जलाशय में विसर्जित कर दिया जाता है

रांची क्लब में गुलाब प्रदर्शनी का आगाज

रांची। द रोज सोसाइटी ऑफ रांची और रांची क्लब की ओर से आयोजित शीतकाली गुलाब प्रदर्शनी मंगलवार को शुरू हुई। रांची क्लब में आयोजित प्रदर्शनी में एकल, इंस्टीट्यूशन, इंडियन रोजेस, स्मॉल ग्रूवल जैसी कैटेगरी की इंट्री रही। प्रदर्शनी में छह सौ प्रतिभागियों के करीब दो हजार गुलाब रखे गये हैं। इसके अलावा रोज अरेंजमेंट, क्राफ्ट, पेंटिंग, फोटोग्राफी आदि की भी प्रदर्शनी देखने को मिल रही है। विभिन्न संस्थानों ने गुलाबों को किया प्रदर्शितप्रदर्शनी में इंस्टीट्यूशंस में राजभवन, मेकन, पारस हॉस्पिटल, सिदो-कान्हू पार्क, नक्षत्र वन और रांची क्लब सहित अन्य जगहों के गुलाब रखे गये हैं। जज के तौर पर गणेश मुंजाल, डीसी जैन और नीरज कुमार शामिल हैं, जबकि क्राफ्ट में धनंजय कुमार व अरूप नंदी हैं। यह प्रदर्शनी बुधवार को भी जारी रहेगी। दिन के 10 बजे से शाम छह बजे तक गुलाब की प्रदर्शनी रहेगी। वहीं शाम चार बजे से पुरस्कार वितरण होगा।

68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन

झारखंड का दमदार प्रदर्शन, खिलाड़ियों ने जीते पदक

- बालिका वर्ग प्रतियोगिता में 36 अंको के साथ महाराष्ट्र की टीम बनी विजेता , 32 अंकों के साथ तमिलनाडु की टीम उपविजेता बनी

युवा आयोग के अध्यक्ष ने सभी पदक विजेताओं को किया पुरस्कृत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

68वीं रष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता अंतर्गत अंडर 14 बालक/बालिका वर्ग एथलेटिक्स के अंतिम दिन झारखंड की झोली में तीन पदक आए। झारखंड के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिताओ में दमदार प्रदर्शन किया। बालक वर्ग अंडर 14 लॉन्ग जंप में झारखंड के संतोष मुर्मू को कांस्य पदक, बालक वर्ग 4 100 मीटर रिले में झारखंड के एमान्युएल किस्कु, अश्विन नगुडवार, अंकित कुमार और उपेंद्र कुमार की चौकड़ी को कांस्य पदक और बालिका वर्ग लॉन्ग जंप में झारखंड की सोनी कुमारी को कांस्य पदक मिला है। इस प्रतियोगिता के अंतिम दिन तमिलनाडु के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन जारी रहा। तमिलनाडु ने अंतिम दिन पांच पदक प्राप्त किये। तमिलनाडु की टीम 64 अंको के साथ दोनों वर्गो में ओवरआल विजेता बनी, इसके बाद 54 अंको के साथ उत्तर प्रदेश की टीम उपविजेता बनी। 68वीं रष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता अंतर्गत अंडर 14 बालक/बालिका वर्ग एथलेटिक्स के बालक वर्ग प्रतियोगिताओ में 46 अंको के साथ उत्तर प्रदेश विजेता बना, इस प्रतियोगिता में 32 अंको के साथ तमिलनाडु की टीम उपविजेता बनी। बालिका वर्ग प्रतियोगिता में 36 अंको के साथ महाराष्ट्र की टीम विजेता बनी, 32 अंकों के साथ तमिलनाडु की टीम उपविजेता बनी। प्रतियोगिताओ में बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में तेलंगाना की कुल्ली परवीन को स्वर्ण पदक, आंध्रप्रदेश के कुदा राघवेन्द को रजत पदक और तेलंगाना के राठौड़ कार्तिक को कांस्य पदक मिला है। बालक वर्ग 200 मीटर दौड़ में तमिलनाडु के इन्बा तमिलन को स्वर्ण पदक, तेलंगाना के गुडल को रजत पदक और उत्तर प्रदेश के अर्णव सिंह को कांस्य पदक मिला।

एक नजर

शहर में जलवा बिखेरेगी सोहराय की कलाकृतियां

रामगढ़ । शहर प्रतिनिधि । नगर परिषद और छावनी परिषद क्षेत्र रामगढ़ के सौंदर्यीकरण को लेकर विशेष पहल की गई है। इसके तहत विभिन्न स्थानों में झारखंडी कलाकृति, सोहराय, समान्य कलाकृति से दीवार चित्रकारी की जाएगी। ऐसे यह योजना तो एक है। लेकिन मुख्य तौर पर इसके कई फायदे को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। मुख्य उद्देश्य पूरे शहरी क्षेत्र में झारखंडी सांस्कृति से आमलोगों को अवगत कराने के साथ स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। योजना के क्रियान्वयन से स्थानीय कलाकृतियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे विलुप्त हो रही कलाकृति को एक बार फिर से जान आएगी। साथ ही सोहराय कलाकृति शहर के सौंदर्यीकरण में सहायक होगा। इसका सफलता पूर्वक क्रियान्वयन समाहरणालय कैंपस में हो चुका है।

उत्क्रमित प्लस टू विद्यालय भुरकुंडा में ताला तोड़ कर हजारों की चोरी

गिद्दी। डाड़ी प्रखंड के उत्क्रमित प्लस टू विद्यालय भुरकुंडा में विगत रात में चोरों ने छह ताला तोड़ कर हजारों रुपए की सामान की चोरी कर लिया है। साथ ही चोरों ने विद्यालय के सामानों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश कुमार ने इसकी लिखित सूचना मांडू थाना पुलिस को दिया है। जिसमें विद्यालय के कार्यालय, आईसीटी लैब, रसोइ घर, पुस्तकालय और प्रयोगशाला के ताला तोड़ कर एक हजार नकद रुपए, एक पंखा, एक माइक, विद्यालय के सभी कमरों के ताला का चाबी, पेन ड्राइव, 2 हेडफोन, एक बड़ा बैट्रा, 6 बैट्री चोरों के चोरी किए जाने और सभी कमरा के आलमीरा और उसमें रखे गए कागजात क्षतिग्रस्त कर देने की बात कही है। प्रधानाध्यापक ने बताया इसके पहले भी चोरों ने उक्त विद्यालय में घुस कर चोरी करने के साथ काफी सामानों को क्षतिग्रस्त किया था।

भारत प्राचीन काल से युवाओं का देश रहा : नितेश कुमार

रामगढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, रामगढ़ कॉलेज इकाई के तरफ से रामगढ़ महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस सह स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता, देवी सरस्वती और युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए रामगढ़ नगर मंत्री नितेश कुमार मोदी ने विवेकानंद की वृतांत यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि भारत प्राचीन काल से युवाओं का देश रहा है। स्वामी विवेकानंद ने युवा संन्यासी के रूप में मानव, मानवता और राष्ट्रीयता के लिए योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि युवा जिस ओर चलता है, जवानी उसी ओर चलती है।

मकर संक्रांति पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

मां छिन्नमस्तिके का दर्शन कर लिया आशीर्वाद

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
मकर संक्रांति के मौके पर मंगलवार को रजरप्पा स्थित दामोदर और भैरवी नदी के संगम स्थल में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धांलुओं ने माता छिन्नमस्तिके का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मकर संक्रांति को लेकर मंगलवार की अहले सुबह से श्रद्धालुओं का मंदिर आना शुरू हो गया था। रजरप्पा आसपास के गांवों से हजारों लोग रजरप्पा पहुंचे और मेले का आनंद उठाया। मेला परिसर लोगों की भीड़ से खचाखच पटा हुआ था। मेला परिसर में झूला, वूगी वूगी डांस, खिलौने की दुकानें सजी हुई थी। इसके अलावा मेला परिसर में लोगों के मनोरंजन और जरूरत की समान की दुकानें लगी थी। इन दुकानों में लोगों ने जमकर खरीदारी की। भीड़भाड़ को लेकर रजरप्पा पुलिस ने खास इंतजाम किया था। लगभग एक किमी पूर्व ही बैरियर लगाकर रोक दिया गया। चार पहिया वाहन के लिए अलग पड़ाव बनाया गया था। मंदिर के पुजारी लोकेश पंडा का कहना है कि मकर संक्रांति के मौके पर यहां हर साल इसी तरह की भीड़ जुटती है. पुजारी छोटू पंडा कहते हैं कि दामोदर - भैरवी नदी के संगम में नहाने और रजरप्पा मंदिर में पूजा करने से हर मनोकामना पूरी होती है।

यूथ विंग ने गौशाला में मनाया मकर संक्रांति पर्व

हजारीबाग। गौमाता की सेवा और भक्तिमय माहौल में हजारीबाग यूथ विंग ने कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी द्वारा संचालित हजारीबाग गौशाला में मकर संक्रांति पर्व को हर्षोल्लास और परंपरागत तरीके से मनाया। इस अवसर पर सबसे पहले गौमाता की सेवा की गई। भक्तिमय माहौल में सदस्यों ने गौशाला परिसर में गौसेवा में योगदान दिया। हर साल की तरह इस बार भी गौशाला के कर्मठ कर्मचारियों के बीच तिलकुट, चूड़ा, मोरी लड्डू और गुड़ से बने विभिन्न व्यंजनों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन की माता सुधा रानी जैन उपस्थित रहीं। संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मकर संक्रांति जैसे पवित्र पर्व को

मनाने के साथ-साथ गौसेवा की भावना को प्रोत्साहित करना और समाज में इसका संदेश प्रसारित करना है। गौसेवा में सुधा रानी जैन संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन,सहसचिव डॉक्टर बी. वेंकटेश, कोषाध्यक्ष रितेश खण्डेलवाल, कार्यकारिणी सदस्य विकास तिवारी, शम्पा बाला,उदित तिवारी,प्रणीत जैन, सिद्धार्थ कुमार उर्फ सिद्धू, पन्ना लाल लुहाड़िया, शोभा लुहाड़िया, बीना छाबड़ा, निर्मल जैन,लता गंगवाल, राजू खण्डेलवाल, सागर खण्डेलवाल, इशिका खंडेलवाल, प्रदीप छाबड़ा समेत कई लोग उपस्थित रहे।

कोयला व्यवसायी पर गोली चलाने वाला अपराधी गिरफ्तार

अनुसंधान में उपलब्ध ठोस साक्ष्य के आधार पर इस काण्ड में शामिल पाये गये अपराधकर्मी विक्रम कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया गया है

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
विगत 5 जनवरी 2025 को कुज्जू ट्रांसपोर्ट नगर में कुख्यात अपराधकर्मी राहुल दुबे द्वारा रंगदारी वसुलने एवं व्यवसाईयों के बीच खौफ एवं दहशत का माहौल बनाने के उद्देश्य से अपने गिरोह के अपराधकर्मियों द्वारा कोयला व्यवसाई अनिल कुमार केशरी पर जानलेवा हमला कर गोली मारने की घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना के संबंध में मांडू (कुज्जू) थाना काण्ड सं0-08/25, दिनांक-06.01.25, धारा-126 (2)/109/ 118 (2)/119(1)/ 111/ 333/ 308(4)/ 61(2)/3 (5) बीएनएस एवं 25(6)/25 (8)/27(2) आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार द्वारा 6 जनवरी को स्वयं घटनास्थल का भ्रमण कर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़, अंचल निरीक्षक मांडू एवं ओपी प्रभारी कुज्जू को काण्ड का त्वरित गति से अनुसंधान करते हुए काण्ड का उदभेदन करने का निर्देश दिया गया था। इस संबंध में जानकारी मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अजय कुमार द्वारा प्रेस वार्ता में दी गई। प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कांड का त्वरित गति से अनुसंधान के क्रम में यह पाया गया है कि घटना के दिन विक्रम कुमार शर्मा उर्फ नेपाली उर्फ टुटुल, पिता- योगेश्वर शर्मा, ग्राम बाजार टांड़ कुज्जू, थाना-माण्डू (कुज्जू), जिला-रामगढ़ द्वारा घटना के दिन कुख्यात अपराधकर्मी जयशंकर दुबे उर्फ राहुल दुबे गिरोह के दो अपराधकर्मियों को कोयला व्यवसायी अनिल कुमार केशरी के ऑफिस का रेकी कराने तथा ऑफिस दिखाने एवं अनिल कुमार केशरी पर गोली चलवाने में सक्रिय रूप से सहयोग किया गया। बताया कि कांड के अनुसंधान दौरान विक्रम कुमार शर्मा का कुख्यात अपराधकर्मी एवं इस काण्ड के प्राथमिकी अभियुक्त जय शंकर दुबे उर्फ राहुल दुबे तथा उसके गिरोह के इस घटना में शामील अपराधकर्मियों को सहयोग करने में सक्रिय भूमिका रही है। अनुसंधान में उपलब्ध ठोस साक्ष्य के आधार पर इस काण्ड में शामिल पाये गये अपराधकर्मी विक्रम कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। अन्य अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है तथा अनुसंधान जारी है।

गोला में बिरहोरों के बीच डीसी ने किया गर्म वस्त्र व खाद्य सामग्री का वितरण

गोला। रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार ने सोमवार को गोला प्रखंड के साड़म पंचायत के मसरीडीह स्थित बिरहोर बस्ती का दौरा किया। इसमें बीडीओ डॉ सुधा वर्मा, कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी बजरंग महतो व मुखिया किरण देवी मौजूद थे। डीसी ने बिरहोर समुदाय के लोगों को मिलने वाली सरकारी योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान बिरहोर समुदाय के लोगों ने बताया कि मसरीडीह जंगल के निकट आबाद है। जिसके कारण गांव में जंगली हाथियों का उत्पात अक्सर होते रहता है। हाथियों को भागाने के लिए संसाधन नहीं रहने के कारण हाथी गांव में भारी नुकसान पहुंचाते रहते हैं। बिरहोर समुदाय के लोगों ने डीसी को यह भी बताया कि जीविकोपार्जन का एकमात्र साधन जंगल से पेड़ों की छाल लाकर रस्सी तैयार करना और उसे बाजार में बेचना है। कई बिरहोरों ने जर्जर मकान को दिखाते हुए आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की।

न्यूज बॉक्स

बैडमिंटन टूर्नामेंट में विवि के प्रबंधन विभाग की छात्रा उपविजेता रही

रामगढ़। रामगढ़ जिला बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट सत्र 2024-25 मे राधा गोविंद विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के एमबीए (2023-25)की छात्रा खुशी आनंद उपविजेता रही। कोच अकाश झा ने उसे प्रशिक्षण दिया था ।यह टटूर्नामेंट दामोदर इंडोर बैडमिंटन हॉल मे आयोजित की गयी थी। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने छात्रा को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य कामना की। विश्वविद्यालय के सचिव प्रियंका कुमारी, प्रति कुलपति महोदया प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति के अजय कुमार, विभाग के व्याख्यातगण डॉ० प्रशांत कुमार, मो० रिजवान नूरी और कुंदन कुमार ने छात्रा को बधाई दी।

सेवा सप्ताह के तीसरे दिन आरएसएस के स्वयंसेवकों ने किया वस्त्र वितरण

बरही । अपने सेवा सप्ताह के तीसरे दिन राष्ट्रीय स्वय सेवक संघ शाखा ने वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया. वितरण कार्यक्रम अंबेदकरनगर बाराटांड़ के बाल संस्कार केन्द्र के बच्चों के बीच आयोजित किया गया. साथ ही बच्चो को संस्कार और संस्कृति का पाठ भी पढ़ाया. मकर संक्रांति के महत्व की जानकारी देते हुए सनातन संस्कृति से बोध कराया गया. उक्त आयोजन में स्वयसेवक कुन्दन कुमार, डॉ बिनोद साव, राजेन्द्र प्रसाद, दीपक कुमार आदि स्वयंसेवक बंधुओं सहित अंबेदकरनगर के स्थानीय लोग शामिल हुए. वहीं पुराना सरकारी अस्पताल के पीछे स्थित शबरी नगर बाल संस्कार केन्द्र के बच्चों के बीच भी राष्ट्र सेविका समिति के कशिश केशरी एवं सुषमा तिवारी द्वारा नए वस्त्र दिए गए. विवेकानंद संयुक्त विद्यार्थी शाखा रसोईया धमना के स्वयंसेवक ईन्द्रदेव गुप्ता एवं नितेश कुमार ने पुरहारा बाल संस्कार केन्द्र के बच्चों के बीच पठन पाठन सामग्री वितरित करने का काम किया.

बरकट्ठा सूरज कुंड मेला में एक दिवसीय पतंग महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन

हजारीबाग। पर्यटन विभाग के तत्वाधान में मकर संक्रांति के अवसर पर सूरज कुंड मेला में एक दिवसीय पतंग महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी बरही जोहन टुडू के द्वारा किया गया। इस दौरान उपस्थित बच्चो के बीच 200 पतंग का वितरण किया गया। गौरतलब है कि पर्यटन विभाग द्वारा ए श्रेणी में नामित हजारीबाग के बरकट्ठा में सूरज कुंड परिसर पर हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर मेला तथा कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। मौके पर जिलापरिषद सदस्य अंचल अधिकारी बरकट्ठा,स्थानीय मुखिया डीएलटीएस आकाश दास एवं मेला समिति के सदस्य उपस्थित थे।

सूर्यकुंड मेला के पहले दिन ही दो महिलाओं की गले से चेन चोरी

बरकट्ठा। सूर्यकुंड मेला के पहले दिन ही गर्मजलकुंड के पास पूजा के दौरान दो महिला के सोने की चेन गले से चोरी हो जाने और उद्घाटन समारोह में पहुंचे बरकट्ठा सीओ का पॉकेट कटने का मामला प्रकाश में आया है। भुक्तभोगी महिला शारदा देवी पति बालदेव महतो और उनकी बहु रेखा देवी पति मनीष कुमार ग्राम प्रेमनगर, थाना चरही निवासी ने बताया कि गर्मकुंड में पूजा करने आए थे। इसी बीच किसी ने सोने की चैन काट ली। साथ ही रेखा देवी ने बताया कि हम अपने जीजा कारू पंडित शिलाडीह निवासी के घर आई थी। दोनों महिला के चैन कटने से रो रोकर बुरा हाल है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि एक अन्य महिला की भी जेवर की चोरी हुई है। महिला रोते रोते बिना पूजा किए गर्म कुंड से बाहर निकल गई। इस बाबत में भुक्तभोगियों ने थानाप्रभारी सोनू कुमार को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी हुई हैं। सीसीटीवी फुटेज निकाल ली गई है। उक्त महिला का चेहरा कैमरा में कैद हो गया है। पकड़ने का प्रयास जारी है। मेले में आने वाले दर्शक से अपील करते हुए कहा कि महिला सोने की चैन आदि महंगे वस्तु पहनने वाले स्वयं विशेष ध्यान रखें। साथ ही कहा समान कि रक्षा स्वयं करें।

विधायक ने मकर संक्रांति के अवसर पर दही चूड़ा सह मिलन समारोह का किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा
भाजपा विधायक अमित कुमार यादव के द्वारा भाजपा कार्यालय बरकट्ठा में चूड़ा दही सह मिलन समारोह का आयोजन मकर संक्रांति के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे और चूड़ा दही का आनंद लिया। इस मौके विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर प्रत्येक वर्ष चूड़ा दही सह मिलन समारोह का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर उन्होंने अतिथियों को स्वयं चूड़ा, दही, तिलकुट व सब्जी खिलाकर उनका स्वागत किया। मौके पर मंडल अध्यक्ष परमेश्वर साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष टूकलाल नायक,बिन्दु सोनी,रधुबीर प्रसाद सैकड़ों लोग शामिल थे।

युवा महोत्सव में विश्वविद्यालय का शानदार प्रदर्शन

सांस्कृतिक गतिविधियों में भी नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहें हैं : कुलपति

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग
38वां एआईयू ईस्ट जोन यूथ फेस्टिवल में परफॉर्मिंग आर्ट्स की सहायक प्राध्यापिका कुमारी सीमा व फाइन आर्ट्स के सहायक प्राध्यापक शिवदेव कुमार के नेतृत्व में भाग लेने आईसेक्ट विश्वविद्यालय के 28 प्रतिभागियों की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने बताया कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों का प्रदर्शन इस बार शानदार रहा। प्रभात फेरी में विश्वविद्यालय को दूसरा, वहीं रंगोली में निधि और कार्टूनिंग में कृष्ण कुमार दांगी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ, जबकि ऑन द स्पॉट पेंटिंग में कुमार कुशवाहा व कोलाज मेकिंग में मंजू कुमारी चौथे स्थान पर रहे। कुल मिलाकर इस बार विश्वविद्यालय के प्रतिभागी चार

पुरस्कार जीतने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय की ओर से यह दूसरी बार था, जब यूथ फेस्टिवल में यहां के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं कुलपति प्रो पीके नायक प्रतिभागियों के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पुरस्कार तो एक पैमाना है लेकिन जिस तरह हमारे विद्यार्थियों ने यूथ फेस्टिवल को लेकर मेहनत की है, इसका सकारात्मक असर आने वाले यूथ फेस्टिवल जैसे बड़े कार्यक्रम में देखने को मिलेंगे और विश्वविद्यालय के विद्यार्थी नई-नई बुलंदियां हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हमेशा विद्यार्थियों के समावेशी विकास पर बल देता रहा है, नतीजतन हमारे विद्यार्थी शिक्षण कार्य के साथ साथ खेल-कूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहें हैं।

इनरव्हील क्लब ने निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
इनरव्हील क्लब रामगढ़ द्वारा रामगढ़ स्थित गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में मंगलवार को आयरिश हॉस्पिटल के सौजन्य से निःशुल्क नेत्र जांच का आयोजन किया गया। शिविर में 100 लोगों के आंखों की जांच की गई। जांच कराने के लिए काफी संख्या लोग पहुंचे थे। लोगों का कहना था कि इस तरह के शिविर से काफी लोगों को लाभ पहुंचा है। इधर, इनरव्हील क्लब द्वारा बिजुलिया स्थित श्री जलाराम मंदिर के प्रांगण में लंगर सेवा का आयोजन किया गया । इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने लंगर ग्रहण किया। मौके पर नववलजीत कौर, अनुराधा श्रॉफ, श्वेता जैन, ममता अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, जसविंदर होरा, दीपा वडेरा,रेनू मेवाड़, जसमीत सोनी, जसप्रीत कौर,डॉ मनबीर कौर, राजेंद्र कालरा, ममता वसंत, सुरेंद्र कौर आदि मौजूद थे।

छोटानागपुर का विख्यात धार्मिक पर्यटन स्थल सूर्यकुंड में 15 दिवसीय मेला का हुआ शुभारंभ

सूर्यकुंड का जल्द ही होगा विकास : अन्नपूर्णा

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा
प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत छोटानागपुर का विख्यात धार्मिक पर्यटन स्थल सूर्यकुंड में 15 दिवसीय मेला का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। मेले को उद्घाटन महिला एवं बाल विकास मंत्री सह सांसद अन्नपूर्णा देवी, विधायक अमित कुमार यादव, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने नारियल फोड़कर व पूजा अर्चना कर किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सह सांसद अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि सूर्यकुंड का जल्द ही विकास किया जायेगा। यहां के विकास के लिए एक सशक्त कमेटी का बनना आवश्यक है। यहां के लोगों को इस धाम के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। ताकि साफ सफाई एवं अन्य वस्तुओं की देखभाल हो सके।विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि मकर संक्रांति काफी शुभ दिन है ।मुझे इस मेला का उद्घाटन करने का अवसर मिला। सूर्यकुंड मेला का स्वरूप आज काफी बदला है। आगे चलकर यह और विकसित होगा। यह मुझे पूर्ण विश्वास है। विश्व के मानचित्र पर सूर्यकुंड का स्थान है। इसकी शोभा कैसे बरकरार रहे यह हमलोगों को देखना है। मेले में आने वाले पर्यटकों के लिए इस वर्ष खासा इंतजाम किया गया है.

सूर्यकुंड मेला में पर्यटकों का आना हुआ शुरू

मेले का मंगलवार को उद्घाटन होने के साथ ही पर्यटकों का आना जाना शुरू हो गया है। मकर संक्रांति के मौके पर 14 से 30 जनवरी तक सूर्यकुंड मेले का भव्य आयोजन किया जाता है. मेले में हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, रामगढ़ जिले के अलावे दूसरे प्रदेशों से भी प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग सपरिवार सूर्यकुंड पहुंचते हैं.

मेले का मुख्य आकर्षण

इस वर्ष सूर्यकुंड मेले में न्यू इंडिया थियेटर, मारुती मौत का कुंआ, ब्रेक डांस, झूला, टोरा-टोरा, ड्रेगन झूला, रसियन टावर झूला, बुगी-बुगी चित्रहार, विज्ञान कला, मीना बाजार आकर्षण का केंद्र होगा. वहीं घरेलू उपयोग में आने वाले लोहे, पत्थर, लकड़ी से बने सभी प्रकार के घरेलु सामानों की दुकानें लगायी गई है। मंदिर परिसर में विभिन्न प्रकार के देवी-देवताओं की प्रतिमा, पूजा में उपयोग आने वाले प्रसाद व अन्य सामग्रियों की दुकानें लगायी गयी है.

पंचायत में हुए अबुआ आवास और मनरेगा के कार्यों की मांगी सूचना

रामगढ़। समाजसेवी सह आरटीआई कार्यकर्ता विशाल कुमार मालाकार ने सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत बीडीओ मांडू से सूचना मांगी है। उन्होंने जन सूचना अधिकारी सह मांडू बीडीओ से बड़गांव और नावाडीह पंचायत में हुए और हो रहे अबुआ आवास और मनरेगा निर्माण से संबंधित सूचना उपलब्ध कराने की अपील की है। जिसमें दोनों पंचायत में 2021 से 2025 तक का अबुआ आवास निर्माण में लाभुकों का नाम एवं पति का नाम के साथ वर्क कोड की सूची, कार्य निर्माण एवं स्टीमिट, अबुआ आवास प्रगति कार्य का फोटो, सरकार से दिए गए आवास को एक परिवार में दोहरा आवास का लाभ लेने वाले व्यक्तियों पर विभागिय कार्रवाई आदेश की छायाप्रति, उन कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यपालक अभियंता का नाम जिन्होंने कार्यो का निरीक्षण कर राशि भुगतान की स्वीकृति दी की सूचना मांगी है।

बांसजोर में गरीबों से कोसों दूर आवास योजना

खुले आसमान के नीचे बिरसमुनी का परिवार, देखने वाला कोई नहीं

नवीन मेल संवाददाता

बासजोर। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना हो या झारखण्ड सरकार की अबुआ आवास योजना दोनों ही महत्वकांक्षी योजनाओं का उद्देश्य है की गरीब एवं जरूरतमंद परिवार को पक्के मकान उपलब्ध कराया जाए हालांकि कई बार प्रशासन की अनदेखी एवं जनप्रतिनिधियों की उदासीन रवैया के कारण जरूरतमंद एवं गरीब परिवार को इस योजना का लाभ नहीं मिल पाता है। मामला सिमडेगा जिले के बांसजोर प्रखंड अंतर्गत तरगा पंचायत के कुलामारा गांव के दामोदर प्रधान के परिवार की है जो टूटे हुए घर में अत्यंत दयनीय स्थिति में रहने को विवश हैं। दरअसल कुछ महीनों पूर्व हाथियों ने दामोदर प्रधान के घर को ध्वस्त कर दिया जिसमें पूरा परिवार किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा था तब से आज तक परिवार टूटे हुए घर में किसी तरह रहने को विवश हैं। दामोदर की पत्नी बिरसमुनि देवी ने बताया की कई जनप्रतिनिधियों के आगे आवास देने की गुहार लगाई। कई जगह आवेदन भी दिए लेकिन आज तक कहीं सुनवाई नहीं हुई ना ही आवास मिला।

महाराष्ट्र में मजदूरी का काम करता है दामोदर

घर की हालत को देखते हुए दामोदर प्रधान पलायन कर मजदूरी के लिए महाराष्ट्र के पूना चला गया ताकि कुछ पैसों का इंतेज़ाम कर टूटे घर की मरम्मत की जा सके। घर के हालात के बारे में बिरसमुनी देवी ने बताया कि अपनी बूढ़ी सास पैरबा देवी, एक देवर एवं चार बच्चों के साथ टूटे हुए घर में रहने में काफ़ी कठिनाई होती है।

मुखिया ने कहा प्रतीक्षा सूची में नाम है

इस संबंध में तरगा पंचायत की मुखिया रोशनी कुल्लू से बात करने पर उन्होंने कहा कि दामोदर प्रधान का नाम प्रतीक्षा सूची में है। हमने सत्यता जांच करने के लिए प्रतीक्षा सूची देखनी चाही। परन्तु मुखिया ने कहा उनके पास सूची नहीं है।

संपन्न परिवारों को पहले मिलता है आवास योजना का लाभ

एक ओर भीषण ठण्ड वहीं दूसरी और टूटे दीवारों के गिरने कि संभावित खतरे एवं किसी अनहोनी की आशंका के कारण रात को नींद नहीं आती है। टूटी दिवार और लकड़ी के बल्लियों के सहारे टिके घर को दिखाते हुए बिरसमुनी देवी ने कहा कि संपन्न परिवारों को प्रधानमंत्री आवास या अबुआ आवास आसानी से मिल जाता है किन्तु जरूरतमंद परिवारों को इसका लाभ देने समय प्रशासन अपनी आंखे बंद कर लेती है। जहां जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन इन योजनाओं कि सफलता के बारे में प्रचार प्रसार करते हैं वहीं ऐसे गरीब जरूरतमंद परिवारों को आवास ना मिलना कई सवालिया निशान खड़ा करता है।

पीएम श्री स्कूल की श्रेणी में शामिल हुआ जलडेगा का एस.एस +2 उच्च विद्यालय

अब बाल वाटिका से लेकर कक्षा 12वीं तक ही होगी पढ़ाई

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। जलडेगा का एस.एस +2 उच्च विद्यालय का नाम पीएम श्री स्कूल की श्रेणी में आने से अब इस स्कूल का नाम बदल जाएगा। अब स्कूल के नाम के आगे पीएम श्री जुड़ जायेगा। यानी अब स्कूल का पूरा नाम "पीएम श्री एस एस+2 उच्च विद्यालय जलडेगा" होगा। जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक सोमनाथ उरांव ने बताया कि पीएम श्री स्कूल की श्रेणी में शामिल होने के बाद अब स्कूल में बाल वाटिका से लेकर कक्षा 12वीं तक ही पढ़ाई होगी। जिसका नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गया है। प्रधानाध्यापक ने जलडेगा प्रखंड के अभिभावकों से विद्यालय के कार्यालय अवधि में आकर अपने बच्चों का नामांकन पीएम श्री स्कूल में कराने का आग्रह किया है।

जानिए क्या है पीएम श्री स्कूल

केंद्र प्रायोजित योजना पीएम श्री (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) को 7 सितंबर, 2022 को मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार/राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार/स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों में से मौजूदा स्कूलों को सुदृढ़ करके 14500 से अधिक पीएम श्री स्कूल (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) स्थापित करने का प्रावधान है। इसका मुख्य उद्देश्य देश के स्कूली शिक्षा को मजबूत करना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। प्रधानमंत्री श्री स्कूल के मुख्य लक्ष्य हैं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देना,शिक्षकों के प्रशिक्षण और विकास को बढ़ावा देना। ,स्कूलों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना,शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बढ़ाना।प्रधानमंत्री श्री स्कूल के तहत, सरकार ने देश भर में 14,500 स्कूलों को चुना है, जिन्हें विशेष सहायता और संसाधन प्रदान किए जाएंगे। इन स्कूलों में से 7,500 स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों में और 7,000 स्कूल शहरी क्षेत्रों में होंगे।

हुरदा में मकर सक्रांति के मौके पर रथयात्रा का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखण्ड के हुरदा में मकर संक्रांति के रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा शिव मंदिर परिसर से पूजन के बाद बाजार टॉड, मरानी रोड होते हुए हुरदा के विभिन्न टोला होते हुए सम्पन हुई। रथ यात्रा में भक्त नाचते गाते गाँव भ्रमण में ग्रामीण भाग लिये। पंडित गोपाल दास के नेतृत्व में भक्ति पूर्वक पूजन के साथ नगर भ्रमण हुई ।जानकारी देते हुए समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष मकर संक्रांति के मौके पर यहां मेला का आयोजन किया जाता है इसके अलावा रथ यात्रा की जाती है जहां पर भगवान की विग्रह को रथ में बैठकर पूजन पाठ होता है।मौके पर दुर्योधन दास,फिटूग सिंह , राजेश बड़ाईक, घनश्याम सिंह ,आनन्द सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

सडक निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने वन प्रमंडल पदाधिकारी से की मुलाक़ात

नवीन मेल संवाददाता

बोलबा। बोलबा प्रखंड प्रखंड मुख्यालय से आलिंगुड़ कुंदूरमुंडा -टकबहाल उड़ीसा बॉर्डर तक अधूरे सडक निर्माण के मामले को लेकर ग्रामीणों की एक प्रतिनिधि मण्डल वन प्रमंडल पदाधिकारी सिमडेगा से किया मुलाकत. इस सम्बन्ध मे ग्रामीणों ने वन प्रमंडल पदाधिकारी से अधूरे सडक निर्माण को लेकर बीच मे आ रही वन विभाग की ओर से अड़चन के बारे बात- चीत किया गया। इस मौक़े पर वन प्रमंडल पदाधिकारी ने बताया कि वन विभाग कि ओर से एनओसी के लिए जो पेपर दिल्ली. भेजना था वह चला गया है।वहाँ एनओ सी लेकर सवेदक काम शुरू कर सकता है. वन विभाग कि ओर से अब कोई अड़चन नहीं है।इस मौक़े पर उप प्रमुख आमंत्रण मांझी ने बताया कि एक ओर जहाँ देश डिजिटल इण्डिया चल रहा है।लोग चाँद पर चले जा रहे है वहीं दूसरी ओर बोलबा प्रखंड मुख्यालय से उड़ीसा बॉर्डर को जोड़ने वाली बहुत ही महत्वपूर्ण सडक है. इस रोड पर पड़ने वाले बहुत से गाँव सडक सहित मुलभुत सुविधाओं से वंचित हो रहे है. बच्चों को स्कूल जाने -आने, मरीजों को अस्पताल ले जाने, लोगों को दैनिक जीवन मे आवश्यक सामग्री लाने, वनोपज के समानों को बेचने बाजार तक ले जाने आदि कई महत्वपूर्ण समस्याओ से ग्रामीण जूझ रहे है. इस मौक़े पर आमूस किड़ो एवं अन्य लोग मौजूद थे।

विधायक ने रोका फिर भी खेत की मिट्टी से बनाया जा रहा है रोड ग्रामीणों में नाराजगी

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग। सिमडेगा विधायक भुषण बाड़ा ने ग्रामीण के शिकायत पर कुरडेग प्रखण्ड मुख्यालय से गढ़ियाजोर छत्तीस गढ़ सीमा तक सड़क मरम्मती का काम बन्द करने का आदेश सड़क मरम्मती कार्य करा रहे मुंशी को दूरभाष के माध्यम से दिया। विधायक के आदेश का अवहेलना करते हुए सड़क में काम सुचारू रूप से जारी रहा गौरतलब हो प्रखण्ड मुख्यालय से गड़ियाजोर छत्तीस गढ़ सीमा तक सड़क मरम्मती का काम किया जा रहा है जिसमें सड़क के दोनो किनारों में मोरम मिट्टी की जगह साधारण खेत की मिटी डाली जा रही है। जिसमें ग्रामीणो ने आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे सड़क कमजोर हो जाएगी और फिसलन वाली मिटटी होने से खासकर बरसात के दिनों में सड़क दुर्घटना की आशंका है । मिट्टी की जगह सड़क के दोनो किनारो में मोरम मिट्टी डालने की मांग ग्रामीणों ने विधायक से की थी । इस मामले को संज्ञान में लेते हुए विधायक ने मुंशी को काम बन्द करने का आदेश दिया था ।साथ ही मिट्टी हटाकर मोरम डालने को कहा था । काम को फाइनल करने के लिए सड़क पर सफेद पट्टी लगाने का काम जारी है । वहीं मुंशी ने कहा कि कुरडेग में मोरम मिट्टी नहीं मिलने पर साधारण मिट्टी डाला जा रहा है। विधायक श्री बाड़ा ने ग्रामीणों को आश्वसन दिया कि विभागिय स्तर पर इसकी शिकायत की जाएगी । उन्होने कहा कि सड़क निर्माण हो या मरम्मती गुणवत्ता से कोई समझौता नही किया जाएगा । वहीं सड़क मरम्मती कार्य में सड़क के दोनो किनारो में खेत की मिट्टी डालने पर दैनिक समाचार पत्र में प्रमुखता से प्रकाशित किया था जिसे विभाग के लोग नजर अंदाज कर दिये जिससे संबेदक का मन बढ़ गया और मनमानी तरीके से सड़क किनारे खेत की मिट्टी डालने का काम जारी रखा।

न्यूज बॉक्स

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा में परिवहन विभाग की ओर से पतंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सिमडेगा। देश भर में चल रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सिमडेगा अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में परिवहन विभाग की ओर से पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम की शुरुआत जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार बखला एवं जिला मोटर या निरीक्षक प्रकाश रंजन के द्वारा किया गया ।कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चे शामिल हुए, जहां पर सभी लोगों को परिवहन विभाग की ओर से टी-शर्ट एवं टोपी दिया गया, जिसके बाद पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जहां पर पतंग में सड़क सुरक्षा संबंधित जागरूकता स्लोगन लिखे हुए थे ।मौके पर सभी लोगों को संबोधित करते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी सजंय कुमार बखला ने कहा कि लगातार 1 जनवरी 2025 से सड़क सुरक्षा माह जागरूकता कार्यक्रम के तहत कई कार्यक्रम चला जा रही है। इसी कड़ी में पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, मकर संक्रांति के मौके पर इस तरह का आयोजन कर सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना है। वहीं मौके पर उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने से दुर्घटना होती है ,इसीलिए सभी लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करनी चाहिए। उन्होंने कहा की दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर यानी की दुर्घटना से 1 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचने पर गुड सेमेरिटन को 2000 की पुरस्कार दी जाएगी। यदि दो सेमेरिटन को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचते हैं तो दोनों 2 हजार राशि दी जाएगी। इसके अलावा वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट और अपने साथ कागजातों को जरूर रखनी चाहिए, जिससे कि सड़क दुर्घटना ना हो सके। शराब का सेवन ना करें ,इससे दुर्घटना की अधिक संभावना होती है।

बोलबा प्रखंड के जतरा टोंगरी मे मनाया गया मकर संक्रांति

बोलबा। बोलबा प्रखंड के आलिंगड़ जतरा टोंगरी मे मनाया गया धूमधाम से मकर संक्रांति इस मौक़े पर. बताया गया की जतरा टोंगरी ओंकारेश्वर धाम अलिंगुड़ बोलबा में मकर सक्रांति मेला का आयोजन किया गया ।मेले का उद्घाटन थाना प्रभारी सोनू पाठक एवं मुखिया सूरजन बड़ाइक ने फीता काटकर किया । इस मौक़े पर सुरजन बड़ाइक ने कहा की मकर संक्रांति का त्योहार आपसी प्रेम और आत्मिक पवित्रता प्रदान करता है ।वही थाना प्रभारी सोनू पाठक ने कहा की भगवान का आशीर्वाद के साथ हम सभी शांति के साथ त्योहार को मना रहे है। इस मौक़े पर ओंकारेश्वर भगवान की पूजा अर्चना कर प्रारंभ की गई ।पुरोहित निलम्बर पंडा के द्वारा विधिवत रूप से पूजन कराया. गया । वही यजमान की भूमिका लखन सिंह एवं उनकी धर्म पत्नी ने निभाई। इसके बाद ओंकारेश्वर का पाइकी नाच के साथ परिक्रमा की गई। इसके बाद बहुत सारे वक्ताओं ने कार्यक्रम की सराहना की है ।विश्व हिन्दू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष टकबर सिंह ने उस्थित सभी लोगो को किया । कार्यक्रम में मुखिया बिनोद बड़ाइक, लोकेंद्र सिंह, गौरी शंकर सिंह,बसंत सिंह,रघु सिंह ,राजेंद्र सिंह ,अरुण सिंह आदि का सहयोग रहा।

टापूडेगा पंडरी पानी शिव मंदिर में मकर संक्रांति का मनाया गया त्यौहार

सिमडेगा। 14 जनवरी को मंगलवार को टापूडेगा पंडरीपानी शिव एवम बजरंग बली मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी ग्राम के श्रद्धालु मिल जुलकर कर मकर संक्रांति की त्योहार मनाया गया। सुबह से ही मंदिर में सभी श्रद्धालु ने पूजन कर एक दूसरे को शुभकामनाएं दी ।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बौद्धिक प्रमुख लहरू सिंह ,विहिप के महामंत्री कृष्णा शर्मा सह मंत्री सुबोध महतो उपस्थित हुए। सबसे पहले ओमकार एवम विजय महामंत्र से कार्यक्रम का शुरुआत करते हुए विषय मे प्रकाश डालते हुवे मकर संक्रांति का मतलब बताया गया। जैसे भगवन राम कृष्ण ने सम्यक क्रांति के द्वारा मानव समाज के लिए मार्गदर्शन किये ऐसी तरह हम सभी को सम्यक क्रांति लाते हूवे समाज हित मे कार्य करना चाहिए और जाति भेद को भुलाकर कर आपने समाज संस्कति एवम धर्म के लिए संगठित होकर सभी को मिलजुल काम करणा है ।इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से कुलदीप प्रसाद, जयप्रकश गुप्ता, देव मेहर रामलगन मेहर रविंद्र प्रसाद, सुकरा महतो, सुदेश महतो ,संन्तोष महतो, ललिया मेहर ,बलमती देवी, सुनीता देवी ,बिष्णु महतो ,रिखी मुनि देवी, अघनु बड़ाइक रेखा देवी सैकडों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

जलडेगा मे प्रेम भोज का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखण्ड के जलडेगा प्रखण्ड में प्रेम भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला परिषद बिरजो कंडुलना उपस्थित थे। कार्यक्रम में पंचायत के विभिन्न मंडली द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया ।मौके पर बिरजो कंडुलना ने कहा सामुहिक प्रेम भोज का आयोजन करने से गाँव गाँव मे आपसी सम्बंध बेहतर होते हैं। प्रभु ईसा मसीह ने कहा था कि पड़ोसी से प्रेम से प्रेम करो । कार्यक्रम में जिला परिषद बिरज़ो कंडुलना ने बृद्ध व जरूरत मंद लोगो के बीच कम्बल का वितरण किया गया।

मकर संक्रांति और स्वर्ण जयंती वर्ष का भव्य आयोजन जन जागरूकता अभियान के साथ हुआ कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जूनियर कैम्ब्रिज स्कूल, सिमडेगा ने अपने स्वर्ण जयंती वर्ष (1975-2025) और मकर संक्रांति के अवसर पर कोचेडेगा के बांसपहाड़ गांव में भव्य जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर 100 से अधिक बच्चों और अभिभावकों के बीच पुस्तकें वितरित की गईं ।कार्यक्रम की शुरुआत भजन और कीर्तन के साथ हुई, जहां स्थानीय संस्कृति और संस्कारों की झलक देखने को मिली। बच्चों और अभिभावकों ने पूरे जोश के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम में गणपति बड़ाइक, लखपति बड़ाइक, सुरेंद्र सिंह, राहुल कुमार, चंद्रनाथ बड़ाइक, चामीन महानंद, मनीषा कुमारी, सरिता कुमारी, दशमी देवी, विश्वनाथ सिंह ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने संस्कार, शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर बल दिया ।गणपति बड़ाइक ने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाया। लखपति बड़ाइक ने परिवार में संस्कार और अनुशासन की आवश्यकता पर जोर दिया। सुरेंद्र सिंह ने हंसने और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए "लाफिंग क्लब" की आदत को अपनाने की सलाह दी ।राहुल कुमार ने स्वास्थ्य और आत्मविकास के लिए सुबह जल्दी उठने और ताली बजाने के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि ताली बजाने से न केवल ऊर्जा का संचार होता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। भजन-कीर्तन और संस्कार से जुड़े अन्य कार्यक्रमों ने माहौल को और भी प्रेरणादायक बनाया। इस आयोजन ने बच्चों और अभिभावकों को न केवल शिक्षा के प्रति जागरूक किया, बल्कि उन्हें अपनी संस्कृति से भी जोड़ा। कार्यक्रम के अंत में सत्संग साईं मंदिर प्रबंधन समिति ने आयोजकों की सराहना की और भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने की बात कही।

कोलेबिरा के भंवरपहाड़गढ़ में मकर संक्रांति पर मेले का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड अवस्थित प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा पर्यटक स्थल भंवर पहाड़गढ़ में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के अवसर पर भगवान जगरनाथ स्वामी के मंदिर परिसर में श्रद्धालु की भीड़ उमड पड़ी ।जहां श्रद्धालुओं के द्वारा पूजन अर्चन कर मेले स्थल तक रथ खींचकर सुख समृद्धि व वैभव कामना की भंवर पहाड़ गढ़ के अमरनाथ सिंह ने कहा कि आजादी से कई एक वर्ष पहले मकर सक्रांति के दिन यहां शिकार खेला जाता था, लेकिन 1965 के बाद लोग यहां जीव हत्या ना कर बलभद्र के विग्रह को रथ में बिठाकर रथ खींचने की परंपरा की शुरुआत की। वही जगन्नाथ नाथ स्वामी मंदिर के पुरोहित मनोज पति बताते हैं इस दिन नई फसल का भोग लगाकर श्रद्धालु भगवान बलभद्र को रथ में बिठाकर रथ खींचते हुए कामना करते हैं हमेशा अन्न धन भंडार भरे रहे और परिवार में सुख समृद्धि की खुशहाली आए इसी को लेकर मकर सक्रांति के दिन कईएक वर्षों से यहां रथ खींचने की परंपरा है ।वही जगन्नाथ महाप्रभु को नए फसलों भोग लगाते हैं, वही मकर सक्रांति के दिन दूर-दूर से यहां श्रद्धालु अपनी मनोकामना के लिए आते हैं ।वही अवसर पर मेला का भी आयोजन किया गया जहां विभिन्न गांवों से आए कलाकारों ने पारंपरिक गीत संगीत व नृत्य पेश करते हुए मेले में आए श्रद्धालुओं का मन मोह लिया ।वही सांस्कृतिक धरोहर की अस्मिता को बचाए रखा अवसर पर कोलेबिरा विधायक नमन कोनगाड़ी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए वही मजदूर नेता राजेश सिंह व अमरनाथ सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मेले का विधिवत उद्घाटन किया अवसर पर सभी गणमान्य लोगों के द्वारा मकर सक्रांति की शुभकामनाएं दी। अवसर पर उन्होंने इस तरह का पारंपरिक सांस्कृतिक आयोजन पूर्वजों की धरोहर है। जिसे हमें बचाने की जरूरत है वही मेले में कार्यक्रम के आयोजन को सफल बनाने के लिए मुख्य रूप से समिति के बंशीधर सिंह कृष्णा सिंह अभिमन्यु सिंह तपेश्वर सिंह और गौरी सिंह के अलावे अन्य लोग शामिल थे वही मेले के विधि व्यवस्था को लेकर कोलेबिरा पुलिस व प्रखंड प्रशासन नजर आई।

पटेल समाज ने दनगद्दी में वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन

बोलबा। प्रखंड के पर्यटक स्थल दनगद्दी में जिला स्तरीय पटेल समाज का मिलन सह वन भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।साथ ही मकर संक्रांति पर्व को लेकर सबों ने एक दूसरे को बधाइयां दी । जिसके बाद समाज के लोगों ने एक महत्वपूर्ण बैठक करते हुए एक दूसरे से परिचय प्राप्त किया । बैठक की अध्यक्षता वीरेंद्र मंडल के द्वारा किया गया ।बैठक में समाज को किस तरह ऊपर की ओर ले जाना है एवं बच्चों की पढ़ाई , अनुशासन, शिष्टाचार अच्छे से करने में सहयोग करें। साथ ही जिला मुख्यालय में एक भव्य पटेल भवन एवं पटेल चौक का नवनिर्माण को लेकर विशेष चर्चा की गई ।वही शिव चर्चा का भी आयोजन किया गया ।शिव चर्चा वाचक वीरेंद्र कुमार ने सबों को शिव चर्चा में आकर अपना समय देकर भगवान शिव की चरण में समर्पित होकर भगवान की अपार महिमा के बारे वर्णन किया। इसके बाद तमाम लोगों ने मकर संक्रांति के इस उपलक्ष में सुबह में दही चुडा, तिलकुट एवं दोपहर में शुद्ध स्वादिष्ट शाकाहारी भोजन का आनंद भी उठाया।

पहाड़गढ़ में गरीब असहाय लोगों के बीच किया गया कंबल वितरण

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। मकर संक्रांति के मौके पर मंगलवार को मजदूर नेता राजेश सिंह के पहल पर भारत फ्रूट्स एवं वेजिटेबल्स कंपनी के प्रोपराइटर समाजसेवी भरत प्रसाद की ओर से कोलेबिरा के भंवरपहाड़ गढ़ में गरीब असहाय वृद्ध महिला एवं पुरुष लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत में पहुंचने पर ग्रामीणों के द्वारा उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया ,जिसके बाद राजेश सिंह एवं भरत प्रसाद के द्वारा रण बहादुर सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित की ,जिसके बाद दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत किया। वहीं इस मौके पर 60 गरीब असहाय वृद्ध महिला एवं पुरुष लोगों के बीच कंबल का वितरण किया ।मौके पर भरत प्रसाद ने कहा कि मकर संक्रांति के मौके पर बढ़ती ठंड को देखते हुए लोगों के बीच कंबल उपलब्ध कराया है ,उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि कोई भी गरीब असहाय ठंड की वजह से परेशान ना रहे, और इसी सोच को आगे बढ़ते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया वहीं मजदूर नेता ने कहा कि आने वाले दिनों में अलग-अलग जगह पर भी भ्रमण करते हुए इस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि किसी भी असहाय को परेशानी ना हो सके। इस मौके पर सभी लोगों के बीच भरत प्रसाद की ओर से तिलकुट का भी वितरण किया एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी ।मौके पर उन्होंने और भवँर पहाड़गढ़ में आयोजित संक्रांति के मौके पर मेले में पहुंचकर भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में रथ खींचा जिसके बाद मंदिर में दर्शन करते हुए लोगो की सुख समृद्धि की कामना की।

वन विभाग और पुलिस की कार्रवाई पर पूर्व विधायक ने उठाए सवाल, कहा

आदिवासियों को किया जा रहा टारगेट

वन विभाग और पुलिस को जंगली जानवरों की हत्या कर उसे बेचने वालों को पकड़ना चाहिए

नवीन मेल संवाददाता। गावां, गिरिडीह

पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने एक प्रेसवार्ता कर वन विभाग और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि इनदिनों अल्पसंख्यक के बाद आदिवासियों को टारगेट किया जा रहा है। कहा कि जिस युवक को नील गाय की हत्या और मांस बरामद के आरोप में पकड़ा गया है, वन विभाग उसे बगैर पूरा जांच किए ही जेल भेज दिया है। कहा कि असामाजिक तत्वों के द्वारा पहले उसे पकड़ा गया और पुलिस के मौजूदगी में मारपीट किया गया है। इससे यह मॉब लिंचिंग का प्रयास हुआ है। कहा कि मामला बिगड़ने के बाद पुलिस ने हस्तक्षेप किया है। पुलिस को इसकी जांच कर असमाजिक तत्वों पर कार्रवाई करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अबुआ सरकार में आदिवासियों के समरस्ता और परंपरा को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है। इनकी जल-जंगल और जमीन छीनी जा रही है। लेकिन इस ओर प्रशासन का ध्यान नहीं जा रहा है। कहा कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों में दिन के उजाले में अवैध माइका और बेरल पत्थर का उत्खनन हो रहा है। लेकिन वन विभाग और पुलिस इसपर कार्रवाई के बजाय आदिवासियों को टारगेट किया जा रहा है जो कहीं से उचित नहीं है। कहा कि मांस पकड़े जाने के आरोप में जेल गया रमेश हांसदा कहीं से दोषी नहीं है। वह पैसा देकर मांस खरीदा है। वन विभाग और पुलिस को जंगली जानवरों की हत्या कर उसे बेचने वालों को पकड़ना चाहिए। कहा कि इस तरह के आदिवासियों पर हमला कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 17 जनवरी के बाद आदिवासी संघर्ष मोर्चा के बैनर तले इसके खिलाफ जनांदोलन को तेज किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने 16 जनवरी को बगोदर में आयोजित महेंद्र सिंह के शहादत दिवस को सफल बनाने की अपील की है।

मकर संक्रांति पर नदी घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी सूर्य भगवान से लिया आशीर्वाद

नवीन मेल संवाददाता। बोकारो/जामताड़ा

आज देशभर में मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जा रहा है. इसका एक अलग महत्व भी है. सूरज के उत्तरायण होने पर इस पर्व को मनाया जाता है. इस दिन सुबह-सुबह स्नान का एक अलग महत्व है. बोकारो के दामोदर नदी घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली. लोग यहां परिवार के साथ सुबह-सुबह स्नान करने पहुंचे. लोगों का मानना है कि आज के दिन स्नान, दान करने से सभी पाप कट जाता है और पुण्य की प्राप्ति होती है. आज के दिन स्नान करने के बाद गुड़ और तिल खाने की परंपरा है, जिसे लोग दान भी करते हैं. मकर संक्रांति के दिन किसी भी नदी में लोग स्नान करते हैं तो उसे गंगा स्नान का नाम दिया जाता है. द्वापरयुग में कुरुक्षेत्र में अर्जुन के बाण से गंगा पुत्र भीष्म पितामह घायल हो गए थे. उसके बाद उन्होंने आज ही के दिन अपने प्राण त्यागने का निर्णय लिया था. जैसे ही सूर्य उत्तरायण होता है वैसे ही पितामह अपने प्राण त्याग देते हैं. इसलिए मकर संक्राति के पर्व को कुछ जगहों पर उत्तरायण भी कहा जाता है. इस दिन गंगा स्नान, व्रत कथा, दान और भगवान सूर्यदेव की उपासना करने का विशेष महत्व है. इस दिन किया गया दान अक्षय फलदायी होता है. शनि देव के लिए प्रकाश का दान करना भी बहुत शुभ होता है. जामताड़ा में भी मकर संक्रांति का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है. इस मौके पर आज नदियों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई और मंदिरों में पूजा अर्चना की और दान किया. ऐसी मान्यता है कि आज के दिन दान पुण्य करने से ग्रह और पाप कटता है.

मांस ले जा रहे बाइक सवार को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

नवीन मेल संवाददाता। गावां गिरिडीह

गावां प्रखंड क्षेत्र स्थित ढिलुआ जंगल से नील गाय का मांस ले जा रहे एक बाइक सवार को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पकड़े गए युवक तिसरी के महादेवटांड निवासी रमेश हांसदा पिता सोमर हांसदा है। वह अपने बाइक पर ढिलुआ जंगल से रविवार की रात एक बोरा में भरकर नील गाय का लगभग 15 किलो मांस लेकर तिलैया-बंगालीबारा होते हुए तिसरी ले जा रहा था। जैसे ही वह बाइक लेकर मेन रोड़ पर पहुंचा तो इसकी भनक कुछ स्थानीय ग्रामीणों को लग गई। बाद में बोलेरो पर सवार होकर सभी उसका पीछा करने लगे। जिससे वह घबराकर चलती बाइक से मांस को चिहुटियां के पास सड़क किनारे फेंककर भाग निकले।बाद में बोलेरो सवार ग्रामीणों ने अमतरो पुल से पहले उसे खदेड़कर पकड़ लिया और कड़ाई से पूछताछ करने लगे। इसी बीच वहां से गुजर रही पेट्रोलिंग पुलिस ने बाइक के साथ मांस को जब्त कर लिया। बाद में इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कागजी प्रक्रिया के बाद मांस को बरामद कर लिया। साथ ही पकड़े गए व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वनपाल राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि वन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार रमेश हांसदा को जेल भेज दिया गया है। वहीं जब्त बाइक को कब्जे में लेकर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

डकैती कांड के चार अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

55 हजार नकदी समेत पांच मोबाइल और एक चाकू पुलिस ने किया बरामद

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह जिला के बिरनी थाना अंतर्गत बिराजपुर के कारोबारी सुरेश मोदी के घर डकैती की घटना को अंजाम देने वाले चार अपराधियों को गिरिडीह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास 55 हजार नगद रुपए के साथ दो बाइक, 5 मोबाइल और एक चाकू भी पुलिस ने बरामद किया है। इस बात की जानकारी एसपी डॉक्टर बिमल कुमार ने प्रेसवार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि सुरेश मोदी के घर दर्जन भर से अधिक अपराधियों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया गया था। सुरेश मोदी के फर्दबयान के आधार बिरनी थाना में कांड दर्ज किया गया। उक्त घटना के त्वरित उद्भेदन के लिए एसपी डॉ विमल के निर्देश पर एसडीपीओ बगोदर सरिया धनंजय राम के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। जिसमें सरिया इंस्पेक्टर ज्ञान रंजन, बिरनी थाना प्रभारी आकाश भारद्वाज ,सरिया थाना प्रभारी आलोक कुमार, बगोदर थाना प्रभारी, ओपी० प्रभारी भरकट्टा, पुअनि देवानन्द कुमार एवं तकनीकी शाखा की टीम शामिल थी।छापामारी के क्रम में 4 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जिसमें मो० मो हातिम, गुलजार अंसारी, हातिम और करण दास उर्फ दास बाबू को पकड़ा गया। वहीं गिरफ्तार अपराधियों के पास से घटना में प्रयोग किये गये 02 मोटरसाईकिल 05 मोबाईल फोन, 01 चाकु एवं नगद 55 हजार रुपए बरामद किया गया।

जंगल में तैयार की गई थी योजना

अपराधियों ने बताया कि घटना की तिथि से पूर्व वादी के मकान को इन लोगों के द्वारा रात में रेकी किया गया था और घटना की रात्री समय करीब 08:30 बजे सभी अपराधी घटनास्थल से करीब 1.5 कि०मी० पश्चिम दिशा में स्थित जंगल में पूरी योजना को तैयार कर रात्रि करीब 01:00 बजे वादी के घर पर पहुंचे और चारों तरफ देखरेख के लिये एवं पुलिस की गतिविधि की निगरानी के लिए अपने दो व्यक्तियों को लगाकर घर के पीछे बाड़ी की तरफ से बाड़ी में रखे बांस का सिढ़ी का प्रयोग करते हुये लॉन में गये तथा लॉन के दरवाजा को खोलकर सिढ़ी से निचे उतरे और घर के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति जिसका कमरा खुला हुआ था जिससे चोरी की घटना को अंजाम दिया।

श्रद्धाभाव से मना मकर संक्रांति का त्योहार

चक्रधरपुर। मकर संक्रांति का त्योहार मंगलवार को चक्रधरपुर आसपास क्षेत्र में श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया. इस अवसर पर लोगों ने मंदिरों में पूजा अर्चना व तिल-गुड़ के साथ दही-चूड़ा खाकर लोगों ने मकर संक्रांत पर दिन की शुरूआत की. लोगों ने मंगलवार प्रातःकाल स्नान कर मंदिर में पूजा अर्चना की, साथ ही दान पुण्य किया. कड़ी ठंड के बावजूद लोगों ने नदी-तालाब में आस्था की डुबकी लगायी. इस अवसर पर सुबह से ही मंदिरों में लोगों की भीड़ जुटने लगी थी. चक्रधरपुर के केरा मंदिर कंसरा, टाऊन काली मंदिर, श्मशान काली मंदिर, इतवारी बाजार शिव मंदिर, आई कॉलोनी शिव मंदिर में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए पहुंचे. वहीं पोड़ाहाट अनुमंडल की गोइलकेरा स्थित महादेवशाल धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा अर्चना के लिए जुटी थी. मकर संक्रांत के अवसर पर लोगों के घरों में तरह-तरह के पकवान बनाये गये थे.

गिरिडीह एसपी ने रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, दिए निर्देश

गिरिडीह। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने सोमवार की देर रात कई थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए।इस दौरान एसपी ने बरकट्टा ओपी, सरिया थाना, घोड़थम्बा ओपी, परसन ओपी, डुमरी थाना, देवरी थाना, बिरनी थाना, द्वारपहरी, गांडेय थाना, धनवार थाना, पचंबा थाना और कबरीडीह इलाके का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं नाईट पेट्रोलिंग का जायजा लिया। एसपी के देर रात निकलने की जानकारी मिलते ही पूरे जिले की पुलिस अलर्ट मोड पर आ गयी है और जांच अभियान तेज कर दिया। एसपी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था पर हमारी पैनी नजर है। लगातार जिले की सुरक्षा का जायजा लिया जा रहा है ताकि कानून और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

तातलोई गर्म जल कुंड में हजारों श्रद्धालु ने लगाई आस्था की डुबकी, खुशहाल जीवन की कामना की

दुमका। जिले के जामा प्रखंड मुख्यालय से करीब दस किलोमीटर दूरी पर स्थित प्राकृतिक छटा बिखेरते तातलोई गर्म जलकुंड में मकर संक्रांति पर साफा होड़ समुदाय के अलावा हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगा पूजा अर्चना कर परिवार के सदस्यों के लिए खुशहाल जीवन की कामना की। मेले में पहुंचे पाकुड़ जिले के साफा होड़ समुदाय के साफा होड़ अमीन मुर्मू और शिव नगर के धर्म गुरु बुधन हांसदा ने बताया कि आदिवासी समुदाय के लोग सरना धर्मावलंबी मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में मारांग बुरु बुढ़ा बूढ़ी, सिंग बोंगा सरना माता का पूजा अर्चना करते हैं। इस दौरान नौ प्रकार की लकड़ी जलाकर हवन-पूजन की जाती है और तुलसी पिंड लगाया जाता है। उसी तुलसी पिंड को भगवान शिव एवं राम मानकर पूजा अर्चना की जाती है एवं हवन पूजन के माध्यम से नव ग्रह से मुक्ति मिलती है। साथ ही बताया कि यह पूजा अर्चना आदिवासी समाज के साफा होड़ समुदाय के लोग करीब 1906-07 से करते आ रहे हैं।

श्री शिवनारायण मारवाड़ी कन्या मध्य पाठशाला अपर बाजार, रांची

आवश्यकता

दिनांक 26.12.2024 को विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक में सर्वसम्मति से लिये गये निर्णय के अनुसार श्री शिव नारायण मारवाड़ी कन्या मध्य पाठशाला, अपर बाजार रांची - 834001 में वर्ग 1 से 5 में सेवा निवृत्ति / त्यागपत्र के फलस्वरूप रिक्त हुए सरकार द्वारा स्वीकृत पद के विरूद्ध कुल 05 इंटर प्रशिक्षित, टी.टी.सी. दो वर्षीय (एन.सी.टी.ई) से मान्यता प्राप्त संस्थान से उत्तीर्ण सहायक आचार्य एवं कक्षा 06 हेतु 03 पद यथा भाषा (अंग्रेजी), सामाजिक विज्ञान (नागरिक) एवं गणित विषय में मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य की आवश्यकता है। सरकार द्वारा निर्धारित अहर्ता एवं योग्यताधारी सिर्फ महिला अभ्यर्थियों से सभी शैक्षणिक / प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्र के स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति एवं 500.00 (पाँच सौ रुपए मात्र. लौटाने योग्य नहीं) के डिमांड ड्राफ्ट जो श्री शिव नारायण मारवाड़ी कन्या मध्य पाठशाला, रांची के नाम से रांची में भुगतेय हो, के साथ दिनांक 25/01/2025 के अपराह्न 3.00 बजे तक निबंधित डाक के माध्यम से सचिव विद्यालय प्रबंध समिति के पद नाम से आवेदन प्राप्त किया जाएगा। बगैर डिमांड ड्राफ्ट के तथा उक्त तिथि एवं समय के बाद प्राप्त आवेदन अस्वीकृत किए जाएंगे। नियुक्ति हेतु सरकार द्वारा निर्धारित उम्र सीमा मान्य होगी।

कक्षा 1 से 5 तथा कक्षा 6 के लिए इंटर प्रशिक्षित/स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों की नियुक्ति सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान पीबीआई(5200-20200) ग्रेड पे 2400 सप्तम पुनरीक्षित वेतनमान के लेवल-04 पर की जाएगी। लिखित परीक्षा हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषय में 100 अंकों की तथा शिक्षण कौशल जाँच 50 अंकों की होगी। लिखित परीक्षा एवं शिक्षण कौशल जाँच में प्राप्तांक के आधार पर तैयार मेधा सूची के आलोक में विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा गठित चयन समिति द्वारा नियुक्ति की जाएगी। सहायक आचार्य पद के लिए लिखित परीक्षा दिनांक 09.02.2025 के पूर्वा 10:00 बजे श्री शिव नारायण मारवाड़ी कन्या मध्य पाठशाला गांधी चौक, अपर बाजार, राँची के विद्यालय भवन में होगी। अभ्यर्थी अपना सभी मूल शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्र के साथ परीक्षा में सम्मिलित होंगे। यात्रा भत्ता देय नहीं है।

इस विज्ञापन को बिना किसी पूर्व सूचना के रद्द करने का अधिकार सचिव विद्यालय प्रबंध समिति के पास सुरक्षित है तथा इस पर कोई कानूनी कार्रवाई मान्य नहीं होगा।

सचिव
श्री शिव ना.मा.क.म.पा., रांची

नूतनडीह गांव में परंपरा व संस्कृति से जुड़ी खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

नवीन मेल संवाददाता। जादूगोड़ा

मकर पर्व पर जादूगोड़ा स्थित नूतनडीह गांव में परंपरा व संस्कृति जुड़ी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. जिसका मकसद कार्यक्रम के जरिए ग्रामीणों को एकत्रित कर मकर पर्व की खुशहाली बांटना रहा. इस मौके पर आदिम निवासी जुआन अखाड़ा के निर्देशक सिद्धेश्वर सरदार, अखाड़ा के अध्यक्ष रामेश्वर सरदार समेत ग्राम प्रधान बृहस्पति सरदार की अगुवाई में हंडी फोड़, बम धमाका, चम्मच गोली रेस, मेढक रेस, बिस्कुट रेस, बैलून फोड़, दोना व पत्तल बनाना समेत दर्जनों प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं. कार्यक्रम के अंत में समारोह के मुख्य अतिथि सिद्धेश्वर सरदार ने श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया. रस्सी बनाना प्रतियोगिता में रोलडीह की ऊषा सरदार और हंडी फोड़ में आरती सरदार को प्रथम पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. इस मौके ओर मुख्य अतिथि सिदेश्वर सरदार ने कहा कि ऐसे आयोजनों से गांव के युवा राष्ट्रीय स्तर पर नूतनडीह गांव का नाम रौशन कर रहे हैं. गांव की सविता सरदार ने संथाल परगना में आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लेकर पूरे गांव का नाम रौशन किया.

मकर संक्रांति पर देवघर के बाबा मंदिर में भक्तों की लगी भीड़

भोलेनाथ पर चूड़ा-दही और तिल का लड्डू किया अर्पण

नवीन मेल संवाददाता। देवघर

मकर संक्रांति के मौके पर देवघर के बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ देखने को मिलती है. मकर संक्रांति के दिन देवघर के द्वादश ज्योतिर्लिंग पर दही, चुड़ा और तिल का लड्डू चढ़ाया जाता है. मंदिर के पुजारी बताते हैं कि मकर संक्रांति के बाद सभी शुभ कार्य की शुरूआत होती है. इसलिए बाबा मंदिर में मकर संक्रांति से लेकर बसंत पंचमी तक श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ देखने मिलती है. देवघर के बाबा मंदिर के पुजारियों ने कहा कि मकर संक्रांति की शुरूआत होते ही हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर आते हैं, लेकिन इस वर्ष महाकुंभ मेला होने के कारण पिछले वर्ष की तुलना में भीड़ थोड़ी कम है, क्योंकि कई श्रद्धालु कुंभ स्नान करने के लिये प्रयागराज पहुंच रहे हैं. मंदिर के पुजारियों ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के समय श्रद्धालु मंदिर में आकर अपने बेहतर भविष्य के लिए कामना ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर करते हैं. वहीं पंडा ने कहा कि देवघर के लोग शिवगंगा में स्नान कर भगवान भोलेनाथ का दर्शन करते हैं. इसलिए देवघर के शिवगंगा तालाब में भी लोगों की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं. मंदिर परिसर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने पर्याप्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की है. मंदिर परिसर के आसपास के चौक चौराहों जैसे, रंगामोड़, एस.एन झा चौक सहित अन्य चौक चौराहों पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए यातायात व पुलिस कर्मियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दे दिए गए हैं.

पूर्व विधायक के आवास पर दही-चूड़ा कार्यक्रम का आयोजन, कहा

सूर्यकुंड में विकास का नींव मैं अपने विधायकी कार्यकाल में ही रखा था

कार्यक्रम में उमड़ी भीड़, पूर्व विधायक ने फीता काटकर किया कार्यक्रम का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

झारखंड मुक्ति मोर्चा बरकट्ठा के द्वारा मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव के बरकट्ठा स्थित आवास पर दही-चूड़ा कार्यक्रम सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।वहीं पूर्व विधायक सह झामुमो नेता जानकी प्रसाद यादव ने विधिवत फीता काट कर विधिवत शुभारंभ किया। मिलन समारोह में बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के बरकट्ठा, चंदवारा, जयनगर, चलकुशा, चंदवारा, इचाक, टाटीझरिया, दारू प्रखंड़ सहित हजारीबाग और कोडरमा जिला के हजारों की संख्या में नेता, कार्यकर्ता समेत आम जन शामिल हुए। पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को दही-चूड़ा, गुड-तिलकुट और सब्जी अपने हाथों से परोसकर खिलाया। झामुमो नेता जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि मैंने जब से राजनीतिक जीवन में कदम रखा है, विधानसभा क्षेत्र बरकट्ठा में दही-चूड़ा का कार्यक्रम आयोजित करता रहा हूं। मैं वर्ष 1987 से अपने यहां मकर संक्रांति के अवसर पर विधानसभा क्षेत्र वासियों को निमंत्रण देता आ रहा हूँ और भारी संख्या में कार्यकर्ता, नेता व आमजन पहुंचते भी हैं। इस अवसर पर नव वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि सूर्यकुंड में विकास का नींव मैं अपने विधायकी कार्यकाल में ही रखा था। आज रुका हुआ है, बहुत ही अफसोस की बात है लेकिन राज्य में इंडिया गठबंधन की सरकार का नेतृत्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कर रहे हैं। मैं प्रयास करूंगा सूर्यकुंड सहित विधानसभा क्षेत्र का विकास तेज गति से हो।

नुआग्राम में आज भी चली आ रही मकर संक्रांति पर कीर्तन की परंपरा

जादूगोड़ा। पौष संक्रांति के दिन भक्त भगीरथ ने मां गंगा को मृत्युलोक में लाने के लिए तपस्या की थी, इसलिए मां गंगा का एक नाम भागीरथी भी है मां गंगा के स्पर्श से सागर वंश का उद्धार हुआ था, इसीलिए पौष संक्रांति पर गंगा स्नान का विशेष महत्व है. इस दिन सभी लोग गंगा स्नान करने के लिए नहीं जा पाते, इसलिए गांव के किसी नदी या तालाब में जाकर स्नान कर नये वस्त्र पहनते हैं और मकर कीर्तन करते हुए घर लौटते हैं. यह धार्मिक परंपरा आज भी पोटका के नुआग्राम में चली आ रही है. वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत पौष संक्रांति पर आज भी कीर्तन का आयोजन किया गया. गांव के लोगों ने नदी व तालाब में स्नान किया. इसके बाद सुनील कुमार डे के नेतृत्व में कीर्तन मंडली ने तालाब से मकर कीर्तन करते हुए पूरे गांव की परिक्रमा की. अंत में शिव मंदिर में परिक्रमा करते हुए लक्ष्मी मंदिर में कीर्तन का समापन हुआ. कीर्तन के पश्चात मकर चावल और तिल लड्डू प्रसाद के रूप में वितरण किया गया.

मंईयां सम्मान योजना में गड़बड़ियों को दूर करने के लिए सेल का गठन

बीडीओ ने बताया कि फॉर्म भरने के समय कुछ त्रुटियों की वजह से कुछ लाभुकों को इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा है

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

जिले में हजारों लाभुकों को मंईयां सम्मान योजना का लाभ नहीं मिल रहा है. योजना का लाभ लेने के लिए फॉर्म भरने में हुई गड़बडियों के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है. लाभुकों को योजना का लाभ दिलाने के लिए प्रशासन ने गंभीरता दिखाई है. इसके लिए बगोदर प्रखंड कार्यालय परिसर में शिकायत सेल का गठन किया गया है. लाभुकों को योजना का लाभ दिलाने के लिए प्रशासन ने गंभीरता दिखाई है. इसके लिए बगोदर प्रखंड कार्यालय परिसर में शिकायत सेल का गठन किया गया है. सेल में चार कर्मचारी मौजूद रहेंगे, जो मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के शिकायतों को सुनेंगे और उसका निष्पादन करेंगे. बीडीओ निशा कुमारी ने बगोदर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी साझा की है. बीडीओ ने बताया कि फॉर्म भरने के समय कुछ त्रुटियों की वजह से कुछ लाभुकों को इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा है. लोगों के द्वारा इस तरह की शिकायतें की जा रही है. उनकी शिकायतों को सुनने और निष्पादन करने का कार्य शिकायत सेल के कर्मियों के द्वारा किया जाएगा. उन्होंने बताया कि प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी रामचंद्र दांगी, लिपिक रोहित कुमार, कंम्प्यूटर ऑपरेटर गोबिंद प्रसाद वर्मा और कंम्प्यूटर ऑपरेटर संजीव कुमार सिंह को शिकायत सेल में प्रतिनियुक्त किया गया है.

वाट्सएप नंबर जारी : बीडीओ ने यह भी बताया कि मंईयां सम्मान योजना में गड़बड़ी को लेकर सेल में प्रतिनियुक्त कर्मियों के वाट्सएप नंबर जारी किए गए हैं. लाभुक जारी नंबर 7004044790, 8252798684, 9123496132 पर मैसेज कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिसका निष्पादन किया जाएगा.

संपादकीय

अव्यवस्था से दांव पर अंतरराष्ट्रीय साख

भारत में आध्यात्मिक जीवन शैली की ओर झुकाव तेजी से बढ़ा है और इसके बाद पारंपरिक के साथ विशेष धार्मिक स्थलों और उत्सवों में शामिल होने वाले लोगों की भीड़ बढ़ी है जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के आस्थावान लोगों की भीड़ भी है।अनेक अंतरराष्ट्रीय वीवीआईपी लोगों के कुंभ मेले में शामिल होने की सूचना है। ऐसे में भारत की साख दांव पर लगी है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2025 की शुरूआत उथल-पुथल भरी हुई है। तमाम दुखद घटनाओं के बीच में आंध्र प्रदेश में हिंदुओं के सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों में से एक तिरुपति मंदिर के पास हुई भगदड़ का समाचार भी शामिल है। भगवान श्री वेंकटेश्वर को समर्पित यह मंदिर तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी प्रसिद्ध है। देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु प्रतिवर्ष भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। वर्ष में दस दिन के लिए खुलने वाले मंदिर के वैकुंठ द्वार के दर्शन को श्रद्धालु काफी शुभ मानते हैं और उनका विश्वास है कि इससे उन्हें स्वर्ग के दैवीय द्वार की झलक मिलेगी। हाल में यहां भक्तों की भीड़ में मची भगदड़ में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई घायल भी हुए। यह हादसा तिरुमाला श्रीवारी बैकुंठ द्वार के टिकट काउंटर के नजदीक विष्णु निवासम के पास 'दर्शन' टोकन के वितरण के दौरान हुआ। बीते साल हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में करीब सवा सौ लोगों की मौत हुई थी और अनेक लोग घायल हुए थे। भारत में धार्मिक आयोजनों में खराब भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा चूक के कारण होने वाली घातक घटनाओं का एक गंभीर ट्रैक रिकॉर्ड है। अगस्त 2024 की वैश्विक कंसल्टिंग फर्म केपीएमजी और पंजाब हरियाणा दिल्ली चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक रिपोर्ट में बताया गया, भारत में 60 फीसदी से अधिक घरेलू यात्राएं धार्मिक उत्साह के कारण होती हैं। खासकर, कोरोना महामारी के बाद यात्रियों की संख्या में हुई उल्लेखनीय वृद्धि के साथ आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र में आ गया है। भारत साढ़े चार लाख से ज्यादा धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत स्थलों का घर है। जम्मू-कश्मीर स्थित वैष्णो देवी मंदिर में 32 से 40 हजार श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन करने के लिए आते हैं, जबकि कोविड से पहले प्रतिदिन दस से पंद्रह हजार यात्री प्रतिदिन आते थे। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने के लिए प्रतिदिन करीब एक लाख लोग आते हैं, जो महामारी के पहले की तुलना में काफी अधिक है। ठीक ऐसी ही स्थिति दक्षिण में केरल के गुरुवायूर मंदिर की है, जहां छह से सात हजार श्रद्धालु रोजाना पहुंचते हैं, जबकि महामारी से पहले यह संख्या चार हजार के करीब थी। उत्तर प्रदेश के मंदिर वाले शहरों की बढ़ती लोकप्रियता उनकी क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बना रही है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के पुनर्निर्माण और अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद से इन स्थलों पर, खासकर कोविड के बाद कहीं ज्यादा संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। वर्ष 2023 में अकेले काशी में दस करोड़ से ज्यादा यात्री आए। अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिदिन एक से डेढ़ लाख भक्त दर्शन करने के लिए आ रहे हैं। आप भले ही धार्मिक न हों, फिर भी आपको यह बात तो स्वीकार करनी होगी कि धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अहम योगदान देते हैं। भारत सरकार ने धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए कई बेहतरीन योजनाएं लागू की हैं। लेकिन मुख्य चुनौती किसी तीर्थ स्थल की भक्तों को धारण करने की क्षमता से जुड़ी है।

महाकुंभ की अनूठी परंपराएं

दिल्ली ब्यूरो

प्रयागराज में गंगा, यमुना, अदृश्य सरस्वती के संगम और उसके 12 किलोमीटर के दायरे में सोमवार 13 जनवरी 2025 से शुरू हुए महाकुंभ मेले में ठंड है, कोहरा है, बारिश की संभावना है। फिर भी, 12 डिग्री ठंड में लगभग डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई, जिनमें बहुतों ने 45 दिनी कल्पवास शुरू किया। कल्पवास के दौरान लोग टेंट में रहते हैं। जो गरीब हैं, वे प्लास्टिक तानकर या ओढ़ कर उसके नीचे सो जाते हैं। कल्पवासियों का स्नान, ध्यान, पूजा भोर होने के पहले से शुरू हो जाता है। सबसे अधिक श्रद्धालु भोर में उस समय डुबकी लगाएंगे, जब तारे आसमान में टिमटिमा रहे होंगे। जहां तक कुंभ और महाकुंभ मेले की उत्पत्ति का सवाल है, तो इसके बारे में कई मिथक प्रचलित हैं। इसकी उत्पत्ति के बारे में कई सिद्धांत हैं। कुछ लोगों का मानना है कि इस उत्सव का उल्लेख वेदों व पुराणों में मिलता है। कुछ का कहना है कि यह बमुश्किल दो शताब्दियों पहले शुरू हुआ। लेकिन आज, यह पृथ्वी पर कहीं भी देखी जाने वाली भक्तों की सबसे बड़ी सभाओं में से एक है।

कुंभ मेला क्या है और यह समय-समय पर चार शहरों में क्यों आयोजित किया जाता है? अर्धकुंभ और महाकुंभ क्या है? इस त्यौहार की उत्पत्ति क्या है और लाखों लोग इसमें क्यों शामिल होते हैं? हिंदू धर्म के बारे में कई सवालों के जवाब मिथकों, इतिहास और प्राचीन लोगों की स्थायी आस्था के मिश्रण में निहित हैं, जो नदियों जैसे मूर्त जीवनदाताओं के साथ-साथ अदृश्य देवताओं की उदारता पर भी उतना ही भरोसा करते हैं।

कुंभ की पौराणिक उत्पत्ति

संस्कृत शब्द कुंभ का अर्थ है घड़ा या बर्तन। कहानी यह है कि जब देवों (देवताओं) व असुरों (जिसका अनुवाद राक्षसों के रूप में किया जाता है) ने समुद्र मंथन किया, तो धन्वंतरि अमृत या अमरता के अमृत का घड़ा लेकर निकले। यह सुनिश्चित करने के लिए कि असुर इसे न पा सकें, इंद्र के पुत्र जयंत घड़ा लेकर भाग गए। सूर्य, उनके पुत्र शनि, बृहस्पति (ग्रह बृहस्पति) और चंद्रमा उनकी और घड़े की रक्षा करने के लिए साथ गए। जयंत के भागते समय अमृत चार स्थानों पर गिरा - हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक-त्र्यंबकेश्वर। जयंत घड़ा लेकर 12 दिनों तक भागते रहे और चूंकि देवताओं का एक दिन मनुष्यों के एक वर्ष के बराबर होता है, इसलिए सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति की सापेक्ष स्थिति के आधार पर हर 12 साल में इन स्थानों पर कुंभ मेला (पूर्ण कुंभ या महाकुंभ) मनाया जाता है। प्रयागराज और हरिद्वार में हर छह साल में अर्धकुंभ (अर्ध का अर्थ है आधा) भी होता है।

12 साल बाद आयोजित होने वाले उत्सव को पूर्ण कुंभ या महाकुंभ कहा जाता है। ये चारों स्थान नदियों के किनारे स्थित हैं - हरिद्वार में गंगा है, प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती का संगम या मिलन बिंदु है, उज्जैन में क्षिप्रा है और नासिक-

देश की बात

त्र्यंबकेश्वर में गोदावरी है। ऐसा माना जाता है कि कुंभ के दौरान इन नदियों में डुबकी लगाने से, आकाशीय पिंडों के विशिष्ट संरेखण के बीच, व्यक्ति के पाप धुल जाते हैं और पुण्य (आध्यात्मिक योग्यता) प्राप्त होती है। कुंभ मेले में साधु और अन्य पवित्र लोग भी एकत्रित होते हैं। साधु अखाड़े बहुत उत्सुकता बढ़ाते हैं और आम लोग उनसे मिल सकते हैं और उनसे सीख सकते हैं। जबकि, हिंदू धर्म में गंगा का महत्व सर्वविदित है। माना जाता है कि क्षिप्रा भगवान विष्णु के वराह (सूअर) अवतार के हृदय से निकली थी। गोदावरी को अक्सर दक्षिण की गंगा कहा जाता है।

कैसे तय होता है कुंभ मेले का स्थान

यह ज्योतिषीय गणना पर निर्भर करता है। कुंभ मेले में 12 साल के अंतराल का एक और कारण यह है कि बृहस्पति को सूर्य के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में 12 साल लगते हैं। कुंभ मेला वेबसाइट के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि या कुंभ राशि (जिसका प्रतीक जल वाहक है) में होता है, और सूर्य और चंद्रमा क्रमशः मेष और धनु राशि में होते हैं, तो कुंभ हरिद्वार में आयोजित किया जाता है। जब बृहस्पति वृषभ राशि में होता है, और सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में होते हैं (इस प्रकार, मकर संक्रांति भी इसी अवधि में होती है) तो कुंभ प्रयाग में आयोजित किया जाता है। जब बृहस्पति सिंह राशि में होता है, और सूर्य और चंद्रमा कर्क राशि में होते हैं, तो कुंभ नासिक और त्र्यंबकेश्वर में आयोजित किया जाता है, यही कारण है कि उन्हें सिंहस्थ कुंभ भी कहा जाता है।

कुंभ के इतिहास पर बहस

कई लोग कुंभ मेले की प्राचीनता के प्रमाण के रूप में स्कंद पुराण का हवाला देते हैं। अन्य लोग सातवीं शताब्दी में प्रयाग में एक मेले का वर्णन करने वाले चीनी तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग का उल्लेख करते हैं। बीएचयू के ज्योतिष विभाग के प्रमुख प्रो गिरिजा शंकर शास्त्री ने कहा, किसी भी शास्त्र में कुंभ मेले का उल्लेख निश्चित रूप से नहीं किया जा सकता है, जैसा कि हम आज जानते हैं। जबकि, समुद्र मंथन का वर्णन कई पुस्तकों में किया गया है, लेकिन चार स्थानों पर अमृत के छलकने का वर्णन नहीं किया गया है। कुंभ मेले की उत्पत्ति को समझाने के लिए स्कंद पुराण का व्यापक रूप से हवाला दिया जाता है, लेकिन पुराण के मौजूदा संस्करणों में वे संदर्भ नहीं बचे हैं।

गोरखपुर के गीता प्रेस द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक, जिसे महाकुंभ पर्व कहा जाता है, का दावा है कि ऋग्वेद में कुंभ मेले में भाग लेने के लाभों का उल्लेख करने वाले श्लोक हैं। कई लोगों का मानना है कि 8वीं शताब्दी के हिंदू दार्शनिक आदि शंकराचार्य ने इन चार आवधिक मेलों की स्थापना की थी, जहां हिंदू तपस्वी और विद्वान मिल सकते थे, चर्चा कर सकते थे और विचारों का प्रसार कर सकते थे, और आम लोगों का मार्गदर्शन कर सकते थे।

'कुंभ मेला, महानतम ब्रह्मांडीय मेले की तीर्थयात्रा' पुस्तक में दुबे ने मुगल काल से लेकर संन्यासी अखाड़ों द्वारा रखे गए अभिलेखों का हवाला देते हुए लिखा है, कुंभ मेला बारहवीं शताब्दी ई. के बाद कभी-कभी आयोजित किया जाने लगा। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई और विश्व इतिहास के एसोसिएट प्रोफेसर कामा मैकलीन ने लिखा है कि हालांकि ह्वेनसांग ने मेले का उल्लेख किया है, लेकिन यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं है कि वह कुंभ मेले का वर्णन कर रहे थे। उनका तर्क है कि माघ मेले (हिंदू महीने माघ में आयोजित होने वाला मेला) का एक प्राचीन स्नान उत्सव प्रयाग में आयोजित किया जाता था, जिसे शहर के पंडितों ने 1857 के विद्रोह के कुछ समय बाद 'कालातीत' कुंभ के रूप में पुनः ब्रांड किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंग्रेज इसमें हस्तक्षेप न करें। हालांकि, सभी इतिहासकार इस बात से सहमत नहीं हैं।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास के सेवानिवृत्त प्रोफेसर व सोसाइटी ऑफ पिल्ग्रिमेज स्टडीज के महासचिव प्रो डीपी दुबे ने कुंभ मेले के बारे में विस्तार से अध्ययन और लेखन किया है। वे लिखते हैं कि हरिद्वार में होने वाला मेला संभवतः पहला कुंभ मेला था, क्योंकि इस मेले के समय बृहस्पति कुंभ राशि में होते हैं। कुंभ की उत्पत्ति उत्तरी मैदानों की महान जीवन शक्ति के रूप में गंगा की पूजा से जुड़ी हुई है। पवित्र नदियों के तट पर मेले वास्तव में एक प्राचीन हिंदू परंपरा है। धीरे-धीरे, यात्रा करने वाले साधुओं ने पवित्र नदियों के तट पर चार कुंभ मेलों का विचार फैलाया, जहां आम आदमी के साथ-साथ संन्यासी भी इकट्ठा हो सकते थे। तीर्थयात्रा के अलावा, इस तरह की विशाल सभाएं प्रभाव और अनुयायी अर्जित करने का अवसर भी प्रदान करती हैं, दुबे ने अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में यह कहा है।

'कुंभ मेला, महानतम ब्रह्मांडीय मेले की तीर्थयात्रा' पुस्तक में दुबे ने मुगल काल से लेकर संन्यासी अखाड़ों द्वारा रखे गए अभिलेखों का हवाला देते हुए लिखा है, कुंभ मेला बारहवीं शताब्दी के बाद कभी-कभी आयोजित किया जाने लगा। इस धार्मिक उत्सव को आयोजित करने की परंपरा संभवतः भक्ति आंदोलन के उत्कर्ष के दौरान शुरू हुई, जो हिंदू संतों और सुधारकों की एक श्रृंखला द्वारा शुरू किए गए सामाजिक-धार्मिक सुधारों का एक आंदोलन था।

कुंभ में तीर्थयात्री क्या करते हैं? कुछ लोग पापों को धोने के लिए नदी में केवल एक बार स्नान करने आते हैं। कई जिन्हें कल्पवासी कहा जाता है, नदी के किनारे रुकते हैं, ताकि भौतिक संसाधनों को कमाने की दैनिक लड़ाई से ब्रेक लेकर आध्यात्मिक श्रेय कमा सकें। कई लोग यहां विभिन्न प्रकार के दान या वस्त्र आदि देते हैं। किसी भी बड़ी भीड़ के साथ व्यापार का मौका आता है, और मेला स्थानीय समुदायों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में भी काम करता है। ऐतिहासिक रूप से, मेला बाजारों में वेनिस के सिक्के और यूरोपीय खिलौने देखे जाने के रिकॉर्ड हैं। कुंभ पर्व एक ऐसा अवसर है जब आम आदमी सामूहिक रूप से पुण्य पाने के इच्छुक लोगों का समूह बनता है। कुछ दिन पवित्र स्नान के लिए विशेष रूप से शुभ होते हैं, जैसे मकर संक्रांति, वसंत पंचमी आदि। यहां घी व अन्य चीजों से भरा कुंभ दान करने से भी पुण्य मिलता है। भक्त पवित्र पुरुषों से मिल सकते हैं और धार्मिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर रहे राकेश पांडे का कहना है कि विभिन्न साधु अखाड़े शिविर लगाते हैं। वे शाही स्नान नामक स्नान के लिए जाते हैं, जिसमें भव्य जुलूस निकलते हैं। अतीत में, इस बात को लेकर झगड़ा हुआ कि कौन सा साधु अखाड़ा पहले स्नान करेगा, जिससे खूनी संघर्ष हुए हैं, इसलिए अब, आम तौर पर एक क्रम पहले से तय होता है। कुंभ मेले ने समाज को संगठित और एकजुट करके इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन दिनों, अगले मेले के समय और स्थल का विज्ञापन करना आसान है, लेकिन सदियों पहले, यह साधु ही थे जो ज्योतिषीय गणना करते थे और इस बात को फैलाते थे। लोग बिना ट्रेन या मोटर चालित वाहनों के, बिना आलीशान टेंट के विकल्प के, केवल आस्था के कारण ही मेले में आते थे। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, मेले राष्ट्रवादी विचारों को फैलाने का भी एक स्थान था।

आपकी बात

चुनावी जीत की नई इबारत लिखती महिला मतदाता

ललित गर्ग

चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दल महिलाओं को लुभाने के लिये आकर्षक कल्याणकारी योजनाओं एवं मुफ्त की सुविधाएं देने की बढ़-चढ़ कर घोषणाएं करने लगे हैं। महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गईं कल्याणकारी योजनाएं एवं मुफ्त की सुविधाएं अब गेमचेंजर बन रही हैं। महिलाओं के खाते में सीधे नगद ट्रांसफर की जाने वाली स्कीम तो भारत की राजनीति में वोट बटोरने का एक जांचा-परखा एवं सशक्त माध्यम बन गया है। यूं तो लम्बे समय से महिलाओं को लेकर तरह-तरह की घोषणाएं होती रही है लेकिन मध्य प्रदेश में इस योजना की कामयाबी के बाद यही कहानी महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखण्ड में दोहरायी गयी है। जिससे चुनावों में लगातार महिला मतदाताओं का उत्साह बढ़ता जा रहा है और किसी की दल की जीत हार में उसकी भूमिका भी स्पष्ट होती जा रही है। इसी विषय को लेकर एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि महिला केंद्रित योजनाओं के कारण इन महिला मतदाताओं की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है। भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 2014 में कुल मतदाता 83.4 करोड़ थे, जो 2024 में बढ़कर 97.8 करोड़ हो गये हैं। इसमें महिला मतदाता की संख्या सबसे ज्यादा बढ़ी है। एसबीआई रिसर्च टीम की रिपोर्ट के मुताबिक देश में अब 100 पुरुष मतदाताओं पर 95 महिला मतदाता की संख्या है। पिछले दस वर्षों में जिन नौ करोड़ नये वोटरों ने वोट दिया, उसमें महिलाओं की हिस्सेदारी 5.3 करोड़ है। महिलाओं का मतदान के प्रति बढ़ता रूझान लोकतंत्र की मजबूती के लिये एक शुभ संकेत है। नये अध्ययन से यह भी खुलासा हुआ है कि महिला साक्षरता में वृद्धि हुई है जिसका सीधा असर महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ने से है। महिला साक्षरता में एक फीसदी की वृद्धि से महिला मतदाताओं की संख्या में पच्चीस फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। दिलचस्प पहलू यह भी कि एससी और एसटी वर्ग में मतदान में लगातार इजाफा हुआ, वहीं सामान्य वर्ग में कम हुआ। अब सरकारें बनाने में महिला मतदाताओं की भूमिका लगातार बढ़ती एवं निर्णायक होती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन बार के शासनकाल में विकास पर जोर देने के साथ-साथ महिला उत्थान पर भी बहुत ज्यादा ध्यान दिया। महिलाओं को हर क्षेत्र में प्रोत्साहन मिल रहा है, स्वतंत्र पहचान मिल रही है और वे राजनीति के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, क्षमता एवं कौशल का लोहा मनवा रही है। मोदी सरकार ने 27 साल से भी ज्यादा इंतजार के बाद पहली बार महिला आरक्षण बिल लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पारित कराया। इस बीच मोदी सरकार ने महिलाओं को लेकर बनाई गई योजनाओं का नाम भी ऐसे रखा, जो सीधे महिलाओं के दिल को छू रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के जरिए महिलाओं को गैस सिलिंडर देना, जनधन योजना के तहत खाता खुलवाना, मुस्लिम महिलाओं को लेकर तीन तलाक को कानूनी रूप से खत्म करना जैसे विधेयक ने जहां प्रधानमंत्री मोदी के कद को बढ़ाया वही महिलाओं की राजनीति में सक्रियता एवं मतदान में अधिक हिस्सेदारी को नये पंख दिये हैं।

इन योजनाओं से 20 करोड़ से भी ज्यादा महिलाओं, 5 करोड़ से ज्यादा स्कूलों छात्राओं और 11 करोड़ से ज्यादा कामकाजी महिलाओं को लाभ पहुंचा है। अब महिलाएं राजनीति एवं राजनेताओं के वजूद को बनाने में महत्वपूर्ण हो गयी है। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में सत्तारूढ़ दलों की चुनावों के बाद फिर वापसी में महिला मतदाताओं की भूमिका निर्णायक रही। मध्यप्रदेश में लाडली बहन, महाराष्ट्र में माझी लाडकी बहिन व झारखंड में मंईयां सम्मान योजना इसके उदाहरण हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार, कर्नाटक में गृहलक्ष्मी, ओडिशा में शुभद्रा योजना तथा असम में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना सामने आई है। यह होड़ आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी नजर आ रही है। एक ओर जहां आप सरकार ने महिला वोटरों के लिये महिला सम्मान योजना के तहत 2100 रुपये देने का वायदा किया, वहीं कांग्रेस ढाई हजार रुपये देने की योजना बना रही है। इस दिशा में भाजपा भी गंभीर है। दरअसल, दिल्ली में महिला वोटरों का प्रतिशत पुरुष वोटरों के पास पहुंच गया है। कहा जाता है कि साल 2020 के चुनावों में महिला मतदान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन जरूरत इस बात की है कि महिलाओं से जुड़ी योजनाएं एवं उन्हें दी जाने वाली मुफ्त सुविधाएं सत्ता प्राप्ति या वोट हासिल करने का स्वार्थी हथियार न होकर स्थायी प्रभाव व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का जरिया हो। उल्लेखनीय तथ्य है कि जब किसी राज्य में महिलाओं का विकास हुआ है तो वे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति अधिक सजग हुई हैं। उन्हें सरकारों की मुफ्त की स्कीमें भी खूब लुभा रही हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

फेसबुक वॉल से

X से

आज का दोहा

किसने बोला छुट गया, अभी दुखों का साथ।
सुना कि खुशियाँ घूमतीं, छिपा छिपा कर हाथ।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/ व्हाट्सएप 82925 53444। –संपादक

अलग बात

क्या बदलने जा रही है देश की राजनीति में मोहन भागवत की भूमिका

केदारनाथ दास
बसिया।

इसे आप व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी का ज्ञान समझकर खारिज कर सकते हैं। यह एक अपरिपक्व आकलन या बेसिरपैर की बात भी हो सकती है परन्तु इन सबके बावजूद एक संभावना के तौर पर इसे एकदम से खारिज भी नहीं किया जा सकता कि राष्ट्रपति मुर्मू के उत्तराधिकारी की चर्चा अब जोर पकड़ने लगी है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान राष्ट्रपति मुर्मू गत 22 जुलाई 2022 से इस पद पर हैं और जून 2027 तक नये राष्ट्रपति के चुनाव को लेकर अधिसूचना का प्रकाशन हो जाना है। इस प्रक्रिया के लिए अभी पर्याप्त समय है फिर भी यदि कहीं चर्चा हो रही हो तो केवल एक अपरिपक्व आकलन, बेसिरपैर की बातें या व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी का ज्ञान कहकर इसे खारिज भी नहीं किया जा सकता। ऐसा इसलिए कि गत लोकसभा चुनाव के बाद देश के अलग-अलग राज्यों में हुए चुनावों में भाजपा की जीत का श्रेय अंततः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को दिया गया। अब संघ को करीब से जानने वालों का दावा है कि महाराष्ट्र व हरियाणा में विपरीत सियासी समीकरणों और एंटी इनकम्बैंसी को धत्ता बताते हुए भाजपा को सत्ता दिलाने में संघ ने अहम भूमिका निभाई है और इन दोनों राज्यों में चुनाव की घोषणा से पहले भाजपा का ग्राफ तेजी से नीचे गिर रहा था जिसे संघ ने ही सही दिशा देने का काम किया है। दूसरी ओर, राजनीति के जानकारों का मानें तो चुनावी सफलता के इस क्रम को बरकरार रखने के लिए भाजपा के समक्ष वर्तमान सियासी समीकरण को काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। ऐसा इसलिए कि हिन्दुत्व की धार को कुंद करने की नीयत से कांग्रेस व प्रतिपक्ष ने अब संविधान, जातीय जनगणना और आरक्षण पर लगे पचास प्रतिशत के बैरियर को खत्म करने की बात करते हुए भाजपा के शॉफ्ट हिन्दुत्व के विरुद्ध जातिवाद का एक मजबूत कार्ड सामने कर दिया है। गत लोकसभा चुनाव में इसका परिणाम भी देखने को मिला जब तमाम लोकप्रियता के बावजूद नरेन्द्र मोदी की सरकार को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सके। इन सब बातों से भाजपा कतई अनभिज्ञ नहीं होगी जबकि अभी भाजपा के केन्द्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा सवर्ण जाति से हैं। इनके पास मोदी के तौर पर एक ओबीसी प्रधानमंत्री है तो दलित-आदिवासी समाज से राष्ट्रपति मुर्मू का नाम भी शामिल है। जाहिर सी बात है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रपति चुनावों में भाजपा जातीय समीकरण को फिर से संतुलित करने की गरज से प्रखर हिन्दुत्व का प्रदर्शन भी करना चाहेगी। पार्टी अभी दलीय चुनाव की प्रक्रिया से गुजर रही है परन्तु उपरोक्त राजनैतिक समीकरणों के बीच संभावना यह बन रही है कि पार्टी किसी ऐसे दलित नेता पर दांव खेलेगी जो भाजपा नेतृत्व के साथ मिलकर काम कर सके। पार्टी संविधान के अनुसार श्री नड्डा का कार्यकाल नहीं बढ़ाया जा सकता। संभावना के अनुरूप नड्डा के बाद भाजपा का अध्यक्ष न कोई सवर्ण होगा और न ओबीसी। ऐसे में भाजपा यदि किसी दलित पर दांव खेलती है तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। इस परिस्थिति में भाजपा की चिंता कोर वोटर के तौर पर चिन्हित सवर्णों को साधने की होगी और भाजपा के पास सवर्ण राष्ट्रपति के चयन का विकल्प चुन सकती है। बताते चलें कि राष्ट्रपति पद के लिए भाजपा के पास विकल्पों की कोई कमी नहीं है फिर भी वह इसके लिए सवर्ण के नाम से बंधी हुई नजर आ रही है। इधर इन तमाम विकल्पों में से सबसे हैरान करने वाला नाम संघ प्रमुख मोहन भागवत का उभर कर सामने आ रहा है। इसके लिए गिनाए जा रहे कई ऐसे कारणों और राजनीति के वर्तमान दांव पेंच के बीच भाजपा को यह बखूबी पता है कि प्रखर हिन्दूत्व के बूते ही इंडी गठबंधन के जातिवादी राजनीति को कुंद किया जा सकता है। इसी तरह गत लोकसभा चुनाव ने यह साफ कर दिया है कि संघ को अवसर दिए बिना भाजपा के लिए भविष्य की राजनीति थोड़ी मुश्किल है। अब इन तमाम मानकों की बात करें तो सवर्ण जाति से संबंधित मोहन भागवत पर अनायास ही सबकी नजरें टिक रही हैं जबकि संघ प्रमुख श्री भागवत के आचार, विचार व व्यवहार में आए बदलाव से भी इस संभावना को हवा मिलने लगा है। विगत कुछ महिनों से उनके मुस्लिम विरोध वाले बयानों में काफी कमी आई है। इतना ही नहीं, हर मंदिर में मस्जिद न ढूंढने संबंधी उनके बयानों को अब सॉफ्ट हिंदुत्व की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस कड़ी में कभी आरक्षण के विरोध में वक्तव्य देने वाले संघ प्रमुख श्री भागवत के उस बयान को भी देखा जा रहा है जिसके अनुसार जब से आरक्षण आया है, तब से संविधान सम्मत सभी आरक्षणों को संघ पूर्ण समर्थन देता है। इसी प्रकार के ऐसे कई बयान हैं जो संघ की विचारधारा के आलोक में विवादित माने जाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

त्रिवेणी तट पर नागा साधु बने **आकर्षण** का केंद्र

अमृत स्नान को लेकर श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा, लगे जयकारे

मकर संक्रांति के अमृत स्नान पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसमुद्र

महाकुंभ में भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मकर संक्रांति महापर्व पर महाकुंभ में प्रथम अमृत स्नान में शामिल सभी श्रद्धालुओं को बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महाकुंभ की कुछ तस्वीरें भी शेयर की। पीएम मोदी ने महाकुंभ को भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम बताया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'महाकुंभ में भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम! मकर संक्रांति महापर्व पर महाकुंभ में प्रथम अमृत स्नान में शामिल सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, यह हमारी सनातन संस्कृति और आस्था का जीवंत स्वरूप है। आज लोक आस्था के महापर्व 'मकर संक्रांति' के पावन अवसर पर महाकुंभ-2025, प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में प्रथम 'अमृत स्नान' कर पुण्य अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालु जनों का अभिनंदन!

महाकुंभ के पहले अमृत स्नान मकर संक्रांति के दिन मंगलवार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर 'जय श्री राम' और 'हर हर महादेव' के नारे लगाए। मकर संक्रांति के इस पावन दिन संगम के घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। आस्था और उल्लास का ऐसा नजारा था जिसने हर किसी के मन को भावविभोर कर दिया। स्नान के दौरान हर कोई अपने जीवन को पवित्र और सुखमय बनाने की प्रार्थना करता दिखा। स्नान के दौरान श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य देकर पुण्य और मोक्ष की कामना की। मकर संक्रांति भगवान सूर्य को ही समर्पित पर्व है। मकर संक्रांति पर सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं और दिन लंबे व रात छोटी होने लगती है।

वहीं, महाकुंभ 2025 के प्रथम अमृत स्नान के दौरान नागा साधुओं का अद्भुत प्रदर्शन श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना। त्रिवेणी तट पर इन साधुओं की पारंपरिक और अद्वितीय गतिविधियों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। अमृत स्नान के लिए ज्यादातर अखाड़ों का नेतृत्व कर रहे इन नागा साधुओं का अनुशासन और उनका पारंपरिक शस्त्र कौशल देखने लायक था। कभी डमरू बजाते हुए तो कभी भाले और तलवार लहराते हुए, इन साधुओं ने युद्ध कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। लाठियां भांजते और अठखेलियां करते हुए ये साधु अपनी परंपरा और जोश का प्रदर्शन कर रहे थे। अमृत स्नान के लिए निकली अखाड़ों की शोभायात्रा में कुछ नागा साधु घोड़े पर सवार थे तो कुछ पैदल चलते हुए अपनी विशिष्ट वेशभूषा और आभूषणों से सजे हुए थे। जटाओं में फूल, फूलों की मालाएं और त्रिशूल हवा में लहराते हुए उन्होंने महाकुंभ की पवित्रता को और भी बढ़ा दिया। स्व-अनुशासन में रहने वाले इन साधुओं को कोई रोक नहीं सकता था, लेकिन वे अपने अखाड़ों के शीर्ष पदाधिकारियों के आदेशों का पालन करते हुए आगे बढ़े। नगाड़ों की गूंज के बीच उनके जोश ने इस अवसर को और भी खास बना दिया। इधर, महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं पर स्नान पर्वों के मौके पर पुष्प वर्षा को लेकर योगी सरकार के निर्देश पर उद्यान विभाग ने पिछले काफी समय से तैयारी कर रखी थी। इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों की खास तौर पर व्यवस्था की गई थी। महाकुंभ के सभी स्नान पर्वों पर पुष्प वर्षा कराने की तैयारी की गई है।

प्रत्येक स्नान पर्व पर लगभग 20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश करने की तैयारी है, जिसकी श्रृंखला में पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा स्नान पर सोमवार को श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं गई थीं, जबकि दूसरे दिन यानी मंगलवार को मकर संक्रांति पर अमृत स्नान के दौरान भी पुष्पवर्षा से श्रद्धालु अभिभूत नजर आए। उद्यान विभाग की ओर से पहले दो दिनों के लिए पर्याप्त फूलों की व्यवस्था की गई है। उद्यान विभाग की ओर से इन दो दिनों के लिए 40 क्विंटल से अधिक मात्रा में गुलाब के फूलों का स्टॉक जमा किया गया था।

महाकुंभ के प्रथम अमृत स्नान का शुभारंभ मकर संक्रांति के पावन अवसर पर हुआ। संगम के त्रिवेणी तट पर लाखों श्रद्धालुओं और साधु-संतों का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस ऐतिहासिक अवसर पर स्नान कर श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था को नया आयाम दिया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने घाट पर ही अपने ईष्ट देव की पूजा-अर्चना की। इस पूजन में तिल, खिचड़ी और अन्य पूजन सामग्रियों का उपयोग किया गया। श्रद्धालुओं ने तिल और खिचड़ी का दान कर धर्म लाभ प्राप्त किया। दान-पुण्य के इस क्रम ने पर्व को और पवित्र बना दिया। महाकुंभ भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। मकर संक्रांति के इस शुभ अवसर पर अमृत स्नान को जीवन में शुभता और सकारात्मकता लाने का माध्यम माना जाता है। संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाकर श्रद्धालु अपने पापों का प्रायश्चित करते हैं और पुण्य के साथ मोक्ष की कामना करते हैं।

महाकुंभ में विदेशी श्रद्धालुओं ने कहा, हम धन्य हो गए

महाकुंभ नगर (आईएएनएस)। महाकुंभ में देश से ही नहीं, बल्कि विदेश से भी कई श्रद्धालु आए हैं। यह सभी श्रद्धालु खुद को सौभाग्यशाली बता रहे हैं। उनका कहना है कि वो खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें महाकुंभ में आने का मौका मिला। यहां आकर उन्हें आनंद की अनुभूति प्राप्त हो रही है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। इस बीच, विदेश से आए कई श्रद्धालुओं ने आईएएनएस से बातचीत कर अपने अनुभव साझा किए। इटली से आए डेविड ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान बताया, मुझे यहां आकर आनंद की अनुभूति प्राप्त हो रही है। इसके अलावा, मैं खुद को उजार्वान भी महसूस कर रहा हूं। यह मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर एक अच्छा अनुभव है। हालांकि, मुझसे पहले भी कई लोग अपने अनुभव साझा कर रहे हैं। सभी के अनुभवों में एक समान बात यह देखने को मिल रही है कि उन्हें यहां आकर दिव्य अनुभूति प्राप्त हो रही है, जो कि अपने आप में हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि मैं आए सभी गुरु और साधुओं के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूं। मैं जब वापस स्वदेश लौटूंगा, तो मुझे जो संदेश यहां प्राप्त हुआ है, उसे मैं निश्चित तौर पर अपने देश में अपने लोगों के बीच साझा करूंगा। वहीं, स्पेन से आईं नोएलिया ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा, कुंभ में आकर मुझे बहुत अच्छा लगा। यहां की सनातन संस्कृति और परंपराएं देखने का अनुभव बहुत ही अद्भुत है। पूरी दुनिया के लोग यहां आकर इस महान अवसर का हिस्सा बन रहे हैं।

भारत, चीन के बाद एक जगह पर विश्व की तीसरी बड़ी जनसंख्या होंगे 45 करोड़ श्रद्धालु

महाकुंभ बना आध्यात्मिकता व आधुनिकता का सबसे बड़ा संगम

प्रयागराज। महाकुंभ शुरू हो गया, यह 26 फरवरी तक चलेगा। इसमें लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों, कल्पवासियों के आने की संभावना है, जो कि भारत व चीन के बाद तीसरी बड़ी जनसंख्या एक जगह होने का विश्व रिकार्ड बनेगा। इसकी सुरक्षा में एनएसजी से लेकर एटीएस तक तैनात किए गए हैं। लगभग 45 हजार से अधिक पुलिसकर्मी महाकुंभ की सुरक्षा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने महाकुंभ के लिए 6990 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है।

विश्व के इस सबसे बड़े मेले महाकुंभ की तैयारी से जुड़ी 10 बड़ी बातें ये हैं

1. महाकुंभ के लिए योगी सरकार ने 549 प्रोजेक्ट को लागू किया है। इसके लिए 6990 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित किया गया है। इन प्रोजेक्ट्स में इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर शौचालय तक का निर्माण शामिल है।
2. महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान भी रखा जा रहा है। महाकुंभ में पुलिस और स्टेट कमांडो के अलावा एनएसजी के 200 कमांडो तैनात किए गए हैं। यह कमांडो अत्याधुनिक हथियारों से लैस है। उनके पास हेलीकॉप्टर भी हैं और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद के लिए पहुंच सकेंगे। एनएसजी के कुल 200 कमांडो कुंभ की सुरक्षा में लगे हुए हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार की एटीएस भी सुरक्षा में तैनात है।
3. महाकुंभ के लिए 12 किलोमीटर का लंबा घाट बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने खुद कहा था कि सरकार का अनुमान है कि 40 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे, लेकिन व्यवस्था 100 करोड़ की की गई है। योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा था कि मौनी अमावस्या के दिन सबसे अधिक 6 करोड़ लोग डुबकी लगाएंगे, लेकिन हमने 10 करोड़ की व्यवस्था की है।
4. महाकुंभ के लिए योगी सरकार की ओर से हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की जाएगी। यह पुष्प वर्षा एक बार ही नहीं, बल्कि कई बार की जाएगी। प्रयागराज प्रशासन इसके लिए पूरी तैयारी कर चुका है।
5. योगी सरकार के 40 से अधिक मंत्रियों ने 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को कुंभ का निमंत्रण दिया। यह सभी मंत्री खुद निमंत्रण दे रहे थे। सभी मंत्री खुद राज्यों के मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे।
6. योगी सरकार की ओर से कुंभ क्षेत्र में 2300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं, एक बड़ा सा कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से हर एक गतिविधि पर नजर रहेगी।
7. पीएम मोदी ने महाकुंभ में श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए कहा, पौष पूर्णिमा पर पवित्र स्नान के साथ ही आज से प्रयागराज की पुण्य भूमि पर महाकुंभ का शुभारंभ हो गया है। हमारी आस्था और संस्कृति से जुड़े इस दिव्य अवसर पर मैं सभी श्रद्धालुओं का हृदय से वंदन और अभिनंदन करता हूं। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का यह विराट उत्सव आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करें, यही कामना है।
8. महाकुंभ 2025 का आयोजन आध्यात्मिकता व आधुनिकता का संगम बनकर उभर रहा है। यह विश्वभर के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है, जहां विदेशी मीडिया भी इसे कवर करने के लिए विशेष रूप से तैयार है। दुनिया के 105 देशों से मीडिया समूहों ने महाकुंभ के कवरेज और लाइव टेलीकास्ट करने के लिए आवेदन किया है। यूरोपीय देशों के साथ-साथ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, खाड़ी देशों और अफ्रीका के राष्ट्र भी इसके लिए यहां पहुंच रहे हैं।
9. दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल जॉब्स भी महाकुंभ आयोजन में शामिल हो रही हैं। वह न केवल संगम में पवित्र डुबकी लगाएंगी, बल्कि कुछ समय के लिए कल्पवास भी करेंगी।
10. महाकुंभ के लिए 200 चार्टर्ड प्लेन से वीवीआईपी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। जबकि, महाकुंभ के लिए केंद्र सरकार ने 3000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें भी चलाई हैं।

महाकुंभ में 'इंजीनियर बाबा' और हर्षा रिछारिया बनीं नजीर

महाकुंभ नगर (आईएएनएस)। प्रोफेशनल लाइफ जी रहे आज के दौर के युवाओं में पुरातन सनातन संस्कृति का आकर्षण लगातार बढ़ता जा रहा है। देश-विदेश में स्थापित एंकर, मॉडल और इंजीनियर जैसे पेशेवर अब भारतीय परंपराओं और अध्यात्म से गहराई से जुड़ रहे हैं। महाकुंभ के दौरान ऐसे तमाम उदाहरण सामने आ रहे हैं। इनमें एक ओर उत्तराखंड की युवती ने ग्लैमर की दुनिया छोड़कर स्वामी कैलाशानंद गिरि से दीक्षा ली, तो दूसरी ओर आईआईटी बांबे के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रहे 'इंजीनियर बाबा' ने विज्ञान के माध्यम से श्रद्धालुओं को अध्यात्म की गहराइयों से परिचित कराया। उत्तराखंड निवासी हर्षा देश और विदेश में ग्लैमर इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं। उन्होंने महाकुंभ में सनातन धर्म की दीक्षा ली। उन्होंने कहा, प्रोफेशनल लाइफ में दिखावे और आडंबर से भरी जिंदगी ने मुझे उबा दिया। मैंने महसूस किया कि वास्तविक सुख और शांति केवल सनातन धर्म की शरण में ही है। स्वामी कैलाशानंद गिरि से दीक्षा लेने के बाद मैंने जीवन का नया अर्थ समझा है। हरियाणा के मूल निवासी और आईआईटी बॉंबे के पूर्व छात्र अभय सिंह को अब 'इंजीनियर बाबा' के नाम से जाना जाता है। वह महाकुंभ में श्रद्धालुओं को विज्ञान और अध्यात्म का अनोखा संगम समझा रहे हैं। उन्होंने एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी में अपने गहन ज्ञान का उपयोग करते हुए, कॉपी और डायग्राम के माध्यम से श्रद्धालुओं को जीवन और अध्यात्म का महत्व समझाया।

महाकुंभ के बाद बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने लिए आने लगा श्रद्धालुओं का रेला

नवीन मेल संवाददाता

वाराणसी। महाकुंभ में मकर संक्रांति पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं का रेला अब काशी की तरफ शुरू हो गया। प्रयागराज के बाद काशी में भी स्नान व बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने की परंपरा है, जिसे बहुत लोग मानते हैं। 15 जनवरी से श्रद्धालुओं की भीड़ काशी में बहुत बढ़ने को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है और इंतजाम में लग गया है। श्रद्धालु गंगा स्नान के साथ ही देवालयों, शिवालयों में दर्शन-पूजन करेंगे। बाबा विश्वनाथ धाम व कालभैरव मंदिर में काफी भीड़ होगी।

महाकुंभ में स्नान के बाद काशी में 10 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। काशी में दर्शन-पूजन व स्नान दान का विशेष महत्व है। इस कारण महाकुंभ में स्नान के बाद श्रद्धालु काशी भी आएंगे। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति एक दिन के अंतर पर पड़ी। इस कारण श्रद्धालुओं का काशी में पलट प्रवाह मंगलवार शाम से होने लगा है, लेकिन बुधवार से बहुत बढ़ने वाली है। इसके लिए मठ-मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए मुकम्मल व्यवस्था की गई है। विश्वनाथ मंदिर में पूजन से लेकर दर्शन तक की संपूर्ण व्यवस्था बना दी गई हैं। इस बारे में कालभैरव मंदिर के प्रधान पुजारी मोहित महाराज का कहना है कि प्रशासनिक व्यवस्था के साथ ही मंदिर की ओर से भी दर्शन के लिए तैयारी की गई है। प्रशासन की ओर से तय वीआईपी ही दर्शन करेंगे। गंगा स्नान कर मंदिर में दर्शन करने वालों के लिए कतारबद्ध दर्शन करवाया जाएगा। विशालाक्षी, मंगला गौरी, गौरी केदारेश्वर आदि मंदिरों में भी दर्शन के लिए सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। क्योंकि, महाकुंभ के 45 दिनों तक वहां से स्नान कर काशी लौटने वाले दर्शनार्थियों की रोज ही 15 लाख से अधिक भीड़ होगी। महाकुंभ में तीन अमृत स्नान होंगे। 14 जनवरी को मकर संक्रांति वाला तो बीत गया। अब 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और 3 फरवरी को बसंत पंचमी पर अमृत स्नान होंगे। इनके अगले दिन भी दोगुनी भीड़ होगी। इसके अलावा महाशिवरात्रि, एकादशी, प्रदोष आदि तिथियों पर भी स्नान के लिए भीड़ होगी।

भाजपा दिल्ली-कश्मीर के साथ समान व्यवहार करती है : राजनाथ

जम्मू। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जम्मू के अखनूर इलाके में 108 फुट का राष्ट्रीय ध्वज फहराया और एक विरासत संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की जम्मू-कश्मीर और दिल्ली के लोगों के दिलों के बीच की दूरी को कम करने के उनके प्रयासों के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली और कश्मीर के साथ समान व्यवहार करती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू के अखनूर सेक्टर में टांडा आर्टिलरी ब्रिगेड में नौवें सशस्त्र बल दिग्गज दिवस रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हम आज अखनूर में भूतपूर्व सैनिक दिवस मना रहे हैं। यह हम सभी के लिए बड़ा दिन है। कश्मीर के साथ अतीत में (पिछली सरकारों द्वारा) अलग व्यवहार किया गया जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र के हमारे भाई-बहन दिल्ली से उस तरह जुड़ नहीं पाए जैसा उन्हें होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि हम कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच 'दिलों की दूरी' को पाटने का काम कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि अखनूर में वेटरन्स डे समारोह यह साबित करता है कि अखनूर का हमारे दिलों में उतना ही स्थान है जितना दिल्ली का है। राजनाथ सिंह ने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध को याद करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच 1965 में अखनूर में युद्ध लड़ा गया। भारत ने पाकिस्तानी सेना के प्रयासों को विफल करने में सफलता पाई थी।

नीतीश कुमार परिवार के सदस्य, उनके लिए तो दरवाजा हमेशा खुला है : मीसा

पटना। पाटलिपुत्र की सांसद मीसा भारती ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को परिवार का सदस्य बताते हुए इशारों-इशारों में साथ आने का निमंत्रण भी दे दिया। बिहार में एक ओर जहां मकर संक्रांति के मौके पर विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यालयों और नेताओं द्वारा चूड़ा-दही भोज का आयोजन किया गया, वहीं राजद की सांसद मीसा भारती ने कहा कि लालू यादव और नीतीश कुमार के बीच भाइयों का रिश्ता है। उन्हें बुलाने की क्या जरूरत है। वे तो खुद भी आ सकते हैं। मीसा भारती ने आगे कहा कि राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है। हालांकि, अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राबड़ी आवास पर आयोजित दही-चूड़ा भोज में शामिल नहीं होने पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमारे अभिभावक हैं। उनके लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। नीतीश जब भी आना चाहें, उनका स्वागत है। हम लोगों के दरवाजे किसी के लिए भी खुले रहते हैं। राजद के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने भी मकर संक्रांति के मौके पर 10, सर्कुलर रोड आवास पर चूड़ा-दही भोज आयोजित किया। राबड़ी आवास पर भी लोगों ने चूड़ा-दही भोज का आनंद लिया। भाजपा, लोजपा (रामविलास), कांग्रेस कार्यालय में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बता दें कि कुछ दिनों पहले राजद के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जदयू से गठबंधन की संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार के लिए महागठबंधन के दरवाजे बंद हो चुके हैं। उनसे हाथ मिलाना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। हालांकि, राजद के अध्यक्ष लालू यादव ने नीतीश कुमार को साथ आकर काम करने का ऑफर दिया था।

महाकुंभ में टूटेंगे सारे रिकॉर्ड

नवीन मेल संवाददाता। प्रयागराज

● हज से 200 गुना व अमेरिकी जनसंख्या 36 करोड़ से ज्यादा आएंगे श्रद्धालु

महाकुंभ में हज से 200 गुना व अमेरिकी जनसंख्या से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। इसके चलते विश्व में कहीं किसी आयोजन में, मेले में जुटे लोगों के अब तक बने सभी रिकॉर्ड टूटेंगे। इसमें एक जगह इतनी संख्या में जुटने और 45 दिन तक इस तरह ठंड में स्नान, ध्यान, पूजा पाठ करने का विश्व का अब तक कुंभ का भी सारा रिकॉर्ड टूटेगा। जहां तक विश्व में सबसे ज्यादा आबादी वाले देश का सवाल है, तो इसमें नंबर वन हो गया है भारत। जबकि, आकार के मामले में यह कई देशों से बहुत पीछे है। भारत की जनसंख्या लगभग 143 करोड़, दूसरे नंबर पर चीन की जनसंख्या लगभग 142 करोड़, तीसरे नंबर पर अमेरिका की जनसंख्या लगभग 36 करोड़, चौथे स्थान पर इंडोनेशिया की जनसंख्या लगभग 23 करोड़ है। प्रयागराज महाकुंभ में इस बार लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। बीते 13 जनवरी को महाकुंभ शुरू होने के दिन ही लगभग 1 करोड़ 65 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई थी। वर्ष 2019 के अर्धकुंभ में लगभग 21 करोड़ श्रद्धालु आए थे, जिसमें सबसे व्यस्त दिन पर लगभग 50 मिलियन लोगों ने आनुष्ठानिक स्नान किया था। इस बार महाकुंभ में 45 दिनों में प्रयागराज में कम से कम 400 मिलियन लोगों के आने की उम्मीद है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से भी ज्यादा है। यह संख्या बीते वर्ष वार्षिक हज यात्रा के लिए सऊदी अरब के मुस्लिम पवित्र शहरों मक्का और मदीना में आए 2 मिलियन तीर्थयात्रियों से लगभग 200 गुना ज्यादा है।

यह महोत्सव भारतीय अधिकारियों के लिए हिंदू धर्म, पर्यटन और भीड़ प्रबंधन को प्रदर्शित करने की एक बड़ी परीक्षा है। इस धार्मिक आयोजन के लिए नदियों के किनारे एक विशाल मैदान को 3,000 से ज्यादा रसोई और 1,50,000 शौचालयों से सुसज्जित एक विशाल टेंट सिटी में बदल दिया गया है। 25 खंडों में विभाजित व 40 वर्ग किलोमीटर में फैले इस टेंट सिटी में आवास, सड़कें, बिजली और पानी, संचार टावर और 11 अस्पताल भी हैं। शहर की दीवारों पर हिंदू धर्मग्रंथों की कहानियों को दर्शाते भित्ति चित्र बनाए गए हैं। इस आयोजन के लिए भारतीय रेलवे ने त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं के परिवहन के लिए नियमित ट्रेनों के अलावा 90 से अधिक विशेष ट्रेनें भी शुरू की हैं, जो लगभग 3,300 चक्कर लगाएंगी। कानून व्यवस्था के लिए शहर में करीब 50,000 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं, जो 2019 से 50% अधिक है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए और भीड़ को कंट्रोल करने के लिए 2,500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनमें से कुछ एआई द्वारा संचालित हैं। भारत के नेताओं ने देश के हिंदुओं के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करने के लिए इस त्योहार का लाभ उठाया है, जो भारत की 143 करोड़ आबादी का लगभग 80% हिस्सा है।

दिसंबर 2024 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए जसप्रीत बुमराह और एनाबेल सदरलैंड

नई दिल्ली(हि.स.)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को दिसंबर 2024 के लिए मंगलवार को क्रमशः आईसीसी पुरुष और महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। शीर्ष क्रम के टेस्ट गेंदबाज बुमराह ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में बेहतरीन गेंदबाजी की और प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता। बुमराह ने साथी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पैट कमिंस और डेन पैटरसन को पीछे छोड़ते हुए दूसरी बार प्लेयर ऑफ द मंथ का ताज जीता। अंतरराष्ट्रीय मंच पर बुमराह का यादगार वर्ष ऑस्ट्रेलिया में और अधिक उत्कृष्ट प्रयासों के साथ समाप्त हुआ, उन्होंने दिसंबर के तीन टेस्ट मैचों में 14.22 की औसत से 22 विकेट लिए। बुमराह ने एडिलेड में 61 रन देकर चार विकेट लिए।इसके बाद ब्रिस्बेन टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 76 रन पर छह विकेट और दूसरी पारी में 18 रन पर तीन विकेट लिए। मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 57 रन देकर पांच विकेट लिए। आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ, जसप्रीत बुमराह ने कहा, मैं दिसंबर के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर रोमांचित हूँ। व्यक्तिगत प्रशंसा के लिए चुना जाना हमेशा सुखद होता है, और आपके प्रयासों के लिए पहचाना जाना हमेशा अच्छा होता है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अब तक की सबसे करीबी प्रतिस्पधाओं में से एक थी, और वहां जाकर अपने देश के लिए प्रदर्शन करना मेरे लिए सम्मान की बात थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद तिरुपति बालाजी के दर पहुंचे नीतीश कुमार रेड्डी

- तिरुपति बालाजी की शरण में पहुंचे नीतीश कुमार रेड्डी
- घुटनों के बल नीतीश कुमार रेड्डी ने चढ़ी सीढ़ियां
- ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत के लिए किया टेस्ट में डेब्यू
- विशाखापत्तनम एयरपोर्ट पर हुआ शानदार स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर नीतिश कुमार रेड्डी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत के लिए टेस्ट में डेब्यू किया और सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया। इसका आभार जताने के लिए वह प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन करने के लिए घुटनों के बल तिरुमाला पहाड़ी की चोटी पर सीढ़ियां चढ़ीं। विशाखापत्तनम के रहने वाले ऑलराउंडर को श्रीवारी मेट्टू या पहाड़ी मंदिर तक जाने वाले पैदल मार्ग से घुटनों के बल सीढ़ियां चढ़ते देखा गया। नीतिश कुमार के घुटनों के बल चलने के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किए गए। 21 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी शेयर किया। भक्त आमतौर पर मन्नत पूरी करने के लिए तिरुमाला की पहाड़ियों पर चढ़ते हैं। पहाड़ियों तक जाने के लिए दो पैदल रास्ते हैं। नितीश ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शानदार शुरूआत की। युवा ऑलराउंडर ने अपने पहले दौरे में शतक लगाकर महफिल लूट ली। आठवें स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए, ऑलराउंडर ने मेलबर्न में चौथे टेस्ट में शानदार शतक लगाया। उन्होंने बॉक्सिंग डे टेस्ट में 114 रन बनाए। यह उनके लिए एक खास पल था क्योंकि उनके पिता मुत्यालु रेड्डी, मां मानसा, बहन तेजस्वी और चाचा सुरेंद्र स्टैंड्स में मौजूद थे। हालांकि भारत ने सीरीज 1-3 से गंवा दी, लेकिन नीतीश ने 37.25 की औसत से 298 रन बनाकर सभी को प्रभावित किया। वह सीरीज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने 44 ओवर में पांच विकेट भी चटकाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2-32 रहा।

टी-20 क्रिकेट में वापसी को तैयार जेम्स एंडरसन

लंदन(हि.स.)। इंग्लिश तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अपना पेशेवर खेल कैरियर फिर से शुरू करेंगे। लंकाशायर के साथ एक साल के अनुबंध विस्तार पर सहमति जताने के बाद एक दशक से अधिक समय में वह अपना पहला टी-20 मैच खेलने के लिए तैयार हैं। जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने विदाई टेस्ट मैच के बाद से एंडरसन ने कोई मैच नहीं खेला है, उसके बाद वह इंग्लैंड के बैकरूम स्टाफ में सलाहकार के तौर पर शामिल हो गए। खेलना जारी रखने की अपनी इच्छा जाहिर करने के बाद, उन्होंने दिसंबर में आईपीएल नीलामी में हिस्सा लिया। हालांकि उन्हें कोई खरीददार नहीं मिल सका और अब उन्होंने ईसीबी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की समाप्ति के बाद काउंटी चैंपियनशिप और टी20 ब्लास्ट में खेलने के लिए लंकाशायर के साथ एक डील साइन की है। एंडरसन ने एक बयान में कहा, मैं लंकाशायर के साथ इस अनुबंध पर हस्ताक्षर करने और अगले सत्र में फिर से पेशेवर क्रिकेट खेलना शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस क्लब ने मेरे जीवन में तब से बहुत बड़ी भूमिका निभाई है जब मैं किशोर था, इसलिए रेड रोज पहनने और लाल और सफेद गेंद दोनों क्रिकेट में टीम की मदद करने का अवसर मिलना एक ऐसा अवसर है जिसका मैं वास्तव में बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं अपनी फिटनेस के स्तर को ऊंचा रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं और सर्दियों के दौरान इंग्लैंड के साथ कोच के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान नियमित रूप से गेंदबाजी करना जारी रखा है, जिसका उद्देश्य अप्रैल में काउंटी सत्र शुरू होने पर मैदान पर उतरने में सक्षम होना है। मुझे एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलना बहुत पसंद है और इस गर्मी में फिर से हमारे सदस्यों और समर्थकों के सामने गेंदबाजी करने का मौका मिलना वास्तव में विशेष होने वाला है।

ऑस्ट्रेलिया में हार के बाद बीसीसीआइ सख्त

क्रिकेटर्स के परिवार के लिए बने कड़े नियम अलग-अलग ट्रेवल करने पर भी रोक

नई दिल्ली। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भारतीय टीम के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं रही। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3-1 से हराया था। सीरीज हारने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब एक्शन में आ गया है। उन्होंने कुछ नई गाइडलाइंस जारी की हैं। दैनिक जागरण की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने नई गाइडलाइंस जारी की हैं, जिसके तहत विदेश दौरे के दौरान खिलाड़ियों के लिए परिवार से मिलना काफी कम हो जाएगा।अब से किसी भी खिलाड़ी की पत्नी पूरे दौरे के लिए नहीं रह पाएंगी। 45 दिनों के भारतीय टीम के दौरे के दौरान पत्नी या परिवार के सदस्य अधिकतम 14 दिन तक ही रह सकते हैं। हालांकि क्रिकेटर परिवार के सदस्यों की मौजूदगी चाहते हैं। लेकिन बीसीसीआई ने खेल पर उनका अधिकतम ध्यान केंद्रित करने के लिए यह निर्णय लिया है।आगामी सीरीज से, बीसीसीआई ने पूरी टीम के साथ यात्रा करना अनिवार्य कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान, खिलाड़ियों को एक शहर से दूसरे शहर में अलग-अलग ट्रेवल करते देखा गया था। लेकिन अब इसकी अनुमति नहीं होगी। किसी भी खिलाड़ी को व्यक्तिगत यात्रा की अनुमति नहीं होगी और उन्हें पूरी टीम के साथ ही ट्रेवल करना होगा।

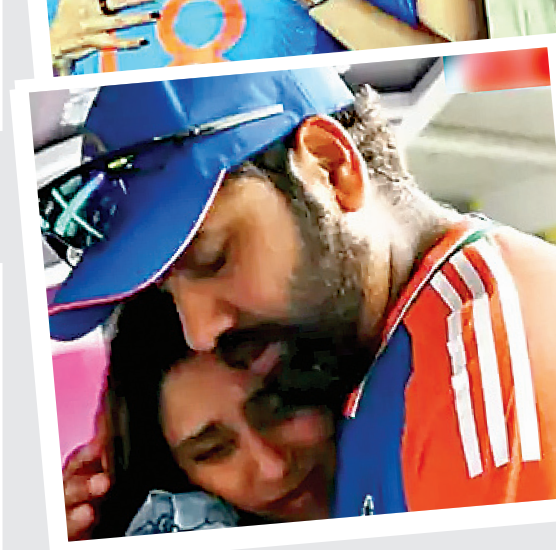

अब कब एक्शन में नजर आएगी टीम इंडिया?

22 जनवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैच की रोमांचक टी20 सीरीज का आगाज होने वाला है। पहला टी20 मुकाबला कोलकाता में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 3 मैच की वनडे सीरीज ठीक चैंपियंस ट्रॉफी से पहले खेली जाएगी। इंग्लैंड से टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का तो ऐलान हो गया है। हालांकि वनडे स्क्वाड का आना अभी बाकी है। हो सकता है कि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का स्क्वाड एक साथ आए। रिपोर्ट्स हैं कि 18 या 19 जनवरी को मेगा आईसीसी इवेंट के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो सकता है।

भारत ने फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में दर्ज की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली(हि.स.)। भारतीय फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने दूसरे लीग मैच में इंग्लैंड पीडी को 29 रनों से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। कटुनायके के एफटीजेड क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए इस मैच ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए टीम के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 191 रनों का लक्ष्य रखा। राजेश कन्नूर ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया, वे पीडी टूनामेंट में शतक बनाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए, उन्होंने नाबाद 100 रन बनाए। इस पारी में रविंद्र संते ने भी अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने 24 गेंदों पर 45 रन जोड़े, जिससे भारत ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। स्कोर का बचाव करते हुए भारतीय गेंदबाजों ने सटीक प्रदर्शन किया। राधिका और जीतेंद्र की शुरूआती सफलताओं ने इंग्लैंड की गति को पटरी से उतार दिया, जबकि रविंद्र संते ने 24 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जिससे भारत ने मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। हालांकि इंग्लैंड के विल फ्लिन ने 41 गेंदों पर 87 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर शानदार वापसी की, लेकिन टीम 162 रनों पर सिमट गई। टूनामेंट में भारतीय टीम के सफर को डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) और स्वयं नामक संगठन का समर्थन प्राप्त है, जो सुलभता और समावेश को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वयं ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि विकलांग खिलाड़ियों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं और अवसर मिलें, जिससे वे उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 लगातार बड़ा होता जा रहा : वकार यूनिस

दुबई(हि.स.)। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 सीजन 3 शनिवार को शुरू हो चुका है। लीग में दुनिया के कुछ शीर्ष क्रिकेटरों के साथ यूएई के होनहार खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। टूनार्मेंट को अपना समर्थन देने वाले दिग्गजों में से एक प्रतिष्ठित पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वकार यूनिस हैं, जो लगातार तीसरे सीजन के लिए कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। वकार यूनिस ने प्रतियोगिता के बढ़ते स्वरूप की प्रशंसा की और यूएई के क्रिकेटरों के बेहतरीन प्रदर्शनों को उजागर करते हुए इसे देश की क्रिकेट प्रगति का प्रमाण बताया। प्रतियोगिता के असाधारण विकास, रोमांचक शुरूआत और इसके आशाजनक भविष्य की प्रशंसा करते हुए पाकिस्तानी दिग्गज ने कहा कि डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 बड़ा और बड़ा होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में वह सब कुछ है जो इसे शीर्ष टूर्नामेंटों में से एक बनने के लिए चाहिए।

बोपन्ना और निकोलस की जोड़ी पुरुष युगल के पहले दौर में हारकर बाहर

मेलबर्न(हि.स.)। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके नए कोलंबियाई जोड़ीदार निकोलस बैरिएंटोस मंगलवार को पेड्रो मार्टिनेज और जाउमे मुनार की स्पेनिश जोड़ी से पहले दौर में हारकर ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल स्पर्धा से बाहर हो गए हैं। बोपन्ना और निकोलस को करीब दो घंटे तक चले मैच में 5-7, 6-7(5) से हार का सामना करना पड़ा। मैच में बोपन्ना और निकोलस की जोड़ी ने शुरूआत अच्छी और शुरूआती गेमों में अपनी सर्विस बरकरार रखी। हालांकि, स्पेनिश जोड़ी ने धीरे-धीरे गति प्राप्त की तथा खेल में निरंतरता का प्रदर्शन किया। निर्णायक क्षण सेट के अंत में आया जब मार्टिनेज और मुनार की स्पेनिश जोड़ी ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल कर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी मुकाबला टक्कर का रहा लेकिन अंततः टाइब्रेकर में स्पेनिश जोड़ी ने जीत दर्ज की। इससे पहले, भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त एकल खिलाड़ी सुमित नागल भी सोमवार को दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी चेक गणराज्य के टॉमस मचाक से सीधे सेटों में हारकर पहले दौर से बाहर हो चुके हैं।

डेनमार्क के फुटबॉलर साइमन केर ने लिया संन्यास

कोपेनहेगन(हि.स.)। डेनमार्क के फुटबाल खिलाड़ी साइमन केर ने राष्ट्रीय टीम के साथ 132 मैच खेलने के बाद सोमवार को संन्यास ले लिया। उन्होंने एक साक्षात्कार में संन्यास लेने के अपने फैसले का खुलासा किया। एफसी मिडट्जिलैंड से आने के बाद, केरने 2020 में एसी मिलान में शामिल होने से पहले पलेर्मो, रोमा, सेविला के लिए खेला है और 2022 में रॉसोनेरी को स्कुडेटो जीतने में मदद की है। राष्ट्रीय टीम में, केरने 2009 में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया और विश्व कप के तीन संस्करणों और तीन यूरोपीय चैंपियनशिप सहित छह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेला। 35 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल गर्मियों में एसी मिलान के साथ अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद से किसी क्लब के बिना है। पूरा साक्षात्कार इस सप्ताह के अंत में जारी किया जाएगा, लेकिन स्निपेट से पता चला है कि अनुभवी खिलाड़ी लंबे समय से इस निर्णय के बारे में सोच रहे थे। हालांकि उनका करियर बहुत शानदार नहीं रहा, लेकिन 2021 में डेनमार्क और फिनलैंड के बीच यूरोपीय चैंपियनशिप के मुकाबले में केरको काफी प्रशंसा मिली। जब क्रिश्चियन एरिक्सन मैदान पर गिर पड़े, तो टीम के कप्तान केरसबसे पहले उनकी स्थिति की जांच करने वाले थे।

व्यापार/लाइफ व साइंस

अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक कोयला आयात 3.1 फीसदी हुआ कम : कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली(हि.स.)। भारत का कोयला आयात वित्त वर्ष 2024-25 के पहले सात महीनों में 3.1 फीसदी तक कम हो गया है। विदेशी कोयले पर निर्भरता घटाने और घरेलू कोयले का उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों से अप्रैल से अक्टूबर 2024 के दौरान देश के कोयला आयत में गिरावट दर्ज की गई है।

कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि कोयला आयात कम करने की सरकार की पहल ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 7 महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। पिछले वित्त वर्ष की उक्त अवधि के दौरान 15.4 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया था, जबकि इस वित्त वर्ष में 14.3 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया है, कोयला आयात में 3.1 फीसदी की कमी है।

मंत्रालय ने कहा कि कोयला के आयात में इस कमी के बावजूद भारत में कोयला आधारित बिजली उत्पादन में अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक 3.87 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। गैर-विनियमित क्षेत्र (बिजली क्षेत्र को छोड़कर) में अधिक गिरावट देखी गई है, जिसमें आयात में साल-दर-साल 8.8 फीसदी की गिरावट आई। इस अवधि में थर्मल पावर प्लांट के आयात में 19.5 फीसदी की तीव्र कमी आई है। हालांकि, बिजली क्षेत्र के लिए कोयले का आयात, विशेष रूप से आयातित कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के लिए, 38.4 फीसदी की वृद्धि हुई हे, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 21.71 मीट्रिक टन से बढ़कर 30.04 मीट्रिक टन हो गया है,

हल्दी का उत्पादन पांच साल में दोगुना कर 20 लाख टन करने का लक्ष्य

नई दिल्ली(हि.स.)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार विकसित करने और अगले 5 साल में उत्पादन दोगुना कर करीब 20 लाख टन करने में मदद करेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के उद्घाटन अवसर पर यह बात कही।

डेल्टा ऑटोकॉर्प की लिस्टिंग से निवेशक गदगद

आईपीओ निवेशकों को 30 प्रतिशत का मुनाफा

नई दिल्ली(हि.स.)। डेल्टिक ब्रांड के नाम से इलेक्ट्रिक टू व्हीलर और थ्री व्हीलर बनाने वाली कंपनी डेल्टा ऑटोकॉर्प की आज स्टॉक मार्केट में शानदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 130 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर 34.62 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 175 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 183 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर गिर कर 167.65 के स्तर तक भी आ गया। दोपहर 12 बजे ये शेयर 30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 169 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। डेल्टा ऑटो कॉर्प का आईपीओ 7 से 9 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 342.18 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 178.64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 624.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 314.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 50.54 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी हुए हैं। नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर फेब्रिकेशन प्लांट और पेंटिंग प्लांट बनाने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

क्वाड्रेंट फ्यूचर की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री

लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली(हि.स.)। भारतीय रेलवे के लिए काम करने वाली कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 290 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी 374 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 370 रुपये के स्तर पर लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये शेयर 380.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 31.10 प्रतिशत का मुनाफा हो गया है। क्वाड्रेंट फ्यूचर का 290 करोड़ रुपये का आईपीओ 7 से 9 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था।

मोबाइल में नहीं है इंटरनेट तो कैसे करें यूपीआइ पेमेंट ?

एजेंसी/ नई दिल्ली। आज के डिजिटल युग में यूपीआइ हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। चाहे शॉपिंग के लिए भुगतान करना हो या किसी रेस्टोरेंट में खाना, हममें से ज्यादातर लोगों ने कैशलेस लेन-देन को अपनाया है और ऑनलाइन पेमेंट पर काफी ज्यादा निर्भर हैं। हालांकि, ये लेन-देन इंटरनेट कनेक्टिविटी पर निर्भर करते हैं। अगर किसी भी समय इंटरनेट काम करना बंद कर देता है, तो इससे भुगतान में बाधा आ सकती है और असुविधा हो सकती है। लेकिन अब, आप यूपीआइ का इस्तेमाल कर सकते हैं और इंटरनेट कनेक्शन के बिना भी भुगतान कर सकते हैं।

पेमेंट के लिए यूएसएसडी कोड का उपयोग कैसे करें?

- अपने बैंक में पंजीकृत मोबाइल नंबर से *99# डायल करें।
- अपने फोन स्क्रीन पर संबंधित नंबर का चयन करके अपनी पसंदीदा भाषा चुनें।
- इच्छित बैंकिंग सुविधा का चयन करें, जैसे मनी ट्रांसफर, शेष राशि की जांच, या लेनदेन देखना।
- पैसा ट्रांसफर करने के लिए, 01 टाइप करें और भेजें दबाएं।
- पैसे भेजने का तरीका चुनें, जैसे मोबाइल नंबर, यूपीआई आईडी, सहेजा गया संपर्क या कोई अन्य विकल्प और भेजें दबाएं।
- यदि मोबाइल नंबर विकल्प का उपयोग कर रहे हैं, तो प्राप्तकर्ता का नंबर दर्ज करें और भेजें दबाएं।
- पेमेंट राशि दर्ज करें और भेजें दबाएं।
- वैकल्पिक रूप से, पेमेंट के लिए एक टिप्पणी जोड़ें।

मकर संक्रांति पर लोगों ने कोयल नदी में लगाई आस्था की डुबकी

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। मकर संक्रांति अमृत स्नान पर्व के अवसर पर पवित्र कोयल नदी में लाखों भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई। अमृत स्नान कर दान-पुण्य करने के लिए मझिआंव प्रखंड के विभिन्न कोयल नदी घाटों पर लाखों भक्तों ने स्नान किया। सूर्योदय से ही कोयल नदी तट पर महिलाएं-पुरुष ही नहीं बच्चों में भी स्नान करने के लिए जैकेट, स्वेटर में लिपटे अपने निकट के नदी में आस्था की डुबकी लगाया। तत्पश्चात अपने-अपने क्षेत्र के स्थानीय मंदिरों में पूजा अर्चना किया। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर कमर संक्रांति का पर्व मनाने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। इस अवसर पर स्नान करने के बाद गरीबों में अन्न, द्रब्य और वस्त्र के साथ तिलकुट, ढुंढा, लाईया आदि दान कर पुण्य के भागी बने। वहीं लोगों ने तिलकुट, दही लाई,चूड़ा आदि ग्रहण किया। वही मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के बूढ़ीखांड हनुमान मंदिर परिसर में पांच दिवसीय मेला का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिन ही श्रद्धालुओं प्रातः 8:00 बजे से ही मेला में आना शुरू कर दिया। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले मेला में आने के पश्चात बाबा बजरंगबली का पूजा अर्चना किया। पूजा सामग्री में धूप अगरबत्ती नारियल चुनरी आदि कई प्रकार के चढ़ावा चढ़ाया तत्पश्चात हनुमान जी का सच्चा दर्शन किया इसके बाद पहाड़ों के शिखर पर विराजमान देवों में देव महादेव पहाड़ों की पगडंडी रास्तों से लोगों ने चढ़कर उनका दर्शन किया। ज्ञात होगी मेला में आए श्रद्धालुओं ने अपनी जरूरतमंद के अनुसार अन्य प्रकार की सामग्रियां खरीदी। खासकर मेला में जलेबी पकौड़ी तथा बच्चों के खिलौने वाले दुकानों पर अधिक भीड़ देखा गया। वही मेला में आए ब्रेक डाउन झूला, ट्रेन जहाज जंपिंग अन्य प्रकार की खेल सुविधाओं पर चढ़कर लुफ्त उठाया। वही मेला में संध्या 5:00 बजे तक मेला में देखने आए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

अमृत स्नान कर दान-पुण्य के लिए

कोयल नदी पर जुटे लाखों भक्त

फुलवार धाम पर गर्म कुंड नहाने पहुंचे दूर-दूर से लोग

भवनाथपुर। प्रखंड के कैलान पंचायत के फुलवार गांव में मकर सक्रांति के शुभ अवसर पर लगने वाला दो दिवसीय मेला के पहले दिन 14 जनवरी को फुलवार धाम पर गर्म कुंड नहाने पहुंचे दूर-दूर से लोग। हर साल की भांति इस वर्ष ज्यादा संख्या में लोगों का भीड़ देखने को मिला।बता दें कि फुलवार धाम शिव जी का स्थान है जो यहां चारों दिशा में जंगल से गिरे हुए एक उच्च स्थान पर पहाड़ से गर्म कुंड है जो लोगों आने का आकर्षित करता है। दूर-दूर से नहाने और पूजा पाठ करने यहां लोग आते हैं। लोगों की मान्यता के है कि इस गर्म कुंड में नहाने से अनेकों प्रकार के रोगों का नाश होता है। यहां पर ग्रामीणों की मदद से मंडप भी तैयार किया जा रहा है। सुरक्षा में. थाने के एसआई निरंजन शमार्के साथ पुलिस जवान सुरक्षा में लग रहे फुलवार धाम कमेटी के लालनाथ यादव, ब्रजेश यादव,आलोक यादव,मनोज यादव, लाल विहारी कोरवा, निरंजन सिंह, दिलीप यादव, धर्मेंद्र यादव, नरेश कोरवा, अशोक यादव, गोपाल कोरवा सहित कई लोग मेला को सफल बनाने में लगे हुए है। यह मेला दो दिनों तक लगता है।

मकर संक्रांति पर बराही धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हुसैनाबाद। मकर संक्रांति पर्व को लेकर श्रद्धालुओं ने बराही, दंगवार के सोन घाट पर स्नान किया। स्नान के बाद सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ चर्चित बराही धाम में पहुंचने लगी, वहीं बराही धाम परिसर में स्थित माता रानी की मंदिर में पूजा अर्चना करने को लेकर श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही , वही पूरा धाम परिसर माता की जयकारों से गूंज रहा था। साथ ही मंगलवार होने के चलते हनुमान मंदिर में भी श्रद्धालुओं की हुजूम उमड़ पड़ा था।मकर संक्रांति में उमड़ी भीड़ को लेकर बराही धाम समिति सदस्यगण काफी तत्पर देखे गए। इस दौरान लोगों ने दक्षिणमुखी भगवान श्री हनुमान की पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं द्वारा बीच बीच में जय जय हनुमान जी की जयकारे लगाते रहे। जिसे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर धाम परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया।

कनहर नदी के तट पर मकर संक्रांति के अवसर पर मेले का हुआ आयोजन

धुरकी। धुरकी थाना क्षेत्र के कनहर नदी के तट पर मकर संक्रांति के अवसर पर मेले का आयोजन हुआ। जिसमें सुबह से ही कनहर नदी में आस्था की डुबकी लोगों ने लगाकर सूर्य देव को याद करते हुए, काला तिल, चावल, दाल एवं मुद्रा के मिश्रण को स्पर्श करते हुए दही चूड़ा लाई एवं मीठे गुड़ के मिष्ठानों को ग्रहण करते हैं। वही कनहर नदी तट पर जगह-जगह खिचड़ा बनाकर एक दूसरे को वितरण किया और अपने परिवारजनों संघ नदी तट पर बैठकर लोगो ने मकर संक्रांति मेले का आनंद लिया। वहीं मेले में लगभग आठ से दस हजार लोगों की भीड़ देखने को मिली। इस आस्था के पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर कनहर नदी तट पर ऐतिहासिक भीड़ हर वर्ष उमडती है।

मकर संक्रांति पर लोगों ने स्नान व दान पुण्य किया

लातेहार। लातेहार जिला मुख्यालय समेंत आसपास के क्षेत्रों में मकर संक्रांति का पर्व पारंपरिक तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने अहले सुबह शहर के विभिन्न जलाशयों में स्नान किया। औरंगा नदी समेंत आसपास के कई नदियों में श्रद्धालुओं को स्नान करते देखा गया।

मकर संक्रांति पर पतंग प्रतियोगिता का आयोजन

लातेहार। मकर संक्रांति के अवसर पर लातेहार प्रखंड में ततहा गरम जल कुंड स्थल पर पर्यटन विभाग के द्वारा पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पतंग प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। खास कर बच्चों एवं किशोरों में पतंग प्रतियोगिता को ले कर खासा उत्साह देखा गया।

उड़िया नदी स्थित सर्फदाहा पुल के पास मेला में उमड़े लोग

मेराल। प्रखंड के बाना गांव सर्फदाहा उरिया नदी पुल के पास मकरसंक्रांति पर विशाल मेला का आयोजित हुआ। इस मेला में बाना, लखेया, गोंदा, रेजो, हासनदाग, गेरुआ, कजराठ, देवगाना, हारादाग, मेराल, करके सहित दर्जनों गांवों के हजारों महिला एवं पुरुष भाग लिया। मेला में आए लोगों ने बताया कि सर्फदाहा पुल शिव बाबा स्थान पर प्रतिवर्ष सैकड़ों की संख्या में विवाह कार्यक्रम संपन्न होता है लगभग पचास वर्ष पूर्व से ही यहां पर विशाल मेला लगता है। मेला में आने वाले लोग विधि विधान से शिव बाबा के पूजन करने के बाद खरीदारी करते हैं।

सीएसपी से पिस्टल की नोंक पर 80 हजार की लूट

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। बाजार क्षेत्र हैदरनगर के बभंडी मोड़ पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से संचालित सीएसपी से 80 हजार रुपया दिन दहाड़े लूट ली गई। इसके संचालक शिवप्रसाद ने बताया कि उनका भारतीय स्टेट बैंक अधीन सीएसपी कोड संख्या 1 ए 761999 प्रतिदिन संचालित होता है। मंगलवार की अपराह्न करीब दो बजे घर पर खाना खाने चले गये। इसी दौरान तीन अपराधी हेलमेट पहने पिस्टल के साथ उनके सीएसपी पर आये। तीन अपराधी में दो अपराधी हाथ में पिस्टल लिए सीएसपी के अंदर प्रवेश कर शटर को बंद कर दिया। उस वक्त उनका कर्मी कुंदन कुमार काउंटर संभाल रहा था। कर्मी के कनपटी में पिस्टल सटाकर चुपचाप बैठे रहने की चेतावनी देते रहे। दूसरा अपराधी स्वयं उनके काउंटर में रखे करीब 80 हजार रुपया निकालकर भाग गए। इस दौरान सीएसपी के अंदर फंसे चार-पांच ग्राहकों को भी अपराधी पिस्टल दिखाकर शांत रहने को धमकाते रहे। शटर के बाहर खड़ा एक अपराधी भी बाहर खड़े ग्राहकों को धमकी देते रहे। बाजार क्षेत्र में घटित इस घटना से चारों ओर दहशत का माहौल कायम हैं। अपराधियों के घटनास्थल से भागने के बाद सैकड़ों की ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना फैलते ही वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. अजय जयसवाल, सीकेश सिंह, उपप्रमुख पप्पू कुमार पासवान ने घटनास्थल पर पहुंचे अति व्यस्तम इलाके में घटित इस घटना की निंदा कर अविलंब अपराधियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग प्रशासन से की है। जिससे सुदूर इलाके के भयमुक्त बाजार तक आवागमन कर सकें। इस घटना के एसआई आजम अंसारी के नेतृत्व में दलबल के साथ पुलिस घटनास्थल पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू की है। इसके साथ ही सीएसपी सहित आसपास के सीसीटीवी के फुटेज भी खंगालने का काम पुलिस कर रही है।

पेज एक के शेष

समादेष्टा ने किया...

जबकि मेरे बड़े भाई ने नव-नामांकन के समय अपनी जन्मतिथि 25/01/1988 दशार्या है। चंद्रमोहन बिरुवा ने अपने शिकायत पत्र में आरोप लगाते हुए कहा था कि उसके बड़े भाई सत्यनारायण बिरुवा ने दो बार मैट्रिक की परीक्षा दी थी। पहली बार जब मैट्रिक की परीक्षा वर्ष 1997 में दी थी, उस वक्त उसने अपनी जन्मतिथि 25/01/1980 दशार्या था। जब दूसरी बार मैट्रिक की परीक्षा वर्ष 2007 में दी, उस वक्त उसने अपनी जन्मतिथि 25/01/1988 दशार्या था।

दो अलग-अलग जन्मतिथि का आरोप हुआ था प्रमाणित : सत्यनारायण बिरुवा की जन्मतिथि सत्यापन के संबंध में विभाग द्वारा संबंधित विद्यालय से पत्राचार किया गया था। इसके आलोक में आरके हाई स्कूल, पुटूसिया द्वारा वर्ष 1997 के अंक पत्र में उसकी जन्म तिथि 25.01.1980 तथा स्कॉट हिंदी गर्ल्स हाई स्कूल चाईबासा द्वारा वर्ष 2007 के अंक पत्र में उसकी जन्म तिथि 25.01.1988 प्रमाणित करते हुए संबंधित दस्तावेज संबंधित कार्यालय को उपलब्ध कराया गया था। इसके बाद सत्यनारायण बिरुवा के विरुद्ध दो जन्मतिथि का मामला संज्ञान में आने के बाद पूर्व जिला समादेष्टा, गृह रक्षा वाहिनी, पश्चिमी सिंहभूम ने सत्यनारायण को पुनः नामांकन से वंचित कर दिया था।

पूर्व समादेष्टा ने किया था बर्खास्त : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गृह रक्षक 13409 सत्यनारायण बिरुवा द्वारा अपना नामांकन दो अलग-अलग जन्मतिथि को छुपाकर विभाग को दिग्भ्रमित व गुमराह करते हुए धोखे से गृह रक्षक के रूप में नामांकित कराने के आरोप में झारखंड गृह रक्षा वाहिनी मुख्यालय के पूर्व समादेष्टा ने 22 अगस्त 2023 को उसे बर्खास्त कर दिया था।

बर्खास्तगी के आदेश को डीआईजी ने किया निरस्त : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गृहरक्षक सत्यनारायण बिरुवा के विरुद्ध पूर्व समादेष्टा द्वारा पारित किए गए बर्खास्तगी के आदेश को पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) अजय लिंडा ने 9 जनवरी 2025 को निरस्त कर दिया। गृह रक्षा वहिनी एवं अग्निशमन सेवाएं झारखंड, रांची के पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय लिंडा ने निरस्त करने के आदेश में कहा कि गृह रक्षक 13409 सत्यनारायण बिरुआ द्वारा वर्ष 1997 में दी गई 10वीं की परीक्षा के समय अंकित जन्म तिथि 25/01/1980 के आधार पर नामांकन एवं पुनः नामांकन में इसका दुरुपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सत्यनारायण बिरुआ पर लगाए गए आरोप प्रमाणित नहीं होते हैं। अतः सेवामुक्ति के पारित आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है तथा सेवामुक्त सत्यनारायण बिरुआ 13409 को झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, चाईबासा को गृह रक्षक की सेवा में पुनः वापस लिया जाता है।

रांची में कोल इंडिया...

भुक्तभोगी ने जब अपने नंबर से किसी तरह का मैसेज भेजे जाने से इनकार किया, तो उन्हें बताया गया कि हो सकता है कि किसी जगह पर जमा किए गए उनके दस्तावेज के आधार पर सिम कार्ड लेकर साइबर क्रिमिनल ने इस तरह की हरकत की हो। उन्हें बताया गया कि चूंकि आपके नंबर के जरिए बड़े पैमाने पर ठगी की गई है, इसलिए उनके खिलाफ मनी लांड्रिंग का केस बन रहा है। उन्हें अरेस्ट करने की धमकी दी गई। इसके साथ ही कॉल करने वाले ने उन्हें भरोसा दिया कि अगर वे खुद को निर्दोष मानते हैं, तो गिरफ्तारी और कार्रवाई से बचाने के लिए दिल्ली साइबर ब्रांच से उनकी मदद कराई जा सकती है। इसके बाद उन्हें दिल्ली साइबर क्राइम ब्रांच की अफसर बताने वाली पूनम गुप्ता नामक महिला का कॉल आया। उन्हें मोबाइल कैमरा ऑन करने कर उसके सामने रहने को कहा गया। फिर, उनकी बात कई लोगों से कराई गई, जिसमें एक व्यक्ति को सीनियर आईपीएस बताया गया। उन्हें लगातार धमकी देकर असली अपराधियों के पकड़े जाने तक वीडियो कॉल पर रहने की हिदायत की गई। यह सिलसिला लगातार 11 दिनों तक जारी रहा। इस दौरान उनसे अलग-अलग अकाउंट में यह कहकर रकम ट्रांसफर कराई गई कि ऐसा करने से ही यह साबित होगा कि उन्होंने मनी लांड्रिंग नहीं की है। भयभीत भुक्तभोगी ने खुद और अपनी पत्नी के अकाउंट में जमा 2.27 करोड़ की राशि ट्रांसफर कर दी। इस घटना में पीड़ित की जिंदगीभर की जमा पूंजी चली गई। जब उन्हें ठगी का एहसास हुआ, तो उन्होंने ठगों के नबंर पर कॉल करने की कोशिश की, लेकिन नबंर ब्लॉक कर दिया गया था।

भारत को बनाना...

हम सभी भारतीय संस्कृति में मकर संक्रांति के महत्व को जानते हैं। उन्होंने कहा कि आज हम आईएमडी के 150 वर्ष सेलिब्रेट कर रहे हैं। ये केवल भारतीय मौसम विभाग की यात्रा नहीं है, ये हमारे भारत में आधुनिक साइंस और टेक्नोलॉजी की भी यात्रा है। आईएमडी ने न केवल करोड़ों भारतीयों की सेवा की है, बल्कि यह भारत की वैज्ञानिक यात्रा का भी प्रतीक बना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमने जलवायु से जुड़ी हर चुनौती के लिए देश को तैयार करने के लिए मिशन मौसम की शुरूआत की है। इसका उद्देश्य भारत को जलवायु-स्मार्ट देश में बदलना है। यह मिशन टिकाऊ भविष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और आने वाली चुनौतियों के लिए सक्रिय तत्परता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि मिशन मौसम का उद्देश्य अत्यधुनिक मौसम निगरानी तकनीक और प्रणालियां विकसित करके, उच्च-रिजॉल्यूशन वायुमंडलीय अवलोकन, अगली पीढ़ी के रडार और उपग्रहों और उच्च-प्रदर्शन वाले कंप्यूटरों को लागू करके इसे प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि यह मौसम और जलवायु प्रक्रियाओं की समझ को बेहतर बनाने, वायु गुणवत्ता डाटा प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा जो लंबे समय में मौसम प्रबंधन और हस्तक्षेप की रणनीति बनाने में मदद करेगा।

हरिहरगंज में विराट शिव गुरु महोत्सव का आयोजन, हजारों शिव शिष्य हुए शामिल

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज प्रखंड अंतर्गत न्यू निर्मित सीएचसी के समीप बटाने नदी तट पर मंगलवार को विराट शिव गुरु महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शिव शिष्या बरखा आनंद जी के द्वारा भगवान शिव और हरिन्द्रानंद जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया।

इस आयोजन में बरखा आनंद दीदी के संदेशों को सुनने के लिए झारखंड, बिहार व नेपाल के कई क्षेत्रों से सैंकड़ों बड़ी छोटी वाहनों से हजारों की संख्या में शिव शिष्य व श्रद्धालु पहुंचे थें। बता दें कि शिव शिष्य साहब श्री हरिंद्रानंद के संदेश को लेकर आई कार्यक्रम की मुख्य वक्ता बरखा आनंद ने श्रद्धालुओं से कहा कि मां आदि भवानी स्वयं शिव की प्रथम शिष्या थीं। कहा कि शिव और शक्ति की अदभुत मिलन से सारे जग का कल्याण होता है। उन्होंने कहा कि शिव जगतगुरु है एवं जगत का एक-एक व्यक्ति चाहे वह किसी धर्म जाति संप्रदाय का हो शिव को अपना गुरु बना सकता है। शिव का शिष्य होने के लिए किसी पारंपरिक औपचारिकता अथवा दीक्षा की आवश्यकता नहीं है। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ गुरू भाई बहनों ने अपने-अपने विचार व भजन प्रस्तुत कर लोगों को गुरू के प्रति समर्पित होना के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा और शान्ति व्यवस्था को लेकर स्थानीय पुलिस प्रशासन के अधिकारी पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। जबकि कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम के अध्यक्ष सत्यनारायण शौंडिक, संतोष कुमार गुप्ता, राजीव कुमार के अलावा मुरारी प्रसाद, सुदय मेहता, बृजनंदन साव उर्फ बाबू भाई के अलावे शांति कुमारी ,कलावती देवी ,पूनम देवी, निर्मला कुमारी सहित हजारों शिव शिष्य परिवार जुटे थें।

महिला की जहरीला पदार्थ खाने से हुई मौत

मायके वालों ने जहर देकर मारने का लगाया आरोप

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। मंगलवार को वार्ड नंबर तीन के रामविगहा निवासी अमरेश प्रजापति की 30 वषीर्या पत्नी रूबा देवी ने मानसिक तनाव में आकर जहरीला पदार्थ खा ली। बेहोशी की हालत में परिजनों ने इलाज के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां स्थिति को गंभीर देखते हुए मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। इस संबंध में महिला के मायके वालों ने अपने दामाद व बेटी के ससुराल वालों पर जबरन जहरीला पदार्थ खिलाकर मार डालने का आरोप लगाया हैं। समाचार के अनुसार हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के कुसुआ गांव के टोला गडेडियाडीह निवासी नरेश प्रजापति की पुत्री की शादी करीब दस वर्ष पहले शहर के राम विगहा निवासी अमरेश प्रजापति के साथ हिन्दू रीति रिवाज के साथ हुई थी। जिसके दो बच्चे भी हैं। इसके बाद भी अमरेश प्रजापति ने दूसरी शादी कर लिया था। जिसके बाद दोनों में पूर्व से विवाद हो रही थी, जिसको लेकर कई बार दोनों पक्षों में कहा सुनी भी होने की बात कही जा रही हैं, जिसके कारण मकर संक्रांति के दिन मौत हो गई। मृतका का मेदिनीनगर में ही पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस संबंध में मृतका के मायके वालों ने हुसैनाबाद थाना में लिखित आवेदन देकर रूबा देवी को पूर्व से पडताड़ना व जहरीला पदार्थ खिलाकर उसकी हत्या कर आत्महत्या का रूप देने का आरोप लगाया हैं। हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

हाथी से सुरक्षा को लेकर वन विभाग ने ग्रामीणों को किया जागरूक

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। चिनियां थाना क्षेत्र के तांडिल गांव में जंगली हाथी से लोगों को सुरक्षा को लेकर एक कार्यक्रम के तहत दूसरे राज्य से आए विशेषज्ञ के द्वारा ग्रामीणों को जागरूक किया गया। व हाथी से बचाव को लेकर लोगों को कई तरह के टिप्स बताए गए। जहां मौके पर गढ़वा दक्षिणी बन प्रमंडल पदाधिकारी एविन अब्राहम बेनी मौजूद रहे ।इस दौरान कर्नाटक से आए हुए डॉक्टर रुद्राआदित्य के द्वारा हाथी से बचाव को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया, उक्त कार्यक्रम जंगली हाथी से लोगों की सुरक्षा के लिए आयोजित की गई थी जिसमें क्षेत्र में बढ़ रहे हाथियों के हमले और उत्पादन पर रोकथाम के लिए ग्रामीणों को सुझाव दिया गया। इस दौरान रुद्रा आदित्य ने बताया कि जंगल के किनारे गांव व खेत होने के कारण हमेशा हाथियों का खतरा बना रहता है जिससे सुरक्षा के लिए सतर्कता बहुत जरूरी है। घर के आस-पास सफाई रखें उजाले की व्यवस्था रखें साथ ही कहा कि हाथी दिखाई पड़ने पर हाथियों के साथ छेड़छाड़ बिल्कुल भी ना करते हुए इसकी सूचना तुरंत वन विभाग के कर्मियों को दे ताकि हाथी के द्वारा कोई अप्रिय घटना ना हो। साथ ही कहां की हाथी भगाते समय निश्चित दूरी बनाए रखें अपने हाथों में मसाल जलाकर एवं मिर्ची पाउडर का उपयोग करने सहित कई महत्वपूर्ण बातों की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। वही मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी एवीन अब्राहम बेनी ने कहां की चिनियां बन क्षेत्रों में हाथी लगातार विचरण कर रहे हैं और कभी भी गांव में पहुंच सकते हैं। इसलिए लोग सतर्क रहें। बेवजह में जंगलों की ओर न जाए। अगर हाथी दिखे तो तुरंत इसकी सूचना बनकर्मियों को दे शराब की हालत में तो बिल्कुल जंगलों की ओर ना जाए क्योंकि हाथी को शराब की गंध आकर्षित करती है, हाथी को भगाते समय अपनी दूरी जरूर बनाए रखें, एवं हाथी भगाते समय अपने दाएं बाएं भी जरूर देखें।

हुसैनाबाद में फर्जी बायोमैट्रिक उपस्थिति घोटाला, बीईईओ ने किया खुलासा

वरीय अधिकारियों को दी इसकी सूचना

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड संसाधन केंद्र हुसैनाबाद (उत्तर) में कार्यरत जय माता दी कंपनी और परियोजना से नियुक्त कर्मियों द्वारा फर्जी बायोमैट्रिक उपस्थिति बनाने का मामला उजागर हुआ है। यह घोटाला प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईईओ) के सतर्क निरीक्षण के बाद सामने आया। जांच के दौरान पाया गया कि कर्मचारी फर्जी अंगूठे (बायोमैट्रिक थंब प्रिंट) बनवाकर रोजाना अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे थे। ये फर्जी अंगूठे माचिस के डब्बे में छिपाकर रखे गए थे और इन्हें बायोमैट्रिक मशीन पर उपयोग किया जा रहा था। इस पूरे फजीर्वाड़े में कई कर्मियों की संलिप्तता पाई गई है। इनमें डेटा ऑपरेटर, एमडीएम ऑपरेटर, रिसोर्स शिक्षक, लेखापाल, लिपिक आदि शामिल हैं। गत 12 सितंबर 2024 को प्रखंड कार्यालय में कागज खोजने के दौरान यह खुलासा हुआ। रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर ने बक्से में रखे फर्जी अंगूठों और उनके साथ लगे संकेतों को देखा। उन्होंने इस संदर्भ में जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी। इसके बाद इन फर्जी अंगूठों को कब्जे में लिया गया। जांच में जिन कर्मियों की संलिप्तता पाई गई है। उनमें विनोद कुमार (रिसोर्स शिक्षक), अभय कुमार सिंह (एमडीएम ऑपरेटर), शनी कुमार दास (डेटा ऑपरेटर), रंजना भारती (बीपीएम), दीपक कुमार मिश्रा (लिपिक),जयराम मेहता (बीपीएम), रंजन कुमार सिंह (लेखापाल) एवं श्रीकांत कुमार (एमआईएस) का नाम शामिल है। रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर ने बताया कि इन कर्मियों ने घटना उजागर होने के बाद उन पर दबाव बनाया और धमकी दी कि यदि यह बात अधिकारियों तक पहुंची, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राम नरेश राम ने उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि यह कृत्य न केवल सरकारी नियमों का उल्लंघन है, बल्कि विभाग के साथ धोखाधड़ी भी है। माचिस के डिब्बे में रखे गए फर्जी अंगूठों और उनके उपयोग से संबंधित प्रमाण और बायोमैट्रिक उपस्थिति बनाने के लिए उपयोग किए गए उपकरणों की सूची बतौर साक्ष्य के रूप आवेदन के साथ संलग्न किया गया है। यह मामला शिक्षा विभाग में हो रही लापरवाहियों और भ्रष्टाचार का एक और उदाहरण है। विभागीय अधिकारियों ने इस मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब देखना यह है कि दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है और विभाग इस प्रकार के फजीर्वाड़ों को रोकने के लिए क्या कदम उठाता है। गौरतलब बात तो यह है कि बीईईओ ने उक्त मामले को 12 सितंबर को ही अपने पत्र के माध्यम से शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया था। किंतु उसे ठंढे बस्ते में डाल दिया गया। पुनः हुसैनाबाद के बीईईओ ने 30 दिसंबर को शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर उक्त गंभीर मामले में कानूनी कार्रवाई हेतु करने का आग्रह किया, तो उल्टे बीईईओ के खिलाफ ही कार्रवाई हो गयी।

बीआरसी कर्मियों को झूठे षडयंत्र कर फंसाने का प्रयास

हुसैनाबाद प्रखंड (उ०) में पदस्थापित बीईईओ राम नरेश राम के उपर विभाग द्वारा अपने कार्य के प्रति घोर लापरवाही के कारण प्रपत्र-''क'' गठित हुआ है, जिसके कारण विभाग द्वारा उनको बीआरसीसी के पद से मुक्त किया है। एवं उनके स्थान पर छत्तरपुर बीईओ को हुसैनाबाद बीआरसीसी का कार्य निस्पादन हेतु प्राधिकृत किया गया है, जिसके आलोक में बीईईओ राम नरेश राम काफी गुस्से में है एवं कहते है कि मेरे उपर प्रपत्र-''क''कार्यालय कमीयों द्वारा कराया गया है, मैं किसी को नहीं छोड़ेगें, जिसके कारण दिनांक सोमवार को कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया कि फर्जी बायोमैट्रिक उपस्थिति घोटाला प्रखंड संसाधन केन्द्र हुसैनाबाद में एक बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। इसे संबंधित जो समाचार पत्र में छपी हैं। वह बिल्कुल ही हुसैनाबाद बीईईओं राम नरेश राम का एक झूठा षडयंत्र हैं।

लॉस एंजिल्स आग के कारण ऑस्कर पुरस्कार के नामांकन की घोषणा टली

लॉस एंजिल्स (हि.स.)। अमेरिका के लॉस एंजिल्स क्षेत्र के जंगलों में लगी भीषण आग के कारण 97वें ऑस्कर पुरस्कार के लिए नामांकन की घोषणा को लगभग एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है। मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज अकादमी ने कहा कि अब नामांकन की घोषणा 23 जनवरी को की जाएगी। यह घोषणा अकादमी की वेबसाइट पर सीईओ बिल क्रेमर और अध्यक्ष जेनेट यांग ने संयुक्त रूप से सोमवार को की। सीईओ क्रेमर और यांग ने कहा कि इस आग से लॉस एंजिल्स में भारी तबाही हुई है। अकादमी कठिनाई के समय में प्रभावित लोगों के साथ दृढ़ता के साथ खड़ी है। अकादमी ने महसूस किया है कि नामांकन की घोषणा की तारीख को आगे बढ़ाना आवश्यक है। अकादमी के कार्यकर्ता अग्रिम पंक्ति पर आगे आकर राहत और बचाव कार्य कर रहे हैं। अकादमी राहत प्रयासों का हिस्सा बनने वाले कार्यकतार्ओं को सम्मानित करेगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध में केरल के एक व्यक्ति की मौत

- **भारत ने संघर्ष क्षेत्र से बाकी भारतीयों की जल्द वापसी की मांग दोहराई**

नई दिल्ली। रूस में एक भारतीय नागरिक की मौत के बाद भारत ने संघर्ष क्षेत्र में रूसी सेना में काम कर रहे अन्य भारतीयों को जल्द वापस भेजने की अपनी मांग दोहराई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमें केरल के एक भारतीय नागरिक की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बारे में पता चला है, जिसे जाहिर तौर पर रूसी सेना में सेवा देने के लिए भर्ती किया गया था। केरल का एक अन्य भारतीय नागरिक, घायल हो गया है और उसका मॉस्को के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भूतपूर्व सैनिक हमारे नायक व देशभक्ति के प्रतीक हैं : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सशस्त्र सेना वेटरंस डे (भूतपूर्व सैनिक दिवस) पर देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले बहादुर महिलाओं और पुरुषों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भूतपूर्व सैनिक हमारे नायक और देशभक्ति के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, सशस्त्र सेना वेटरंस डे पर, हम उन बहादुर महिलाओं और पुरुषों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हमारे देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका बलिदान, साहस और कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता अनुकरणीय है। हमारे दिग्गज नायक हैं और देशभक्ति के प्रतीक हैं। हमारी सरकार ने हमेशा दिग्गजों के कल्याण के लिए काम किया है और हम आने वाले समय में भी ऐसा करते रहेंगे।

पीएम आज मुंबई में 3 नौसैनिक युद्धपोत राष्ट्र को करेंगे समर्पित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में नौसेना के तीन अग्रणी युद्धपोत (आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर) राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 जनवरी को महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री दिन में करीब 10:30 बजे मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में नौसेना के तीन अग्रणी युद्धपोतों आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस वाघशीर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके बाद दिन में करीब 3:30 बजे वे नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन करेंगे।

राजौरी में नियंत्रण रेखा पर बारूदी सुरंग विस्फोट में छह सैनिक घायल

राजौरी। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा के भवानी सेक्टर के मकरी इलाके में नियंत्रण रेखा पर एक बारूदी सुरंग विस्फोट में छह सैनिक घायल हो गए। घायल सैनिकों को इलाज के लिए राजौरी के आर्मी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। उनकी हालत स्थिर है और उन्हें मामूली चोट आई हैं। घायल सैनिकों की पहचान तुरंत पता नहीं चल पाई है। सूत्रों के मुताबिक नियमित गश्त के दौरान सेना का एक दल गलती से एक बारूदी सुरंग पर चला गया।

इजरायल और हमास के बीच लंबे समय से जारी युद्ध के थमने की संभावना बढ़ी

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पूर्व गाजा में युद्धविराम संभव

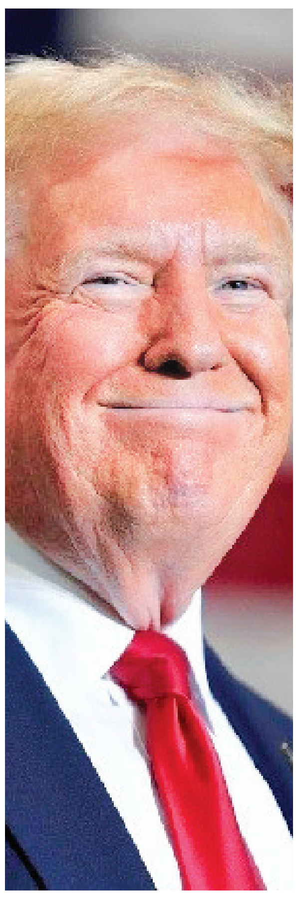

कतर ने दोनों पक्षों के सामने प्रस्तुत किया तैयार मसौदा

दोहा (हि.स.)

गाजा में इजरायल और हमास के बीच लंबे समय से जारी युद्ध के थमने की संभावना बढ़ गई है। कतर की कोशिश है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले युद्धविराम समझौता लागू हो जाए। कतर ने दोनों पक्षों के सामने तैयार मसौदा प्रस्तुत किया है। इस पर अगले सप्ताह हस्ताक्षर होने की संभावना है। कतर ट्रिब्यून के अनुसार, अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने लुसैल पैलेस स्थित अपने कार्यालय में गाजा पट्टी में युद्धविराम वार्ता के लिए पहुंचे हमास के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह प्रतिनिधिमंडल डॉ खलील अल के नेतृत्व में इन दिनों दोहा में है। अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने प्रतिनिधमंडल से युद्धविराम वार्ता की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इस बीच, व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने सोमवार को वाशिंटन में कहा कि गाजा युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौता करीब है। इसे राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल के अंतिम सप्ताह में अंतिम रूप दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाइडेन ने रविवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। वह इस मामले के मध्यस्थ कतर के अमीर से भी बातचीत करेंगे। सुलिवन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जल्द ही मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से बातचीत करेंगे।

इजरायली मंत्री ने सीजफायर डील पर जताया है विरोध

तेल अवीव (आईएएनएस)। इजरायल और हमास के बीच गाजा में युद्धविराम और फिलिस्तीनी ग्रुप की तरफ से बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के लिए समझौता वार्ता अंतिम स्तर पर है। उम्मीद जताई जा रही है कि आज ही समझौते का ऐलान हो सकता है। इस बीच सीजफायल डील के लिए नेतन्याहू सरकार के भीतर से ही विरोध शुरू हो गया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल के दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने सरकार की तरफ से युद्ध विराम समझौते पर सहमति जताने की सूरत में इस्तीफा देने की धमकी दी है। उन्होंने वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच से भी उनका साथ देने की अपील की है। अब प्रश्न यह है कि क्या इन दोनों मंत्रियों का विरोधी रुख नेतन्याहू सरकार को डील करने से रोक पाएगा। रिपोर्ट में इजरायल के विदेश मंत्रालय के पूर्व महानिदेशक एलन लील के हवाले से कहा गया, इस स्तर पर, यह स्पष्ट है कि ये दो मंत्री - बेन-ग्विर और स्मोट्रिच, और शायद कुछ अन्य - डील के खिलाफ मतदान करेंगे। लेकिन, यह भी स्पष्ट है कि बहुमत समझौते के पक्ष में ही होगा। लील ने कहा, अभी सवाल यह है कि क्या वे इस्तीफा देंगे, (और) सरकार छोड़ देंगे।' उनके मुताबिक, 'मुझे नहीं लगता कि ग्वीर और स्मोट्रिच के पास ऐसा कोई विकल्प है, क्योंकि केंद्र की पार्टियां समझौत के मुद्दे पर नेतन्याहू का समर्थन करेंगी। इसलिए यह सब नेतन्याहू पर निर्भर करता है। अगर नेतन्याहू को लगता है कि वे गठबंधन में अपने असली सहयोगियों को खो रहे हैं, तो वे सौदे से हट सकते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह यथार्थवादी है। इजरायल के विदेश मंत्रालय के पूर्व महानिदेशक ने कहा, मुझे लगता है कि नेतन्याहू दोनों मंत्रियों के बिना ही इस समझौते को पारित करने के लिए आगे बढ़ेंगे, अगर वे दोनों सरकार छोड़ देते हैं, तो वे संसद के अधिक सदस्यों के साथ सरकार को मजबूत करने की कोशिश करेंगे। इसलिए मेरा अनुमान है कि वे दोनों मंत्री इसके खिलाफ वोट करेंगे, लेकिन सरकार नहीं छोड़ेंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेन ग्वीर ने संभावित समझौते को 'भयानक' बताया। उन्होंने दावा किया की उनका इस्तीफा अकेले नेतन्याहू को गाजा समझौते पर हस्ताक्षर करने पर फिर से सोचने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है।

> *इजरायल के दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने सरकार की तरफ से युद्ध विराम समझौते पर सहमति जताने की सूरत में इस्तीफा देने की धमकी दी है।*

तीन अलग-अलग लक्ष्य पूरी सटीकता के साथ ध्वस्त

स्वदेशी 'नाग' मिसाइल का जैसलमेर में सफल परीक्षण

- **जैसलमेर के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में किया गया टेस्ट**
- **मिसाइल भारतीय सेना में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार**

'फायर एंड फॉरगेट' तकनीक पर आधारित है 'नाग' मिसाइल

नाग मिसाइल 'फायर एंड फॉरगेट' तकनीक पर आधारित है, जिसका मतलब है कि इसे एक बार दागने के बाद दोबारा निर्देशित करने की आवश्यकता नहीं होती। इस मिसाइल में इंफ्रारेड तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो लांच से पहले लक्ष्य को लॉक करती है और फिर उसे सटीकता से नष्ट कर देती है। इसकी मारक क्षमता 4 किलोमीटर तक है, और यह दुश्मन के टैंकों और सैन्य वाहनों को चंद सेकंडों में नष्ट कर सकती है।

जैसलमेर (आईएएनएस)

भारत ने अपनी तीसरी पीढ़ी की स्वदेशी एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल 'नाग' का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में हुआ, जो पाकिस्तान सीमा के नजदीक है। भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह परीक्षण संपन्न हुआ। इस परीक्षण के दौरान मिसाइल ने तीन अलग-अलग लक्ष्यों को पूरी सटीकता के साथ ध्वस्त किया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक नाग मिसाइल अब भारतीय सेना में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह मिसाइल 230 मीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से अपने लक्ष्य पर प्रहार करती है और चार किलोमीटर दूर स्थित दुश्मन को मात्र 17-18 सेकंड में नेस्तनाबूद कर सकती है।

सैन्य सूत्रों के अनुसार, नाग मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 300 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया है। इसका पहला सफल परीक्षण वर्ष 1990 में हुआ था और इसके बाद से कई बार इसका परीक्षण किया जा चुका है। जुलाई 2019 में भी पोखरण फायरिंग रेंज में इसका परीक्षण किया गया था। साथ ही, वर्ष 2017, 2018 और 2019 में भी इसमें नई तकनीक जोड़ने के लिए परीक्षण किए गए थे। नाग मिसाइल डीआरडीओ के एकीकृत मिसाइल विकास कार्यक्रम का हिस्सा है और यह भारतीय सेना की ताकत को कई गुना बढ़ाएगी। नाग एमके-2 भारतीय सेना के लिए एक अत्याधुनिक एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम है, जो हल्की और हर मौसम में कार्य करने में सक्षम है। इसका वजन लगभग 45 किलो है और इसकी लंबाई 6 फीट 1 इंच है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर डीआरडीओ और भारतीय सेना को बधाई दी है। इस सफलता से भारत की रक्षा क्षमताओं में एक नया अध्याय जुड़ा है, और भारतीय सेना अब और भी ज्यादा मजबूत हो गई है।

बांग्लादेश में बैन हुई कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी'

मुंबई (आईएएनएस)

कंगना रनौत के निर्देशन में तैयार बहुप्रतीक्षित फिल्म 'इमरजेंसी' बांग्लादेश में बैन कर दी गई है। भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा तनावपूर्ण संबंधों की वजह से पड़ोसी देश ने यह फैसला लिया। फिल्म 'इमरजेंसी' 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा भारत में घोषित इमरजेंसी पर आधारित है। मामले से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, बांग्लादेश में 'इमरजेंसी' की स्क्रीनिंग रोकने का फैसला भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा तनावपूर्ण संबंधों से जुड़ा है। यह प्रतिबंध फिल्म की थीम से कम और दोनों देशों के बीच चल रहे राजनीतिक तनावपूर्ण संबंधों की वजह से है। 'इमरजेंसी' 1971 के बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय सेना और इंदिरा गांधी की सरकार की भूमिका और शेख मुजीबुर्रहमान को दिए गए समर्थन को दर्शाती है, जिन्हें 'बांग्लादेश का जनक' कहा जाता है। फिल्म में बांग्लादेशी चरमपंथियों के हाथों मुजीबुर्रहमान की हत्या को भी दिखाया गया है, इसके कारण माना जाता है कि बांग्लादेश में फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया गया। भारत के सिनेमाघरों में 'इमरजेंसी' तीन दिनों में रिलीज होने को तैयार है। 17 जनवरी को रिलीज होने के लिए तैयार 'इमरजेंसी' भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना को दिखाती है। वर्तमान में भारत और बांग्लादेश के बीच अस्थिर राजनयिक संबंध देखने को मिल रहे हैं।

हालांकि, पड़ोसी देश बांग्लादेश में बैन का सामना करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में 'इमरजेंसी' अकेली नहीं है। इससे पहले 'पुष्पा 2' और 'भूल भुलैया 3' जैसी फिल्मों को भी बांग्लादेश में रिलीज करने से रोक दिया गया था।

ब्रिटेन के राजकुमार एडवर्ड फरवरी में जाएंगे नेपाल

काठमांडू। ब्रिटेन के राजकुमार एडवर्ड ने वर्ष 2025 के अपने विदेश दौरे की शुरुआत नेपाल से करने की घोषणा की है। वे 4 फरवरी को एक हफ्ते के लिए नेपाल दौरे पर आएंगे। ब्रिटेन के शाही परिवार की वेबसाइट पर राजकुमार एडवर्ड के नेपाल दौरे की जानकारी साझा की गई है। एडवर्ड के साथ उनकी पत्नी सोफी के भी नेपाल आने की जानकारी दी गई है। हालांकि, उनके दौरे को लेकर नेपाल सरकार की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

हमने अदालतों पर विश्वास खो दिया है : बुशरा बीबी

- **इमरान खान की पत्नी ने आतंकवाद विरोधी अदालत के जज से कही यह बात**

इस्लामाबाद (हि.स.)

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने मंगलवार को एक न्यायाधीश से कहा, यह कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन हमने अदालतों पर से विश्वास खो दिया है। उनकी यह टिप्पणी न्यायाधीश ताहिर अब्बास सिपरा की अध्यक्षता वाली आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) में एक मामले की सुनवाई के दौरान आई। यह मामला रेंजर्स कर्मियों पर एक वाहन चढ़ाने के आरोप से संबंधित था। 'जियो न्यूज' चैनल के अनुसार, सुनवाई के दौरान जज ने बुशरा से कहा, इसमें कुछ समय लगा है, लेकिन कानूनी प्रोटोकॉल का पालन किया गया है। इस पर बुशरा बीबी ने जवाब दिया, यह कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन हमने अदालतों पर से विश्वास खो दिया है। न्यायाधीश सिपरा ने इस पर असहमति जताते हुए आश्वासन दिया, हर जगह ऐसा नहीं है। न्याय प्रणाली अपनी खामियों के बावजूद काम कर रही है। अगर यह ध्वस्त हो गई, तो समाज का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। आप अन्य सुनवाई में भी मेरे सामने पेश हुई हैं।

पीटीआई संस्थापक की पत्नी ने कहा, देश में कानून है लेकिन न्याय नहीं है। पीटीआई संस्थापक को संविधान की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए जेल में डाल दिया गया है। हमने जो कुछ सहा है, उससे कानून में हमारा विश्वास पूरी तरह से टूट गया है। दलीलों के बाद कोर्ट ने रमना पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में बुशरा को अंतरिम जमानत दे दी और राहत की अवधि 7 फरवरी तक बढ़ा दी। इसके अलावा, संघीय राजधानी इस्लामाबाद में एक अन्य अदालत ने डी-चौक विरोध प्रदर्शन से संबंधित 13 मामलों में बुशरा को अंतरिम जमानत प्रदान की।

मकर संक्रांति पर अमित शाह ने उड़ाया पतंग

अहमदाबाद (आईएएनएस)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार को अहमदाबाद के घाटलोढ़िया इलाके स्थित शांति निकेतन सोसाइटी पहुंचे, जहां उन्होंने संक्रांति पर्व मनाया। गुजरात में संक्रांति को उत्तरायण कहा जाता है और इस दिन लोग पतंग उड़ाते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अपनी पत्नी के साथ शांति निकेतन सोसाइटी पहुंचे, जहां उन्होंने पतंग उड़ाया। वहीं, भाजपा प्रवक्ता एग्रेश दवे ने इस संबंध में आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मकर संक्रांति के मौके पर आज गुजरात में पतंग महोत्सव में शिरकत करने आए थे। इस दौरान, उन्होंने महोत्सव में हिस्सा लिया। उन्होंने कई लोगों से बातचीत की। इस खास मौके पर यहां के विधायक और मेयर भी उपस्थित रहे। इस दौरान यहां के लोगों ने अमित शाह का अद्भुत तरीके से अभिवादन किया और उन्होंने भी लोगों के साथ मिलकर पतंग महोत्सव का आनंद उठाया।

डीएनए रिपेयर से पता चलेगा रेडियोथेरेपी के बाद कैसे मरती हैं कैंसर कोशिकाएं

कैंसर के इलाज को बेहतर बनाने में मिलेगी मदद

सिडनी (आईएएनएस)

- **उपचार में सुधार और सफल इलाज की दर में वृद्धि के लिए नए द्वार खुल सकते हैं**

ऑस्ट्रेलियाई रिसर्च से पता चला है कि डीएनए की मरम्मत से यह पता लग सकता है कि रेडियोथेरेपी के बाद कैंसर कोशिकाएं कैसे मरती हैं। एक नए रिसर्च में मिली यह जानकारी कैंसर के इलाज को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। इससे कैंसर इलाज में सफलता की दर का भी पता चलेगा।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सीएमआरआई की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि रेडियोथेरेपी के बाद कैंसरग्रस्त ट्यूमर कोशिकाएं कैसे मरती हैं, यह जानने के लिए सिडनी के चिल्ड्रन मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएमआरआई) के वैज्ञानिकों ने लाइव सेल माइक्रोस्कोप तकनीक के जरिए रेडिएशन थेरेपी की और इसके बाद एक सप्ताह तक इरेडिएट सेल्स पर रिसर्च किया।

सीएमआरआइ जीनोम इंटीग्रिटी यूनिट के प्रमुख टोनी सेसरे ने कहा, हमारे रिसर्च का परिणाम आश्चर्यजनक है। परिणाम में सबसे खास बात डीएनए की मरम्मत है, जो आमतौर पर स्वस्थ कोशिकाओं की रक्षा करती है, यह बताती है कि रेडियोथेरेपी के बाद कैंसर कोशिकाएं कैसे मरती हैं। उन्होंने बताया, डीएनए की मरम्मत करने वाली प्रक्रियाएं यह पहचान सकती हैं कि कब बहुत अधिक क्षति हुई है, जैसे कि रेडियोथेरेपी से, और कैंसर कोशिका को यह निर्देश दे सकती है कि कैसे डेड होना है। जब विकिरण (रेडिएशन) से डीएनए क्षतिग्रस्त हो जाता है, तो उसे 'होमोलॉग्स रीकांबिनेशन' नामक एक विधि से रिपेयर किया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि इस प्रक्रिया के दौरान कैंसर कोशिकाएं प्रजनन (सेल डिवीजन या माइटोसिस) के समय मर जाती हैं। सेसारे ने कहा कि कोशिका विभाजन के दौरान मृत कोशिकाओं को नोटिस नहीं किया जाता है और इम्यून सिस्टम इसे अनदेखा कर देता है, इसलिए जरूरी इम्यून प्रतिक्रिया सक्रिय नहीं हो पाती है। हालांकि, अन्य मरम्मत विधियों के माध्यम से रेडिएशन-क्षतिग्रस्त डीएनए से निपटने वाली कोशिकाएं विभाजन से बच गईं, और उन्होंने कोशिका में डीएनए रिपेयर बाइप्रोडक्ट भी रिलीज किए। उन्होंने कहा, कोशिका के लिए ये बाइप्रोडक्ट वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण की तरह दिखते हैं और फिर कैंसर कोशिका के इस तरह से मृत होने से इम्यून सिस्टम सतर्क हो जाता है, जो हम नहीं चाहते हैं। टीम ने बताया कि होमोलॉग्स रीकांबिनेशन को बंद करने से कैंसर कोशिकाओं के मृत होने या खत्म होने का तरीका बदल गया, जिससे प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया मजबूत बन गई।

शोधकर्ताओं ने कहा कि इस खोज से उन दवाओं का उपयोग संभव हो जाएगा जो होमोलॉग्स रिकांबिनेशन को रोकती है, जिससे रेडियोथेरेपी से उपचारित कैंसर कोशिकाओं को इस तरह से मरने के लिए मजबूर किया जा सके कि प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर के अस्तित्व के बारे में सचेत किया जा सके जिसे नष्ट करने की आवश्यकता है। सीएमआरआइ के बयान में आगे कहा गया कि नेचर सेल बायोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित ये निष्कर्ष उपचार में सुधार और सफल इलाज की दर में वृद्धि के लिए नए अवसर खोल सकता है।

आसाराम को हाईकोर्ट से भी मिली 31 मार्च तक अंतरिम जमानत

जोधपुर (हि.स.)

अपने ही आश्रम की नाबालिग छात्रा से यौनाचार के आरोप में जोधपुर की सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को सुप्रीम कोर्ट के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट से भी अंतरिम जमानत मिल गई है। आसाराम की ओर से सजा स्थगन व जमानत के लिए पेश याचिका पर आज सुनवाई हुई। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर आसाराम को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जोधपुर रेप केस मामले में 75 दिन की अंतरिम जमानत दे दी है।

मंगलवार को जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ के आदेशानुसार आसाराम 31 मार्च 2025 तक जेल से बाहर रहकर अपना इलाज करवा सकेंगे। इस दौरान आसाराम को अपने किसी भी अनुयायी से मिलने की अनुमति नहीं होगी, ना ही वे मीडिया में कोई बयान जारी सकेंगे। पूरे 24 घंटे वह तीन पुलिसकर्मियों की निगरानी में रहकर अपना इलाज पूरा करवा सकेंगे, जिसका खर्चा आसाराम को उठाना होगा।